रांची, सोमवार

01.07.2024

वर्ष : 9, अंक : 210 पृष्ठ : 12

मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री कल 1500 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास-उद्घाटन

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन दो जुलाई को राज्यवासियों को 1500 करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे। इस अवसर पर जल संसाधन, पथ निर्माण विभाग व भवन निर्माण मंत्री बसंत सोरेन भी उपस्थित रहेंगे। उप राजधानी दुमका से योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन होगा। इसका सबसे अधिक लाभ संथाल के सभी छह जिलों को मिलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण सड़क-पुल व प्रखंड भवन सहित सिंचाई परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। इनमें कई नई योजनाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम को देखते हुए तीनों विभाग तैयारी कर रहे हैं। संबंधित जिला प्रशासन को भी इस संबंध में दिशा-निर्देश दिया गया है।

रथ यात्रा को लेकर कल से पुरी के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

रांची। रथ यात्रा को लेकर रेलवे ने ओडिशा के पुरी के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। इसको लेकर रेलवे की ओर से सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। रेलवे की ओर से चक्रधरपुर डिवीजन में तीन स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी। इसमें से एक ट्रेन बादामपहाड़ स्टेशन से पुरी के बीच चलेगी। इस दौरान इस ट्रेन का ठहराव रायरंगपुर, टाटानगर, घाटशिला और भद्रक में भी होगा। यह ट्रेन दो जुलाई से 19 जुलाई तक एक दिन छोड़कर चलेगी। वहीं दो ट्रेन दो जुलाई से 19 जुलाई तक राउरकेला और पुरी के बीच चलेगी, जिसमें से एक ट्रेन चक्रधरपुर होते हुए चलेगी। वहीं दूसरी ट्रेन झारसुगड़ा, संबलपुर होते हुए पुरी के लिए रवाना होगी।

टाटा स्टील के टूट रहे क्वार्टर के मलबे में दो युवक दबे

जमशेदपुर। बर्मामाइंस थाना अंतर्गत लिंडसे कंपनी के समीप टाटा स्टील के घरों को तोड़ा जा रहा है। रविवार तड़के एक मकान का मलबा गिरने से उसमें दो युवक दब गए। वैसे स्थानीय लोगों का कहना है कि एक युवक बच गया है जबकि एक अभी भी मलबे के भीतर दबा हुआ है। बताया जाता है कि दोनों युवक मलबों के ढेर से कबाड़ चुनने के लिए वहां गए थे तभी आधा तोड़ा गया मकान का मलबा भरभराकर गिर गया, जिससे दो युवक उसमें दब गए हैं। एक युवक का नाम डोमन सिंह है। एक को ईलाज के लिए एमजीएम ले जाया गया है। सूचना मिलते ही बमामाईंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई है।

चम्पाई सोरेन एवं हेमन्त सोरेन ने हूल दिवस पर वीर शहीदों को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

झारखंड के वीर शहीदों से प्रेरणा लेकर समाज और राज्य को मजबूत बनाने का लें संकल्प : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

साहिबगंज। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि 1855 में आज ही के दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिदो कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय, शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था। आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है। यह प्रेरणा दिवस है।

मुख्यमंत्री रविवार को हूल दिवस के अवसर पर अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू की पावन धरती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है। इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं, जिन्होंने अन्याय-शोषण तथा गुलामी को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाए रखने के लिए लम्बा संघर्ष किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़े हिला दी। अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए शहीद हो गए। इन पूर्वजों के बलिदान का परिणाम है कि आज आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में झारखंड में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार की नीतियों कार्यक्रमों और योजनाओं से राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा अभियान के दौरान लाखों आवेदन हमें मिले। इन आवेदनों के माध्यम से हमें जनता की विभिन्न समस्याओं की पूरी गहराई से जानकारी मिली। लोगों की समस्याओं के आधार पर ही हम योजनाओं को बना रहे हैं, ताकि इसका लाभ हर किसी को मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड तभी आगे बढ़ेगा जब यहां की आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक व्यवस्था मजबूत होगी। इसी सोच के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। आदिवासियों-मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना रहे हैं। अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नई दिशा और दशा दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है। इस लिहाज से झारखंड काफी धनी है लेकिन यहां के लोग आज भी गरीब हैं। यहां के खनिज संसाधनों से दूसरे राज्य आगे बढ़ रहे हैं लेकिन झारखंड पिछड़ा राज्य में ही गिना जाता है। अब इसमें बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि झारखंड को विकसित राज्य बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरकार की अनेकों योजनाएं हैं, जिसका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग, खेल या और कोई सेक्टर हर किसी के लिए योजनाएं हैं। आप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें।

396 योजनाओं की मिली सौगात

इस दौरान मुख्यमंत्री ने 29026.745 लाख रुपये की कुल 396 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसमें 11284.854 लाख रुपये की 165 योजनाओं का उद्घाटन और 17741.731 लाख रुपये की 231 योजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कुल 37212 लाभुकों के बीच 9289.745 लाख रुपये की परिसंपत्तियां बांटी।

अपनी अस्मिता और पहचान को खोने नहीं देंगे : हेमंत

साहिबगंज : पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों को हूल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम वर्षों से हूल दिवस मनाते चले आ रहे हैं। आज इस अवसर पर संकल्प लेकर राज्य के विकास में जो भी चुनौतियां सामने आएगी उसका मुकाबला पूरी ताकत के साथ किया जाएगा। हमें अपने हक और अधिकार को हर हाल में लेना है और इसके खिलाफ साजिश रचने वालों को जवाब देना है। हमें जल-जंगल और जमीन को हर हाल में बचाना है। क्योंकि, इसी की खातिर हमारे पूर्वजों ने बलिदान दी थी। हम अपनी अस्मिता और पहचान को किसी कीमत पर मिटने नहीं देंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में हमने झारखंड में बदलाव लाने का काम किया है। अब सरकार हेडक्वार्टर से नहीं, बल्कि गांव से चलती है। हमारी योजनाएं धरातल पर उतरती हैं, जिसका लाभ समाज का अंतिम पंक्ति का व्यक्ति भी उठा रहा है। युवाओं को रोजगार देने के क्षेत्र में भी सरकार कई कदम उठाए हैं। झारखंड की संपदा पर पहला हक झारखंड वासियों का है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ रही है।

'साल 2024 का चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था', मन की बात में बोले पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव करार देते हुए रविवार को कहा कि इसमें 65 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपना अटूट विश्वास दोहराया है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 111वीं कड़ी में देशवासियों के साथ अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात कही।

किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ

उन्होंने कहा, मैं आज देशवासियों को इस बात के लिए धन्यवाद भी देता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपना अटूट विश्वास दोहराया है। साल 2024 का चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें 65 करोड़ लोगों ने मत डाले हैं। प्रधानमंत्री ने लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग और मतदान की प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति को बधाई दी। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस पर इस साल आरंभ किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख किया और कहा कि इसके तहत पेड़ लगाने का अभियान तेजी से चल रहा है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख...

उन्होंने कहा, हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है। चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वह कामकाजी महिलाएं हों या घरेलू। इस अभियान ने मां के प्रति स्नेह जताने का समान अवसर दिया है। उन्होंने कहा, मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी। प्रधानमंत्री ने 30 जून को मनाये जाने वाले हूल दिवस पर देशवासियों को बधाई दी और कहा देश के आदिवासी भाई-बहन इसे धूमधाम से मनाते हैं। उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानियों सिदो-कान्हू को याद करते हुए कहा कि इनका बलिदान आज भी देशवासियों को प्रेरित करता है। उन्होंने इन दोनों स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित संथाली भाषा में एक गीत के कुछ अंश की रिकॉर्डिंग भी लोगों को सुनायी।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान पेरिस ओलंपिक का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई की भारतीय दल इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने लोगों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए चीयर 4 भारत हैशटैग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, इस हैशटैग के जरिए हमें अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाना है...तो इस गति को बनाए रखिए...आपकी ये गति...भारत का जादू दुनिया को दिखाने में मदद करेगी।

पिछली कड़ी का प्रसारण 25 फरवरी को हुआ था

मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद मन की बात की यह पहली कड़ी है। मन की बात कार्यक्रम की पिछली कड़ी का प्रसारण 25 फरवरी को हुआ था। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद लागू आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर इस कार्यक्रम का प्रसारण स्थगित कर दिया गया था। प्रधानमंत्री ने इसके 110वें संस्करण में कहा था कि अगली बार जब वह इस कार्यक्रम के जरिए लोगों से रुबरु होंगे तो नयी ऊर्जा और नयी जानकारी के साथ मिलेंगे।

देश के 30वें सेना प्रमुख बने लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। देश के 30वें सेना प्रमुख के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को कार्य भार संभाल लिया। उन्होंने चार दशकों से अधिक राष्ट्र सेवा करने के बाद रविवार को सेवानिवृत्त हुए थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे से कार्यभार संभाला। उन्होंने ऐसे समय में सीओएएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है। साथ ही तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां और भी स्पष्ट होती जा रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी इसी साल 15 फरवरी को उप सेना प्रमुख नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वह 1 फरवरी, 2022 को सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बनाए गए थे। उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल और अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सैनिक स्कूल रीवा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के छात्र रहे हैं। उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से जम्मू और कश्मीर राइफल्स की 18वीं बटालियन में नियुक्त किया गया था।

हूल दिवस के अवसर पर साहिबगंज जिला के बरहेट स्थित भोगनाडीह के सिदो कान्हू पार्क में अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू एवं चांद- भैरव की प्रतिमा पर माल्यार्पण और वीरांगना फूलो- झानो की प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन।

अरगा नदी पर 5.5 करोड़ की लागत से बन रहा पुल ढहा

बिभा संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले के अरगा नदी पर निमार्णाधीन पुल शनिवार की रात भरभराकर गिर गया। यह पुल 5.5 करोड़ की लागत से देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर भेलवाघाटी सड़क के डुमरीटोला और कारीपहरी गांव के बीच बन रहा था। इसका निर्माण ओम नमः शिवाय कंस्ट्रक्शन एजेंसी करा रहा था लेकिन यह मॉनसून की पहली बारिश भी झेल नहीं सका और धराशायी हो गया।

बताया जाता है कि गिरिडीह और जमुई को जोड़ने वाला फतेहपुर से भेलवाघाटी पुल पांच साल बाद भी पूरा बन तो नहीं पाया लेकिन इससे पहले ही मानसून की बारिश में इसका एक बड़ा हिस्सा गिर जरूर गया। पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता विनय कुमार ने रविवार को बताया कि ये उनके कार्यकाल से पहले की योजना है। ठेकेदार की भारी लापरवाही के कारण पुल का एक स्पेन धंस कर गिरा। इस मामले में वे ठेकेदार पर कार्रवाई के लिए लिखेंगे।

पुल गिरने के कारण ही अब गिरिडीह और जमुई जाने के रास्ते का रहा-सहा कसर भी खत्म हो गया। स्थानीय लोग रविवार को जब लोग मॉर्निंग वॉक के लिए निकले तो देखा की पुल का हिस्सा गिरा पड़ा है। लोगों ने इसकी जानकारी मुखिया को दी। उल्लेखनीय है कि फतेहपुर से भेलवाघाती को जोड़ने वाले इस पुल और सड़क का शिलान्यास पांच साल पहले किया गया था। कंस्ट्रक्शन एजेंसी पांच साल में पूरा काम तक नहीं करा पाई है।

ब्रिटिश काल के कानूनों का होगा खात्मा, नए आपराधिक कानून आज से लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। तीन नये आपराधिक कानून सोमवार से देशभर में लागू हो जाएंगे, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव आएंगे और औपनिवेशिक काल के कानूनों का अंत हो जाएगा। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ब्रिटिश काल के क्रमशः भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लेंगे।

नये कानूनों से एक आधुनिक न्याय प्रणाली स्थापित होगी जिसमें ह्यजीरो एफआईआरह्व, पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना, ह्यएसएमएसह्व (मोबाइल फोन पर संदेश) के जरिये समन भेजने जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और सभी जघन्य अपराधों के वारदात स्थल की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इन कानूनों में कुछ मौजूदा सामाजिक वास्तविकताओं और अपराधों से निपटने का प्रयास किया गया और संविधान में निहित आदर्शों को ध्यान में रखते हुए इनसे प्रभावी रूप से निपटने का एक तंत्र मुहैया कराया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नये कानून न्याय मुहैया कराने को प्राथमिकता देंगे जबकि अंग्रेजों (देश पर ब्रिटिश शासन) के समय के कानूनों में दंडनीय कार्रवाई को प्राथमिकता दी गयी थी। उन्होंने कहा, ह्यह्यइन कानूनों को भारतीयों ने, भारतीयों के लिए और भारतीय संसद द्वारा बनाया गया है तथा यह औपनिवेशिक काल के न्यायिक कानूनों का खात्मा करते हैं।ह्वह्व

नये कानूनों के तहत आपराधिक मामलों में फैसला मुकदमा पूरा होने के 45 दिन के भीतर आएगा और पहली सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय किए जाएंगे। दुष्कर्म पीड़िताओं का बयान कोई महिला पुलिस अधिकारी उसके अभिभावक या रिश्तेदार की मौजूदगी में दर्ज करेगी और मेडिकल रिपोर्ट सात दिन के भीतर देनी होगी।

नये कानूनों में संगठित अपराधों और आतंकवाद के कृत्यों को परिभाषित किया गया है, राजद्रोह की जगह देशद्रोह लाया गया है और सभी तलाशी तथा जब्ती की कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है, किसी बच्चे को खरीदना और बेचना जघन्य अपराध बनाया गया है और किसी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के लिए मृत्युदंड या उम्रकैद का प्रावधान जोड़ा गया है।

सूत्रों ने बताया कि ह्यओवरलैपह्व धाराओं का आपस में विलय कर दिया गया तथा उन्हें सरलीकृत किया गया है और भारतीय दंड संहिता की 511 धाराओं के मुकाबले इसमें केवल 358 धाराएं होंगी। सूत्रों ने बताया कि शादी का झूठा वादा करने, नाबालिग से दुष्कर्म, भीड़ द्वारा पीटकर हत्या करने, झपटमारी आदि मामले दर्ज किए जाते हैं लेकिन मौजूदा भारतीय दंड संहिता में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं थे।

उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता में इनसे निपटने के लिए प्रावधान किये गए हैं। सूत्रों ने बताया कि ये तीनों कानून न्याय, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर आधारित हैं। नये कानूनों के तहत अब कोई भी व्यक्ति पुलिस थाना गये बिना इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम से घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज करा सकता है।

इससे मामला दर्ज कराना आसान और तेज हो जाएगा तथा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी। ह्यजीरो एफआईआरह्व से अब कोई भी व्यक्ति किसी भी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करा सकता है, भले ही अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं हुआ हो। इससे कानूनी कार्यवाही शुरू करने में होने वाली देरी खत्म होगी और मामला तुरंत दर्ज किया जा सकेगा।

नये कानून में जुड़ा एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि गिरफ्तारी की सूरत में व्यक्ति को अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को अपनी स्थिति के बारे में सूचित करने का अधिकार दिया गया है। इससे गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत सहयोग मिल सकेगा। इसके अलावा, गिरफ्तारी विवरण पुलिस थानों और जिला मुख्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा जिससे कि गिरफ्तार व्यक्ति के परिवार और मित्र महत्वपूर्ण सूचना आसानी से पा सकेंगे।

नये कानूनों में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच को प्राथमिकता दी गयी है जिससे मामले दर्ज किए जाने के दो महीने के भीतर जांच पूरी की जाएगी। नये कानूनों के तहत पीड़ितों को 90 दिन के भीतर अपने मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का अधिकार होगा। नये कानूनों में, महिलाओं व बच्चों के साथ होने वाले अपराध पीड़ितों को सभी अस्पतालों में निशुल्क प्राथमिक उपचार या इलाज मुहैया कराया जाएगा। यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि पीड़ित को आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल तुरंत मिले।

आरोपी तथा पीड़ित दोनों को अब प्राथमिकी, पुलिस रिपोर्ट, आरोपपत्र, बयान, स्वीकारोक्ति और अन्य दस्तावेज 14 दिन के भीतर पाने का अधिकार होगा। अदालतें समय रहते न्याय देने के लिए मामले की सुनवाई में अनावश्यक विलंब से बचने के वास्ते अधिकतम दो बार मुकदमे की सुनवाई स्थगित कर सकती हैं।

नये कानूनों में सभी राज्य सरकारों के लिए गवाह सुरक्षा योजना लागू करना अनिवार्य है ताकि गवाहों की सुरक्षा व सहयोग सुनिश्चित किया जाए और कानूनी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता व प्रभाव बढ़ाया जाए। अब ह्यलैंगिकताह्व की परिभाषा में ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं जिससे समावेशिता और समानता को बढ़ावा मिलता है।

पीड़ित को अधिक सुरक्षा देने तथा दुष्कर्म के किसी अपराध के संबंध में जांच में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए पीड़िता का बयान पुलिस द्वारा ऑडियो-वीडियो माध्यम के जरिए दर्ज किया जाएगा। महिलाओं, पंद्रह वर्ष की आयु से कम उम्र के लोगों, 60 वर्ष की आयु से अधिक के लोगों तथा दिव्यांग या गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को पुलिस थाने आने से छूट दी जाएगी और वे अपने निवास स्थान पर ही पुलिस सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

चारधाम : भगवन के द्वार पर आस्था का ज्वार, पिछले वर्ष का टूटा रिकॉर्ड

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की विश्वप्रसिद्ध चारधाम यात्रा को लेकर इस बार श्रद्धालुओं में अपार उत्साह है। इन दिनों भगवन के द्वार पर आस्था का ज्वार दिख रहा है। चारधाम यात्रा प्रारंभ हुए लगभग 50 दिन ही हुए हैं और अब तक लगभग 30 लाख श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं जबकि वर्ष 2023 में 30 जून तक यानि 68 दिनों में लगभग 30 लाख श्रद्धालु दर्शन किए थे।

सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध चारधाम यात्रा के संचालन को लेकर उत्तराखंड सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस वर्ष जनवरी माह से ही चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन के लिए बैठकों के साथ स्थलीय निरीक्षण का दौर शुरू कर दिया था। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा को बेहद गंभीरता से लिया जाए। 10 मई को जब धामों के कपाट खुलने का सिलसिला प्रारंभ हुआ तो भारी संख्या में देश-दुनिया से तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे। यात्रा की शुरूआत में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव के बीच चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की कमान अपने हाथ ली तो महज हफ्ते भर में व्यवस्थाएं सुचारू हो गईं।

संक्षिप्त खबरें

रातू राजमहल में रथ यात्रा को लेकर की गई बैठक

रात(बिभा): रातू राजमहल में रथ यात्रा को लेकर होने वाले ऐतिहासिक रथ यात्रा की तैयारी को लेकर रविवार को राजमहल परिसर में बैठक हुई। इसमें रथ यात्रा मेला को सफल आयोजन को लेकर चर्चा की गयी।साथ ही और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था बहाल करने का निर्णय लिया गया राजकुमारी बड़ी मणी माधुरी देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अंचल अधिकारी रवि कुमार एवं थाना प्रभारी शशि भूषण चौधरी, उपस्थित थे। बैठक में सदस्यों ने कहाँ कि रातू राजमहल परिसर में सदियों से आयोजित होने वाले रथयात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से सफलता पूर्वक परंपरागत रूप से मनाने से संबंधित अपने विचार को साझा किया। बैठक में, वरिष्ठ झामुमो नेता महावीर विश्वकर्मा,रातू पश्चिमी विकास समिति के अध्यक्ष हजारी प्रसाद मोदी, रातू पूर्वी पंचायत की मुखिया सुषमा तिर्की, राजु साव , दामोदर मिश्रा, बैजू सोनी, बैजनाथ साव, मिथलेश साव, महेन्द्र सिंह, पंकज सिंह, मोहीत गोप, बड़ी संख्या में राज महल से जुड़े लोग एवं साईं स्वयंसेवी संस्था के लोग उपस्थित थे।

औपचारिक मुलाकात कर गणेश स्पोर्टिंग क्लब राय के संस्थापक ने संजय सेठ को सौपा मांग पत्र

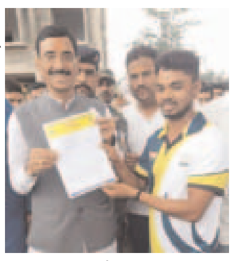

खलारी(बिभा)। गणेश स्पोटिंग क्लब राय के संस्थापक सह सचिव गणेश कुमार महतो ने भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री माननीयश्री संजय सेठ जी से रांची में औपचारिक मुलाकात कर उन्हें केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री बनने की अनंत शुभकामनाएं दी। इसके बाद राय पंचायत में स्थित अंबेडकर मैदान राय को जल्द से जल्द स्टेडियम के रूप में बनाने के लिए एक मांग पत्र सौपा गया। इसके बाद गणेश कुमार महतो ने बताया है कि हमारे खलारी पिपरवार कोलांचल क्षेत्र से लगभग 40 से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय खेल में शामिल हो चुके हैं एवं इस क्षेत्र के कई खिलाड़ी मेडल जीतकर अपने जिला एवं राज्य का नाम रौशन कर चुके हैं।यदि इस खेल मैदान मे चारों ओर बाउंड्री (दीवार) एवं स्टेज का निर्माण होता हो तो यहां के खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर में मेडल जीतकर अपने देश का नाम रौशन करेंगे।

सोनाहातू के दानाडीह गांव में सड़क को बलपूर्वक कर दिया कब्जा, गांव से आगमन बंद

सोनाहातू(बिभा)। थाना क्षेत्र के बारूहातू पंचायत अंतर्गत दानाडीह गांव में दबंग व्यक्ति द्वारा दबंगई दिखाते हुए सड़क को ही बलपूर्वक कब्जा कर आगमन बंद कर दिया गया है। इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि गांव से मात्र 20 मीटर की दूरी पर सोनाहातू-बुंडू-सिल्ली पथ मुख्य सड़क निकलने के लिए दो सड़क है, लेकिन बलपूर्वक बंद कर दिये जाने पर 20 मीटर के जगह पांच किलोमीटर तय करना पड़ रहा है, जिसमें गांव से निकलने के लिए एक ग्रामीण सड़क, वहीं दूसरी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क जो बारूहातू से सोनाहातू-बुंडू- सिल्ली पथ तक सड़क है. लेकिन गांव के ही दबंग व्यक्ति द्वारा प्रशासन की मिलीभगत से दानाडीह गांव से निकलने वाली दोनों सड़क को बलपूर्वक मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा अंचल अधिकारी सोनाहातू, राज्यपाल झारखंड, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव झारखंड व एसडीएम बुंडू को हस्ताक्षर ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग किया है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नही हुआ है जिससे ग्रामीणों को कैद होकर रहना पड़ रहा है।

मुसाबनी में हुल दिवस मनाया गया

जादूगोड़ा(बिभा): मुसाबनी सिद्धू-कान्हु चौक में आज 30 जून ,हुल दिवस मनाया गया। कुछ दिन पूर्व एक विक्षिप्त द्वारा सिद्धू-कान्हू की मूर्ति क्षतिग्रस्त कर दिया था, आज पुणः विधायक रामदास सोरेन, 20 सूत्री अध्यक्ष प्रधान सोरेन, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य कान्हु सामंत संयुक्त रूप से नई मूर्ति का माल्य- अर्पण एवं पूजा पाठ नायके द्वारा किया गया ।इससे पहले मुसाबनी एक नंबर झामुमो कार्यालय के सामने स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय जादू नाथ बास्के जी का भी मूर्ति अनावरण विधायक रामदास सोरेन द्वारा किया गया दोनों कार्यक्रम में सैकड़ो महिला पुरुष पारंपरिक परिधान में उपस्थित थे। विधायक अपने सम्बंधोन में सिद्धू कान्हु की जीवनी पर प्रकाश डालें साथ ही डुमरिया प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन, शंकर चंद्र हेंब्रम, कान्हु सामंत, जगदीश भगत आदि संबोधित किया। जनसभा के बाद उड़ीसा से आए संथाली कलाकार द्वारा गाने एवं नित्य प्रस्तुत किए, जो की देर शाम तक चलता रहा ।

यूसील के पूर्व कामरेड मजदूर नेता अनिल चंद्र कुमार बीते सात सालों से नहीं मिला पेंशन

जादूगोड़ा(बिभा): बीते सात सालो से यूसील का पूर्व कामरेड मजदूर नेता अनिल चंद्र कुमार (72 वर्ष) अपने जिन्दगी के अंतिम पड़ाव में पेंशन को लेकर पंचायत से लेकर प्रखंड कार्यालय तक चक्कर लगा रहा है लेकिन उसकी सुधि लेने वाला कोई नही है। आलम यह है यूसील से रिटायर्ड (2011 सितम्बर) के बाद मिले पैसे (26 लाख रूपिया) भी खत्म हो गए है व गुजारा के लिए पेंशन ही एक मात्र सहारा बन गया है। आर्थिक स्थिति इतनी खराब है की 72 साल की उम्र में दवा खरीदने के भी पैसे नहीं बची है शरीर बीमार से ग्रस्त है चंद्र कुमार कहते की घुटने की दर्द से हम बहूत परेशान है व जिंदगी घसीट कर चल रही है।जिंदगी के अंतिम पड़ाव में किसी तरह गुजारा कर रहे है।यूसील से रिटायरमेंट में मिली राशि (26 लाख) घर व बेटी में खर्च हो गया ।उत्तरी इचड़ा मुखिया मंजीत सिंह से पूछे जाने पर कहा कि अभी हाल ही मैं डी टी सी के साथ बैठक हुई जिसमें निर्देश दिये है पहले अबुआ आवास और पेंशन पहले ।जितने भी पेंशन का फॉर्म चुनाव से पहले और चुनाव के बाद जमा कर दिया गया है ।जादूगोड़ा के उत्तरी इचड़ा निवासी पंचायत के तिलिरघुटु अनिल चंद्र कुमार (72 वर्ष) बताते कि मैं यूसिल से 2011 सितंबर को रिटायरमेंट हुए।

हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति है, भुलाया नहीं जा सकता: सुदेश महतो

बिभा संवाददाता

रांची : अंग्रेजी सरकार की गलत नीतियों और महाजनी प्रथा के विरोध में हुए हूल विद्रोह ने देश में आजादी की लड़ाई का शंखनाद किया था। हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति है, भुलाया नहीं जा सकता। संताल हूल के दौरान वीर शहीद सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हजारों क्रांतिकारियों ने अपनी शहादत दी। इतिहास के पन्नों में उन सभी वीर शहीदों को उचित स्थान दिलाने के लिए हम सभी को आगे आने होगा। हमारा उद्देश्य इन वीरों की गाथा को राज्य ही नहीं देश के हर एक व्यक्ति तक पहुँचाना है।

उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने जोन्हा में हूल दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में संताल हूल के महानायक सिदो कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करने के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि यह वक्त सभी झारखंडियों को एकजुट कर एक नई सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना जागृत करने की है। वीर शहीदों के स्वशासन के सपनों को साकार कर समृद्ध और खुशहाल झारखंड की परिकल्पना को पूरा करने के लिए हमें मिलकर एक नई हूल क्रांति की नींव रखनी होगी।

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक हूल दिवस पर सभी जिला एवं प्रखंड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो व अन्य क्रांतिकारी सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर संताल विद्रोह के महानायकों की संघर्ष गाथा को याद कर उनके बलिदानों को जन जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया।

रांची स्थित सिदो-कान्हू पार्क में हूल दिवस के मौके पर पार्टी पदाधिकारियों द्वारा अमर वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि झारखंड के वीरों ने कभी भी बाहरी दखल, जुल्म और अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया। अपने हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करना हर झारखंडी की पहचान है। सिदो कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो समेत झारखंड के वीर बलिदानियों की संघर्ष गाथा हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। युवाओं को इस संघर्ष गाथा को आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस मौके पर केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, महासचिव सुधीर यादव, भरत काशी, पारसनाथ उरांव, जलनाथ चौधरी, सतेंद्र सिंह, बनमाली मंडल, रमेश गुप्ता, विरेंद्र प्रसाद, टी के मुखर्जी, दयाशंकर झा, डॉ पार्थ पारितोश, हरिश कुमार, ओम वर्मा, चेतन, राहुल तिवारी, अजीत सिंह, इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आजसू कार्यालय में हुल दिवस पर सिद्धो - कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

जादूगोड़ा: घाटशिला विधानसभा अंतर्गत मुसाबनी प्रखंड के आजसू कार्यालय में सिदो - कान्हु हुल दिवस पर सिदो - कान्हु के मूर्ती पर जिला प्रधान सचिव बुद्धेश्वर मुर्मू के उपस्थिति में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई ।कार्यक्रम में आजसु के अमिया महतो, हरि पात्रों, घासीराम मुर्मू, लालबाबू महतो ,परसंजीत मुंडा उत्तम सरदार,माइकेल महतो,सोम पूर्ति, धीरेंद्र सुंडी, लादेन महतो,मनोज महतो आदि उपस्थित थे ।

राहे में आदिवासी संघर्ष मोर्चा और झारखंड राज्य किसान सभा ने मनाया हूल दिवस

बिभा संवाददाता

राहे। आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने रविवार को प्रखंड के बेहराबेड़ा गांव में हूल दिवस पर मनाया। कार्यक्रम में शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव के तस्वीर पर माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन श्रद्धांजलि दी गई। आदिवासी संघर्ष मोर्चा के नेताओ ने कहा की केंद्र की सरकार लेखिका अरुंधती राय, डॉ० शेख शौकत हुसैन पर यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने की अनुमती देकर यही संदेश देना चाहते हैं कि भले गठबंधन की सरकार है पर प्राकृतिक संसाधनों की कॉरपोरेट लूट, आदिवासियों पर दमन व मानवाधिकार के हनन पर आवाज बुलंद करने वालों को सख्ती से निपटी जाएगी।

माले जिला सचिव जगमोहन महतो ने कहा की मोदी सरकार औपनेवेशिक काल के कानून में संशोधन कर लाए गए नए क्रिमिनल कोड से नागरिक स्वतंत्रताओं और अधिकारों का हनन करना व सरकारी दमन बढ़ाना है। औपनिवेशिक काल से ज्यादा खतरनाक कानून देश में थोपने के खिलाफ फिर हूल-उलगुलान की संकल्प लेते है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिलीप मांझी, दामोदर प्रजापति, राजकिशोर लोहरा, डोमन सिंह मुण्डा, मनीराम महतो, राजू मुण्डा, पंकज मुण्डा, जगरनाथ मुण्डा, कार्तिक मुण्डा, जितमोहन मुण्डा शामिल रहे।

इधर झारखंड राज्य किसान सभा ने नूरू और ठुगरुडीह गांव में हूल दिवस मनाया और जंगल, जमीन की रक्षा एवं पलायन, विस्थापन के खिलाफ संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया।मुख्य वक्ता झारखंड राज्य किसान सभा के अध्यक्ष सफल महतो ने कहा कि हूल क्रांति अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पहले जन क्रांति था। आज पुन कॉर्पोरेट व्यवस्था के खिलाफ हूल क्रांति की आवश्यकता है। मौके पर शंकर मुंडा ,शोभाराम मुंडा, जगन्नाथ गुंडा, संजय मुंडा, मनसा मुंडा, बिरसा मुंडा, श्रीकांत कुमार मुंडा आदि मौजूद थे।

नरवा पहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट से प्रधान सोरेन समेत नौ कंपनी कर्मी हुए सेवानिवृत

जादूगोड़ा(बिभा):नरवा पहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट से प्रधान सोरेन समेत नौ कंपनी कर्मी आज सेवानिवृत हो गए।इधर उनके सम्मान में कंपनी परिसर में समारोह आयोजित की गई जहा कंपनी कर्मियो ने जंबू डीलर प्रधान सोरेन को स्मृति चिन्ह व उपहार देकर सम्मानित किया।इस मौके पर भारतीय मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष आनंद महतो ने उनके साथ बिताए पल को याद करते हुए उनके कार्यों को सराहना की।अंत में उनके उज्जवल भविष्य व बेहतर स्वास्थ्य की कामना की।इस विदाई समारोह में कंपनी कर्मियो की ओर से यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष आनंद महतो,आस एन महतो, आर के राणा, अविनाश महतो,धीरेंद्र भक्त,समेत भारी संख्या में विभागीय कर्मचारियों ने भाग लिया।

सोनाहातू और राहे में प्रखंड स्तरीय मेगा लीगल इंप्रूवमेंट कैंप का आयोजन

बिभा संवाददाता

सोनाहातू / राहे। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची की तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची के द्वारा राहे और सोनाहातू प्रखंड में प्रखंड स्तरीय मेगा लीगल इंप्रूवमेंट कैंप का आयोजन किया गया।

सोनाहातू प्रखंड सभागार में आयोजित कैंप में 96 लाख की परीसंपत्ति का वितरण किया गया। लाभुकों के बीच अबुआ आवास की दूसरी किस्त, मजदूरों को जॉब कार्ड का वितरण पत्र, 15 वीं वित्त आयोग से योजना की स्वीकृति, जन्म- मृत्यु प्रमाण पत्र की स्वीकृति, सारथी योजना में दाखिला की स्वीकृति, एसएलपीएस के अंतर्गत धन बीज का वितरण और महिला समूह को ऋण का वितरण, छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण, केसीसी ऋण वितरण, पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र, महिला टीम के बीच जर्सी का वितरण, महिलाओं के बीच पोषाहार का वितरण, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लाभूको की स्वीकृति प्रमाण पत्र, इसके अलावा सामान्य स्वास्थ्य जांच और मोतियाबिंद जांच भी किया गया। नोडल अफसर के रूप में सरतक शर्मा, प्रमुख विक्टोरिया देवी, बीडीओ खगेश कुमार, चिकित्सा प्रभारी डॉ जयराम शर्मा, बीएसओ वसंत कुमार महतो, पंचायत सचिव सहित ग्रामीण मौजूद थे।

इधर राहे प्रखंड में नोडल अफसर अमित गुप्ता की उपस्थिति में 155 लाभुको के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया।

मुखिया संघ मांडर विधानसभा क्षेत्र की बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

बेड़ो : बेड़ो प्रखंड के अन्तर्गत रविवार को मुखिया संघ मांडर विधानसभा की एक विशेष बैठक बेड़ो पंचायत भवन में मुखिया सुशांति भगत के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में मांडर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पाँचो प्रखंड के मुखिया उपस्थित हुए मौके पर अबुवा आवास योजना पर मुख्य चर्चा की गई साथ ही अन्य योजनाओं पर चर्चा की गई मौके पर आक्रोशित मुखियाओं ने कहा की ग्राम सभा एवं आम सभा की अवहेलना करते हुए स्थानीय विधायक द्वारा सभी प्रखंड मुख्यालय में समीक्षा बैठक के नाम पर बैठक कर यह निर्देशित किया गया है कि जब तक उनकी अनुशंसा नहीं होती है आवास लाभुक चयन नहीं किया जाएगा उनके इस बयान को लेकर सभी मुखिया आक्रोशित है सभी मुखिया का कहना है कि हम लोग ग्राम सभा के माध्यम से अबुवा आवास लाभुक चयन करने में सक्षम है इस पर स्थानीय विधायक की दखल हमें बर्दाश्त नहीं है साथ ही सभी मुखिया ने यह भी फैसला किया कि अगर इतनी जोरदार विरोध के बाद भी प्रखंड प्रशासन नहीं चेतता है तो मजबूरन सभी मुखिया कलमबध आंदोलन के लिए चले जाएंगे इस बैठक का संचालन रांची जिला मुखिया संघ सचिव नीरज कुजूर ने किया।

घर से मोटरसाइकिल की हुई चोरी

राहे(बिभा) : थाना क्षेत्र के धोबी मोहल्ला से शनिवार रात हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल जे एच 01 सी वाई 1866 की चोरी हुई है। इस संबंध में वाहन मालिक संजय बैठा बताया कि शनिवार शाम को घर के आंगन में मोटरसाइकिल रखा था। सुबह आंगन से मोटरसाइकिल गायब मिली। इस संबंध में राहे थाना में सूचना दी गई है।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रदेश उपाध्यक्ष शिबू सोरेन से मुलाकात की

बिभा संवाददाता

रांची ।झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के जेल से छुटने के बाद पहली मुलाकात के लिए उनके आवास पर जाना हुआ लेकिन संयोग से पूर्व मुख्यमंत्री अपने निजी दौरे के लिए निकल चुके थे फिर उनके अनुपस्थिति में उनके पिता दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी से अल्पसंख्यक कांग्रेस के उपाध्यक्ष तनवीर खान ने शिष्टाचार मुलाकात की और विधानसभा चुनाव के बारे में भी चर्चा हुई ।इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष तनवीर खान ने कहा की आने वाला विधानसभा चुनाव मजबूती के साथ लड़ना है अपने कार्यकताओं को मजबूती प्रदान करना है उनके हौसले को बुलंद करना है ताकि चुनाव में हम कामयाब हो सके ।इस मौके पर साथ में महासचिव गुलाम रब्बानी और शकील हाशमी भी मौजूद थे।

संयुक्त श्रमिक संगठन ने की बैठक

बिभा संवाददाता

खलारी : एनके क्षेत्र के डकरा वीआईपी क्लब में रविवार को संयुक्त श्रमिक संगठन की एक बैठक की गई। जिसकी जिसमें अध्यक्षता डीपी सिंह ने की।जबकि संचालन ध्वाजा राम धोबी ने की।बैठक में दिनांक 10 जून को एनके प्रबंधन एवं संयुक्त श्रमिक संगठन के बीच हुई।वार्ता में एनके सीसीएल प्रबंधन ने कई मुद्दों पर सहमती दी थी लेकिन जो मिन्ट्स (कार्यवृति)संयुक्त श्रमिक संगठन को एनके प्रबंधन के द्वारा दिया गया है।वह वार्ता के अनुरूप नहीं है उससे संयुक्त श्रमिक संगठन असहमत है और मिन्ट्स का विरोध करती है वार्ता के बाद एक उम्मीद जगी थी शायद अब श्रमिको की समस्या का समाधान होगी लेकिन मिनट्स देखकर निराशा हुई इसलिए संयुक्त श्रमिक संगठन जो आंदोलन को स्थगित किये थे फिर से शुरू कर रही है जिसका रूप रेखा इस प्रकार है।आज एनके महाप्रबंधक डकरा को इसकी लिखित सूचना दिया जाएगा 16जुलाई को महाप्रबंधक कार्यालय डकरा में एक दिवसीय धारना देकर विरोध प्रदर्शन की जाएगी।केडीएच 06 जुलाई को डकरा व चुरी, दिनांक 07 जुलाई को पुरनाडीह व रोहनी, 08 जुलाई को आरआर शॉप सहित सभी सर्विस यूनिट मे गेट मीटिंग के माध्यम से सभी श्रमिको को आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान करेगी। 9जुलाई को वीआईपी सभागार डकरा में संयुक्त श्रमिक संगठन की बैठक 11 बजे दिन में करके धारना के कार्यक्रम को सफल बनाने की तैयारियो पर चर्चा होगी।मौके पर मिथलेश कुमार सिंह,अमर भूषण सिंह,कृष्णाचौहान,गोल्डन यादव, हरेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र कुमार सिंह, दिनेश भर,राजेंद्र चौहान, इस्लाम अंसारी,रमेश कुमार सिंह संजय प्रसाद, जिफील टोपो, राजू कुमार शर्मा, मो सज्जाद, उदय कुमार सिंह, जगदीश चौहान, पिंकू सिंह, टुपा महतो, राम प्रवेश नायक,जय मंगल सिंह,टेकलाल महतो, अजय चौहान, तपेशर कुमार यादव, रामचरण सतनामी, अमिताभ चौहान, चंदन कुमार शर्मा, बंशी राम, राम प्रवेश राम, विजय कुमार,उपस्थित रहे।

राहे में बुद्धिजीवी मंच का पंचायत स्तरीय बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

राहे। आजसू बुद्धिजीवी मंच के बीनावाडीह पंचायत कमिटी के द्वारा उत्क्रमित उच्च विद्यालय नावाडीह के प्रांगण में एक बैठक आयोजित किया गया।

बैठक के प्रारंभ में हूल दिवस के अवसर पर अमर शहीद सिद्धू-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आजसू बुद्धिजीवी मंच के केंद्रीय अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा जी ने कहा, कि युवा शक्ति को सामर्थवान बनाकर ही इस राज्य का भला किया जा सकता है।

विशिष्ठ अतिथि केंद्रीय प्रधान महासचिव डॉ मुकुंद चंद्र मेहता ने संबोधित करते हुए कहा, झारखंड को आदर्श और विकसित राज्य बनाने के लिए संगठन को और धारदार बनाना होगा। तभी हम लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

मंच के केंद्रीय सचिव लंबोदर महतो ने कहा, वोट किसे दे रहे हैं उसका मूल्यांकन करें। समाज को कौन सही दिशा दे सकता है उसका मूल्यांकन कर उसपर विश्वास जताने की जरूरत है। मंच के केंद्रीय सचिव लोहरा महतो ने कहा की इस बैठक का उद्देश्य प्रत्येक बूथ में आजसू पार्टी के सभी अनुसुई इकाइयों को समन्वय बना कर कार्य करने की जरूरत है।

आजसू के राहे प्रखंड प्रभारी संजय सिद्धार्थ ने कहा, आज ही के पावन दिन में हूल क्रांति की शुरूवात हुई थी। आजसू के क्रांति की उपज सुदेश बाबू के नेतृत्व में सिल्ली विधानसभा में विकास की नई परिभाषा लिखी गई। आजसू सिल्ली में, पार्टी के रूप में नहीं परिवार के रूप में काम करती है। झूठ और भ्रम की राजनीति से निकलना होगा। प्रखंड अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने कहा, संगठन को और धारदार बनाने की जरूरत है। आने वाला 6 महीना चुनौतीपूर्ण होने वाला है।

राहे प्रखंड अध्यक्ष रंगबहादुर महतो ने कहा बुद्धिजीवी मंच मार्गदर्शक के रूप में पार्टी नेतृत्व को दिशा देने का करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के केंद्रीय सचिव लोहरा महतो, सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष विजय चंद्र महतो, एवम पंचायत अध्यक्ष अमर महतो का उल्लेखनीय योगदान रहा।

उपरोक्त के अलावा बैठक को चुन्नूलाल हजाम, पार्थो महतो, बुचाराम महतो, सोहराई मुखियार, पार्वती देवी, फागुराम महतो, देवेंद्र महतो आदि वक्ताओं ने संबोधित किए।

सभा की अध्यक्षता नकुल बाबू एवं संचालन अमर महतो ने किया। धन्यवाद ज्ञापन भोजोहारी महतो के द्वारा किया गया।

जल -जंगल- जमीन के साथ अपनी कला संस्कृति, परंपरा और भाषा को बचाना है: चम्पाई सोरेन

बिभा संवाददाता

सरायकेला-खरसावां/रांची : झारखंड वीरों और अमर शहीदों की धरती है। राज्य का कोई ऐसा कोना नहीं है जहां से अन्याय, शोषण और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह ना हुआ हो। संताल में सिदो -कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था तो भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में उलगुलान और कोल विद्रोह ने अंग्रेजों की जड़े दिला थी। इसी तरह और भी कई आंदोलन हुए, जिसमें यहां के अनेकों वीरों ने अपनी शहादत दे दी थी । आज हूल दिवस के अवसर पर हम अपने इन महानायकों और वीर शहीदों के

संघर्ष को याद कर उन्हें नमन करते हैं। मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन आज सरायकेला - खरसावां जिले के कुमडीह और राजनगर में हूल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने अमर वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के हित में राज्य सरकार कई नई योजनाओं को लेकर आ रही है । आने वाले 1 से 2 महीने में इन योजनाओं के माध्यम से यहां की लोगों को हम सशक्त बनाएंगे । मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य के लोगों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त में मिलेगी तो 25 से 50 वर्ष तक की बहन-बेटियों को आर्थिक सहायता देने जा रही है। स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत राशन कार्डधारियों को 15 लाख रुपए तक के इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जो कहते हैं, उसे करके दिखाते हैं। हमारी योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं । आज जंगलों -पहाड़ों और दूर दराज के इलाकों में रहने वाले समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार समेत सभी क्षेत्र के लिए सरकार योजनाएं लेकर आई है । आप इन योजनाओं का लाभ लें और राज्य को आगे बढ़ाने में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में विपरीत और कठिन चुनौतियों के बीच हमारी सरकार ने विकास के जो कार्य किए हैं, वह इस राज्य के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जल- जंगल -जमीन की खातिर लंबी लड़ाई लड़ी थी। इसी वजह से अंग्रेजों को सीएनटी और एसपीटी एक्ट लाना पड़ा था। आज एक बार फिर जल- जंगल- जमीन के साथ यहां की कला- संस्कृति, भाषा और परंपरा को मिटाने की साजिश रची जा रही है। यह हमारी पहचान और अस्मिता से जुड़ा है। ऐसे में इसे बचाने और आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार पूरी ताकत के साथ काम कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस समारोह के अवसर पर सेपक टकरा प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न.

रांची (बिभा):अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस समारोह के अवसर पर सेपक टकरा प्रशिक्षण शिविर यहाँ जयपाल सिंह स्टेडियम मे सम्पन्न हो गया. अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस समारोह के अवसर इसका आयोजन दिनांक 23 जून से किया गया था, जिसमे स्टेडियम के आस पास के स्कूली बच्चों ने बड़े जोशों खरोश से भाग लिया. सेपक टकर एसोसिएशन के राज्य प्रशिक्षक श्री अमरेंद्र दत्त द्विवेदी और गोपाल कुमार, देखरेख मे इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया.
आज इसके समापन समारोह के अवसर पर सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के सचिव श्री उदय साहू सहित मिथलेश साहू, कार्तिक राम, शिवेंद्र दुबे, रत्नेश कुमार आदि मौजूद थे.

चैंबर अध्यक्ष ने वित्तमंत्री से की मुलाकात

रांची(बिभा) : चैम्बर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने वित्तमंत्री डॉ रामेश्वर उरांव से मिलकर फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा 6 जुलाई को आर्यभट्ट सभागार में आयोजित स्टार्टअप कान्क्लेव में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होने का निमंत्रण दिया। युवा उद्यमियों के लिए इस आयोजन को बेहतर बताते हुए माननीय वित्त मंत्री ने चैम्बर के प्रयास की प्रशंसा की। आयोजन की तैयारियों को लेकर स्टार्टअप उप समिति के सदस्यों ने आर्यभट्ट सभागार जाकर तैयारियों का भी जायजा लिया। उप समिति चेयरमैन अमित अग्रवाल ने बताया कि आयोजन स्थल पर एक स्टार्टअप जोन और नेटवर्किंग जोन बनाया जायेगा।

झामुमो के कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन से की मुलाकात

रांची(बिभा) : पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को हाई कोर्ट से बेल मिलने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं ने हेमंत सोरेन से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की , बुके दिया और उनका स्वागत किया। इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के रांची महानगर के पूर्व प्रवक्ता जीत गुप्ता ने कहा कि हमारे नेता को जेल से रिहाई हो गई है, अब झारखंड से भाजपा की सफाई जरूरी है , हम लोग आज से ही झारखंड से भाजपा हटाओ अभियान में लग चुके हैं साथ ही साथ रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम जी को भी बधाई दिया उन्होंने भी खुशी का इजहार किया और हम सभी ने और उनके स्वस्थ के बारे भी जानकारी लिया और हम सभी में ईश्वर से प्रार्थना किया कि वह जल्द से जल्द स्वस्थ हो , इस मौके पर अजीत नायक अकबर कुरेशी अरुण गुप्ता आयुष राज वर्मा मोहम्मद फैयाज झारखंड मुक्ति मोर्चा के कई कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

रांची(बिभा) : मारवाड़ी युवा मंच राँची समर्पण शाखा ने रक्तदान पखवाड़ा के अन्तर्गत लगातार रक्तदान शिविर का आयोजन कर रही है । रविवार को रक्तदान शिविर न्यूक्लियस मॉल कांके रोड एवं न्यूक्लियस मॉल लालपुर रोड में आयोजित किया गया । ये शिविर का आयोजन न्यूक्लियस माल के ऑनर विष्णु अग्रवाल के साथ एवं सहयोग एवं सदर अस्पताल के सौजन्य से संपन्न हुआ , जिसके लिये शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया ने आभार प्रकट किया , सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट दिया गया , एवं सभी को जूस दिया गया । रक्तदान प्रभारी रोजी खंडेलवाल ने पूरे कार्यक्रम को लाइनअप किया । मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने बताया , दोनों शिविर में कुल 17 यूनिट ब्लड संग्रह किया गया । आगे भी समर्पण शाखा रक्तदान शिविर लगाने की यह कोशिश में रहेगी । कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष विनीता सिंघानिया , सचिव शुभा अग्रवाल , कोषाध्यक्ष , रक्तदान प्रभारी रोजी खंडेलवाल , रितु पोद्दार , कोमल पोद्दार , का सहयोग रहा ।

रांची प्रेस क्लब में लगा हेल्थ कैंप, 58 लोगों ने ली सलाह

रांची(बिभा)। डॉक्टर्स डे के एक दिन पहले आज रविवार को रांची प्रेस क्लब में पत्रकार सदस्यों के लिए एक दिवसीय हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। हेल्थ कैंप में अपोलो क्लिनिक के अलग-अलग विभागों के कुल छह डॉक्टरों ने 58 पत्रकारों के स्वास्थ्य की जांच कर उनको दवा की सलाह दी। हेल्थ कैंप में शामिल होने वाले डॉक्टरों में डॉ. रेशमा सिंह, डॉ. निभा एन. कुमार, डॉ. सोनू कुमार, डॉ. रवि रौशन, डॉ. जावेद, स्किन ब्लीस क्लिनिक की डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. नेहा रानी और डॉयटिशियन विजेता कुमारी शामिल थी। कैंप में शामिल होने वाले पत्रकारों का रजिस्ट्रेशन करने के साथ ही उनका बीपी, शुगर आदि पूरी तरह से निःशुल्क जांच करने के बाद बिमारी के अनुसार अलग-अलग विभाग के डॉक्टरों द्वारा जांच किया जा रहा था और उनकी समस्याओं के अनुरुप दवाओं आदि की सलाह दी जा रही थी। हेल्थ कैंप में पत्रकार सदस्यों के अलावा उनके परिवार के सदस्य भी आकर अपनी बिमारी के अनुरुप संबंधित डॉक्टरों से सलाह ले रहे थे। क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन ने सभी डॉक्टरों व अपोलो क्लिनिक की टीम का स्वागत करते हुए कहा कि आने वाले समय में रांची प्रेस क्लब के सदस्यों के लिए लगातार ऐसे आयोजन किये जाएंगे, जिससे सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या से निजात मिल सके। हेल्थ कैंप में सचिव अमरकांत, सह सचिव रतन लाल, कार्यकारिणी सदस्य सह हेल्थ कमेटी हेड सौरभ शुक्ला, आलोक कुमार, संजय सुमन, विजय मिश्रा, चंदन भट्टाचार्य, मोनू कुमार के अलावा वरिष्ठ पत्रकार शफीक अंसारी, प्रमोद झा, ब्रजेश राय, दीपक ओझा, आनंद मोहन, भारत भूषण प्रसाद, रुपम आदि मौजूद थे।

बढ़ते भारत, बदलते भारत की गाथा है मन की बात : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के 111वें संस्करण का प्रसारण रविवार को हुआ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकताओं ने मन की बात को अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में सुना।

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संथाल परगना प्रवास के दौरान शिकारीपाड़ा के पलमा में कार्यकताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन कार्यक्रम आम जनता से जुड़ाव का अनूठा कार्यक्रम है। विश्व के किसी राजनेता के द्वारा प्रति माह जनता से ऐसा प्रत्यक्ष संवाद नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा। मन की बात कार्यक्रम बढ़ते भारत-बदलते भारत की गाथा है।

मरांडी ने कहा कि देश सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा। भारत का सांस्कृतिक गौरव बढ़ रहा है। दुनिया का भारत के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आए हैं। उन्होंने हुल क्रांति और उसके महानायक सिदो कान्हु से भारत की जनता को परिचित कराने के लिए आभार प्रकट किया।

भारत के सामर्थ्य और संस्कृति से परिपूर्ण संवाद मन की बात : अमर बाउरी

गोंदा मंडल स्थित रॉक गार्डन बूथ पर मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम भारत के सामर्थ्य और संस्कृति का संवाद है। उन्होंने कहा कि आज के 111वें संस्करण में विकसित भारत की सोच है। शहीदों की गाथाएं हैं। जनता का परिश्रम है। सांस्कृतिक विरासत है। इसके अलावा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह सहित हजारों कार्यकताओं ने अपने-अपने बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना।

परिपक्व विश्वास हमें एक बनाता है: महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद

बिभा संवाददाता

राँचीः रांची महाधर्मप्रांत के हेसाग पल्ली में आज रांची के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने रविवार के अवसर पर पल्ली के विश्वासियों के लिए मिस्सा बलिदान अर्पित किया।

आज महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद हेसाग पल्ली पहुंचे जहां उन्होंने पल्ली के विश्वासियो के लिए रविवार की धर्मविधि संपन्न की। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा किः ₹प्रभु के प्रत्येक व्यक्ति एक समान है क्योंकि ईश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता , चाहे वे साधारण हों या असाधारण, यही कारण है कि विश्वास हमें एक बनाता है। ₹ पल्ली के विश्वासियों ने महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद के पल्ली आगमन पर उनका ढोल,नगाड़े और मंदार व आदिवासी संस्कृति से उनका नाचते गाते भव्य स्वागत किया। मिस्सा के अंत पल्ली के विभिन्न संघ कैथोलिक सभा, महिला संघ, युवा संघ ने अपने मधुर संगीत से महाधर्माध्यक्ष का धन्यवाद एवं स्वागत किया। महाधर्माध्यक्ष ने उपस्थित सभी लोगों को उनके उत्साह भरे स्वागत के लिए अपना आभार प्रकट किया और उनके विश्वास एवं सहभागिता की सराहना की। इस अवसर पर रांची के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद के आलावा, हेसाग के पल्ली पुरोहित फाङ्ग प्रदीप तिर्की, सहायक पल्ली पुरोहित फाङ्ग दीपक किंडो, फा पूनम, फाङ्ग प्रकाश, फाङ्ग डेविड, फाङ्ग असीम मिंज आर्चबिशप के सेक्रेटरी, अन्य पुरोहितगण, विभिन्न धर्मसमाज की धर्मबहनें एवं हजारों की संख्या में खीस्त विश्वासी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री के मन की बात सुनकर हम सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलती है : सेठ

बिभा संवाददाता

रांची : केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ ने आज चुटिया मंडल के अंतर्गत कार्यकताओं के साथ मन की बात सुनी इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री केंद्र सरकार संजय सेठ ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात सुनकर हम सभी कार्यकताओं को प्रेरणा मिलती है प्रधानमंत्री ने आज हुल दिवस पर शहीद हुए वीर सपूतों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही प्रधानमंत्री ने स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपील देशवासियों से की है हम सबों को स्वदेशी वस्तुओं को अपने जीवन में उतरने की आवश्यकता है साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मां के नाम एक पौधा लगाने का अभियान शुरू किया है पूरे देश में 20 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है हम सबों को अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगनी चाहिए आज के इस कार्यक्रम में मंत्री जी के साथ पदम श्री श्री मुकुल नायक ने भी मन की बात सुनी।

रेलवे स्टेशन से सिटी बस का परिचालन किया जाय : अरूण

रांची : रांची और हटिया रेलवे स्टेशन एवं खादगड़ा बस स्टैंड से शहर के सभी क्षेत्रों के लिए सिटी बस चलाने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने नगर प्रशासक अमित कुमार से मुलाकात की। यह कहा कि सिटी बस में सीनियर सिटीजन और बीमार यात्री के लिए सीट भी आरक्षित किया जाना जरुरी है। नगर प्रशासक ने नागरिकों की सुविधा हेतु इस मांग पर सकारात्मक विचार के लिए आश्वस्त किया। यह भी बताया कि निगम द्वारा नई बसें लाई जा रही हैं।
श्री जोशी ने इस मामले में राज्यसभा सांसद महुआ माजी से भी बात की. सांसद ने भी इस मामले में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया ।

रांची नगर निगम ने एक दिन में जमा किया 3.5 करोड़ होल्डिंग टैक्स, पहली तिमाही में 33 करोड़ राजस्व मिला

बिभा संवाददाता

रांचीः इस वित्तीय वर्ष 2024-2025 के होल्डिंग टैक्स का एकमुश्त भुगतान 30 जून 2024 तक करने पर कर दाताओं को टैक्स की राशि पर अधिकतम 10% की छूट का प्रावधान निगम द्वारा किया गया था. इसके तहत एक दिन में 30 जून को रांची नगर निगम को 3.5 करोड़ होल्डिंग टैक्स मिला है. रांची नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम तिमाही के दौरान संपत्ति कर के क्षेत्र में एक अद्वितीय उपलब्धि हासिल की है.
इस वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में सम्मानित नागरिकों के सहयोग से रांची नगर निगम द्वारा कुल फ्र. 32,93,39,923 की राशि 76,527 करदाताओं से होल्डिंग टैक्स के रूप में वसूली गई. वहीं झारखण्ड राज्य में सर्वाधिक राशि संग्रहण करने वाला निकाय बन गया. वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में कुल 20,253 करदाताओं द्वारा डिजिटल पेमेंट के माध्यम से फ्र.10,36,55,579 राशि की वसूली की गयी, 9901 करदाताओं के द्वारा फ्र. 3,74,81,357 राशि का भुगतान निगम कार्यालय एवं डोरंडा अंचल कार्यालय स्थित जन सुविधा केंद्रों पर की गई. जबकि 46,373 करदाताओं के द्वारा फ्र. 18,82,02,987 की राशि की वसूली डोर-टू-डोर कलेक्शन के माध्यम से की गई.

निगम ने जताया आभार

रांची नगर निगम सभी सम्मानित नागरिकों को ससमय कर का भुगतान करने हेतु हार्दिक आभार व्यक्त करता हैं. हम उन सभी नागरिकों को धन्यवाद करते हैं, जो शहर के विकास में अपना योगदान देने के लिए संपत्ति कर का नियमित एवं ससमय भुगतान करते हैं. रांची नगर निगम द्वारा इस वसूल की गई राशि का उपयोग नागरिकों के जीवन को बेहतर करने, शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं रमणीक बनाने में खर्च किया जाएगा.

शहीदों के सम्मान एवं उनके परिजनों की सुध लेने वाली एक मात्र आन्दोलनकारी पार्टी झामुमो ही है : झामुमो

बिभा संवाददाता

रांची : हूल दिवस के अवसर पर झामुमो राँची जिला समिति द्वारा कांके रोड स्थित सिध्दो कान्हू पार्क में अवस्थित उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्री अश्विनी शर्मा जी ने कहा कि झारखण्ड के तमाम शहीदों को सम्मान और शहीद के परिजनों की सुध लेने वाली पार्टी एक मात्र झामुमो ही है। आदरणीय हेमन्त सोरेन जी के नेतृत्व में हुल क्रान्ति के महानायकों, शहीदों एवं शहीदों के परिजनों की सुध ली गई। सभी शहीद स्थलों को सौंदर्यीकरण किया गया। छूटे हुए शहीद स्थलों का सौंदर्यीकरण करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री चम्पई सोरेन अग्रसर हैं।

मौके पर मुख्य रूप से जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू , केन्द्रीय सदस्य श्री समनुर मंसुरी, जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, रामानंद बेदिया, कलाम आजाद, डॉ तालकेश्वर महतो, जिला

संगठन सचिव आदिल इमाम, मंटू लाला, अरुण वर्मा, डॉ बबलू राम, रामशरण विश्वकर्मा तिर्की, आफताब आलम, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष फरीद खान, सचिव सुजीत कुजूर, कैथरीना तिर्की, जीत गुप्ता, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, सचिव सोनू मुंडा, कोषाध्यक्ष अजीत नायक, क्रीड़ा मोर्चा के रांची जिलाध्यक्ष श्री प्रदीप मिर्धा, जिला संयुक्त सचिव सुजीत उपाध्याय, अजीजुल अंसारी, अजीत लकड़ा, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष आरिज खान, संयुक्त सचिव महताब अंसारी, रमजान रजा, साहिल यादव, गोपाल पांडेय, छात्र मोर्चा रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अमन तिवारी, सचिव असद फेराज, मो इरफान, उपाध्यक्ष अतिकूर रहमान, संयुक्त सचिव बीरबल प्रजापति, डी.एस.पी.एम.यू अध्यक्ष मनीष राणा, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष सज्जाद अंसारी, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सालो देवी, महानगर उपाध्यक्ष राधा हेंब्रम, राधा बाउरी, हर्ष कुमार, प्रदीप कुमार, राहुल वर्मा, रवि कुमार, मो साजिद, दिनेश तिग्गा, नंदकिशोर सिंह चंदेल, फैय्याज शाह, प्रदीप कालिंदी, कयूम अंसारी, कांके प्रखंड सचिव नविन तिर्की, लक्ष्मण राम, अरुण, मोहन गोस्वामी, विनोद मुंडा, विजय रविदास, मो एनुल अन्सारी, अनूप कुमार, राकेश वर्मा, अमन खान, सोनू, प्रिंस, बाबू, मनोहर कुजूर आदि शामिल थे।

केन्द्रीय सरना समिति एवं चडरी सरना समिति ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर सपूतों को किया याद

बिभा संवाददाता

रांची : हूल दिवस के अवसर पर केन्द्रीय सरना समिति एवं चडरी सरना समिति के द्वारा केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा की अगुवाई में कांके रोड स्थित सिद्धू कान्हू पार्क में सिद्धू कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सिद्धू कान्हू एवं झारखंड के सभी वीर सपूतों को याद किया गया। केंद्रीय अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा ने कहा कि संथाल हूल का नेतृत्व भोगनाडीह निवासी चुन्नी मांझी के चार पुत्रो ने किया। उनके नाम थे सिद्धू, कान्हू, चांद,और भैरव था। इस मौके पर सिद्धू ने नारा दिया था, करो या मरो, अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो। मुख्य पहान श्री जगलाल पहान ने कहा कि 30 जून 1855 को मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में वीर सिद्धू कान्हू और चांद भैरव के नेतृत्व में 400 गांव के लगभग 50000 लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत से आमने-सामने की जंग का ऐलान किया था एवं मालगुजारी नहीं देने और अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का जोर शोर से एलान किया था। चडरी सरना समिति के प्रधान महासचिव सुरेंद्र लिंडा ने कहा कि सिद्धू कानू संथाल विद्रोह 1855 से 1856 के नेता थे जो पूर्वी भारत के

वर्तमान झारखंड में ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता और भ्रष्ट उच्च जाती की जिम्मेदारी व्यवस्था दोनों के खिलाफ मूल निवासियों का विद्रोह था। चडरी सरना समिति के मुख्य सलाहकार एवं झारखंड आंदोलनकारी कुमोद कुमार वर्मा ने कहा कि अंग्रेजों के शोषण व महाजनों के अत्याचार से तंग आकर सिद्धू कानू के नेतृत्व में 30 जून 1855 को लोगों ने तत्कालीन अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ विद्रोह हूल किया था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा, मुख्य पहान श्री जगलाल पहान, शोभा कच्छप, विसवास उरांव, सुरेंद्र लिंडा,कुमोद कुमार वर्मा, संजय नायक, शक्ति सोनी, सुधीर मंडल, अर्पित कच्छप, विक्की मुंडा, विकास उरांव, शंकर लिंडा, अंकुश कच्छप, विशाल तिर्की, आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सांसद ढुल्लू महतो का मजदूर करेंगे 7 जुलाई को अभिनंदन

बोकारो(बिभा) : 11 जुलाई को बीएसएल के ठेका मजदूरों की मांगों को लेकर प्रस्तावित हड़ताल की तैयारी बैठक बांधगोड़ा साइट में हुई। संबोधित करते हुए यूनियन अध्यक्ष साधु शरण गोप ने कहा कि ठेकामजदूरों के ज्वलंत मांगों को लेकर बीएसएल में 11 जुलाई के हड़ताल के वास्ते 19 जून को नन एन जे सी एस यूनियनों ने हड़ताल नोटिस दिया है। लेकिन प्रबंधन बेखबर है। वहीं ठेकामजदूरों में आक्रोश बढ़ते जा रहा है। ठेका मजदूर चाहते हैं कि मेडिकल के नाम पर छंटनी बंद हो, कट मनी बंद हो, प्लांट में निधन पर आश्रित को नियोजन मिले। उन्होंने कहा कि ठेकामजदूर सेल के रीढ़ हैं। कम वेतन सुविधा पर मुनाफा दे रहे हैं। फिर भी उनके खिलाफ साजिश हो रही है। ये सताए गए मजदूरों ने निर्णय लिया है कि नव निर्वाचित सांसद ढुलू महतो का 7 जुलाई को सेक्टर 12 क्लब में अभिनंदन करेंगे। अध्यक्षता घनश्याम गोप ने किया। मौके पर संदीप कुमार आश, जी सी गोप, उमाशंकर गोप, सपन रजवार, के रजवार, सुभाष दास, सुफल बाउरी, डी गोप, ए गोप, बाबू लाल, अजीत गोप, लालदेव गोप, छोटे लाल गोप, शंकर गोप, एम रजवार के अलावे अन्य लोग उपस्थित रहे।

जेंडर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो(बिभा) : जेंडर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन का कसमार प्रखंड की किशोरियों के बीच सहयोगिनी संस्था द्वारा आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि किशोरी तथा लड़कियों के बीच जेंडर को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए किशोरी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस दौरान कसमार प्रखंड की सोनपुरा, पोंडा तथा गरी पंचायत की किशोरियों के बीच जेंडर, महिला हिंसा, महिला सशक्तिकरण, किशोरी नेतृत्व, शिक्षा तथा सरकार की योजनाओं से संबंधित प्रश्नों पर आधारित क्विज प्रतियोगिता किया गया। यह प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि लड़कियों का कैरियर तथा भविष्य को संवारने तथा लीडरशिप डेवलपमेंट करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम संस्था द्वारा लगातार आयोजित की जाती है। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुमारी किरण ने कहा कि सहयोगिनी द्वारा बोकारो जिले के कसमार में विगत 5 वर्षों से किशोरी नेतृत्व चमचा विकास तथा बाल विवाह के खिलाफ कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें 11 गांव की किशोरियों का नेतृत्व क्षमता का विकास के साथ-साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं से उन्हें जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सोनपुरा पंचायत द्वितीय स्थान गरी पंचायत तथा तृतीय स्थान पोंडा पंचायत की किशोरियों ने प्राप्त की, जिन्हें संस्था द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सहयोगिनी सूरजमानी देवी प्रतिमा सिंह, रवि कुमार राय, प्रकाश कुमार, मंजू देवी, विनीता देवी, मीनटी कुमारी सिंह, गौतम सागर, रानी कुमारी, गौरी कुमारी, खुशी कुमारी, अंजली कुमारी, पूनम कुमारी, प्रीति कुमारी, पायल कुमारी, सुजाता कुमारी, उमा कुमारी, प्रिया कुमारी, नीतू कुमारी, रेखा देवी आदि उपस्थित थी।

रोटरी क्लब चास द्वारा मनोनित टीम आज करेंगे पदभार ग्रहण

बोकारो(बिभा) : रोटरी सत्र 24-25 के लिए रोटरी क्लब चास की नई टीम 1 जुलाई से पदभार ग्रहण कर लेगी। रोटरी क्लब चास के सत्र 24-25 के लिए बिनोद चोपड़ा, अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सचिव एवं धनेश बंका को कोषाध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है। नव निर्वाचित अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा एवं सचिव मुकेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि रोटरी क्लब चास, समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक अपने सेवा कार्यों से पहुंच बनाएगी। बिनोद चोपड़ा ने कहा कि रोटरी क्लब चास बोकारो की अग्रणी सामाजिक संस्था है, इसके स्वरूप को और व्यापक किया जाएगा। रोटरी क्लब चास की नई टीम में संजय बैद, विनय सिंह, कमल तनेजा, मनोज चौधरी, डॉ परिंदा सिंह, पूजा बैद, डिंपल कौर, मंजीत सिंह, चनप्रीत सिंह, विपिन अग्रवाल, कुमार अमरदीप, नरेंद्र सिंह, डॉ सुमन कुमार निदेशक के रूप में कार्य करेंगे। निवर्तमान अध्यक्ष पूजा बैद एवं सचिव डिंपल कौर ने नई टीम के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

बोकारो जिला खो-खो संघ का अध्यक्ष बने पवन कुमार सिंह व महासचिव सुनित कुमार मलिक

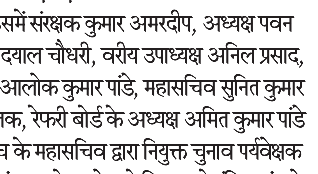

बोकारो(बिभा) : रविवार को चास प्रखंड के तेलीडीह रोड स्थित बहादुरपुर सामुदायिक भवन में बोकारो जिला खो- खो संघ का वार्षिक आमसभा की बैठक के दौरान वर्ष 2024 से 2028 तक के लिए नए कार्यकारिणी समिति का गठन व चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। इसमें संरक्षक कुमार अमरदीप, अध्यक्ष पवन कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष शिवदयाल चौधरी, वरीय उपाध्यक्ष अनिल प्रसाद, वरीय उपाध्यक्ष योगो पूर्ति, उपाध्यक्ष आलोक कुमार पांडे, महासचिव सुनित कुमार मलिक, कोषाध्यक्ष संजय कुमार रजक, रेफरी बोर्ड के अध्यक्ष अमित कुमार पांडे चुने गए। झारखंड राज्य खो-खो संघ के महासचिव द्वारा नियुक्त चुनाव पर्यवेक्षक धनबाद खोखो संघ के महासचिव शंभू महतो व बोकारो जिला ओलंपिक संघ के संजीव कुमार सिंह तथा चुनाव अधिकारी अधिवक्ता प्रमोद कुमार पांडे की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। कार्यकारिणी सदस्य में अनंत कुमार, वरुण कुमार, सरिता कुमारी, सोनी कुमारी, प्रवीण कुमार, चंद्रकांत कुमार, मंसू महतो, अखिलेश कुमार चुने गए। इस मौके पर चुनाव पर्यवेक्षक धनबाद खोखो संघ के महासचिव शंभू महतो व बोकारो जिला ओलंपिक संघ के संजीव कुमार सिंह ने बोकारो में खो-खो के बढ़ते कदम और लोकप्रियता पर प्रशंसा जताई। वहीं न नियुक्त संरक्षक कुमार अमरदीप ने जिला में खो-खो के विकास के लिए हरसंभव सहायता देने का विश्वास दिलाया। बैठक में जिला भर के अनेक प्रखंडों क्लबो से खो-खो संघ के पदाधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

डीपीएस बोकारो में मेधा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

सफलता बच्चों की लगन, समर्पण और अभिभावकों के त्याग का परिणाम : सीआरपीएफ डीआईजी

बिभा संवाददाता

बोकारो। पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से विद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो में शनिवार को मेधा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में शैक्षिक सत्र 2023-24 के दौरान 10वीं एवं 12वीं के टॉपरों के साथ-साथ विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक पाने वाले तथा समूहवार खेलकूद, वाक्-पटुता, पठन-दक्षता, लेखन, कला-संगीत, कंप्यूटर साइंस, पर्यावरण-मैत्री, क्विज, छायांकन, नृत्य, अनुशासन व अन्य क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ रहे कुल 144 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, उक्त सत्र के छात्र परिषद के हेड बॉय व हेड गर्ल को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सीआरपीएफ बोकारो रेंज के उप-महानिरीक्षक (परिचालन) ब्रजेश सिंह अपनी सहधर्मिणी मंजू सिंह के साथ उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री सिंह ने सम्मानित किए गए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता एक दिन का प्रयास नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सतत कठिन परिश्रम, समर्पण, उनकी लगन व निरंतरता तथा उनके अभिभावकों के त्याग का परिणाम है। यह प्रयास आगे भी जारी रहे, क्योंकि आनेवाले समय में अभी और चुनौतियां आएंगी, जिसे समझना होगा। उन्होंने उपलब्धियों के लिए डीपीएस बोकारो परिवार को बधाई देते हुए यहां आना अपने लिए गर्व का विषय बताया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने डीपीएस बोकारो की शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मेधा सम्मान समारोह के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय हर बच्चे की प्रतिभा को निखारने के लिए कटिबद्ध है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नवाचार व रचनात्मकता को बढ़ावा देकर भावी नेतृत्वकताओं का निर्माण यहां किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों से इसी प्रकार अपने लक्ष्य के प्रति लगनशील बने रहने तथा सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनने का आह्वान किया।

समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। वैदिक मंत्रोच्चार व दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद विद्यार्थियों ने अतिथियों के सम्मान में 'मंगल बेला हर्षित आई...' स्वागत गान के बाद विद्यालय गीत 'आया है नया सवेरा...' की सुमधुर प्रस्तुति दी। स्कूल की वाइस हेड गर्ल हिमानी सिंह ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। जबकि, स्वागत नृत्य में छात्र-छात्राओं ने भगवान विष्णु के दशावतार का सुंदर मंचन किया। वहीं, समारोह के अंतिम चरण में मानवीय मूल्यों को प्रतिबिंबित करती मनोहारी नृत्य-प्रस्तुति रिफ्लेक्शन से छात्राओं ने सबकी भरपूर सराहना बटोरी।

जमुना हाउस को सर्वश्रेष्ठ सम्मान

समारोह के दौरान चार अलग-अलग वर्गों में विद्यालय के सदनों को भी पुरस्कृत किया गया। सभी को मिलाकर जमुना सदन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। खेलकूद में चेनाब सदन को बेस्ट हाउस का अवार्ड मिला, तो शिक्षा और संस्कृति में जमुना हाउस को सबसे अच्छा घोषित किया गया। वहीं, बेस्ट हाउस के लिए जमुना को ही चुना गया और मुख्य अतिथि ने हाउस के वार्डन को आरएस लुगानी ट्रॉफी सुपुर्द की। मंच संचालन स्कूल के विद्यार्थी गौरव, अनुष्का, आरुष एवं मानसी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वाइस हेड बॉय सत्यम राज ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

भाजपा युवा नेता इंदु शेखर ने कोयला व खान मंत्री को दी बधाई

बोकारो(बिभा) : भाजपा युवा नेता इंदु शेखर मिश्रा ने मोदी सरकार 3.0 में केंद्रीय कोयला व खान मंत्री बनने पर माननीय कृष्णा रेड्डी गंगापुरम जी से उनके आवास पर मुलाकात कर हार्दिक बधाई व शुभकामनायें दी. साथ ही, श्री मिश्रा ने कहा कि कोयला व खान मंत्री से हैदराबाद चुनाव में भी उनके कार्य कर चुके हैं. युवा नेता इंदु शेखर मिश्रा ने कहा कि उनके केंद्रीय मंत्रिमंडल में विकास व कई बदलाव होंगे. साथ ही विकास की राह में देश और तेजी से विकास की ओर अग्रसर होगा. इसपर और भी कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई.

छाई के चपेट में आने से सप्लाई मजदूर घायल, कार्य के दौरान हुआ हादसा

बिभा संवाददाता

बोकारो : डीवीसी के बोकारो थर्मल प्लांट में अंदर छाई के चपेट में आने से 55 वर्षीय सप्लाई मजदूर राजेश्वर प्रसाद गिरकर घायल हो गया। घटना दोपहर लगभग एक बजे की बतायी जा रही है। घायल मजदूर का इलाज डीवीसी के बोकारो थर्मल अस्पताल में चल रहा है।

बताया जाता है कि घायल मजदूर प्लांट के अंदर छाई से भरा कम्बाइंड टंकी के समीप कार्य कर रहा था। इस दौरान बी प्लांट का कटिंग कार्य कर रही राधा टीएमटी कम्पनी द्वारा काटा गया लोहे का बड़ा टुकड़ा छाई से भरा कम्बाइंड टंकी जो पहले से छतिग्रत था उसके ऊपर गिर गया जिसके चपेट में वहा कार्य कर रहे सप्लाई मजदूर राजेश्वर प्रसाद आ गए और टंकी में भरा छाई ने उन्हें पूरी तरह ढक दिया। वहां कार्यरत अन्य मजदूरों के सहयोग से उसे छाई से बाहर निकाला गया। घायल मजदूर को तत्काल डीवीसी के बोकारो थर्मल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।बताया जाता है कि घायल मजदूर ठिकेदार शंकर चौधरी के आधीन कार्यरत है। घटना से आक्रोशित मजदूर यूनियन के नेता बालेश्वर यादव, रामलाल पासवान, संजय कुमार, बीके सिंह, गणेश राम आदि ने कहा कि बी प्लांट का कटिंग का काम कर रही राधा टीएमटी कम्पनी के अधिकारियो की लापरवाही के कारण प्लांट के अन्दर आए दिन मजदूरों के साथ दुर्घटनाएं घट रही है।

नए सत्र के साथ बोकारो के सभी रोटेरियन की सदस्यता 1 जुलाई से प्रारंभ

बोकारो(बिभा) : एक जुलाई से रोटरी इंटरनेशनल के अंतर्गत रोटरी जिला 3250 और उसमें सभी क्लब की कमान और जिम्मेदारी नये पदाधिकारियों को सौंप दी जाती है। रोटरी इंटरनेशनल (2024-25) की अध्यक्ष सटेफेनी उरचिक ने इस साल की थीम मैजिक आफ रोटरी रखी है। रोटरी जिला 3250 के नये डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बिपीन चचान ने इस साल सभी क्लबों को जरूरतमंद और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए काम करने को कहा है। बोकारो और चास में 3 रोटरी क्लब हैं, रोटरी बोकारो, रोटरी चास और रोटरी मिडटाउन कपल्स। इस साल इन तीनों क्लब को जोन 6 में रखा गया है और इन की जिम्मेदारी रोटरी मिडटाउन कपल्स के पुर्व अध्यक्ष असिस्टेंट गवर्नर रोटेरीयन साजन कपूर को सौंपी गयी है। उनहोंने कहा कि 2024 - 25 सत्र में भी तीनों क्लब सदस्य अपने अध्यक्षों के नेतृत्व में अपने सामाजिक दायित्वों को निभाते रहेंगे और आगे भी बोकारो के जरूरतमंद और पिछड़े वर्ग के लिए कार्य करते रहेंगे। 2024-25 के रोटरी क्लब आफ बोकारो मिडटाउन कपल्स के अध्यक्ष रोटेरीयन रंजन गुप्ता बनें हैं जो पुर्व में क्लब के सचिव और कोषाध्यक्ष रह चुके हैं। रोटेरीयन रंजन को अपने क्लब में बढ़िया काम करने के लिए डिस्ट्रिक्ट 3250 की और से बेस्ट सचिव का अवार्ड मिल चुका है। रोटरी मिडटाउन कपल्स के रोटरीयन पुनीत जोहर को सचिव और रोटरीयन सुभाष जैन कोषाध्यक्ष चुना गया है।

हूल दिवस पर याद किए गए वीर शहीद सिदो-कान्हू

बिभा संवाददाता

बोकारो: रविवार को आदिवासी - मूलवासी समाज सतनपुर द्वारा सराय बुरु (पहाड़ी) और पोंड टुंगरी बांधगोड़ा दोनों पहाड़ों के बीच सिदो-कान्हू चौक में हूल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम सीके मुर्मू के अगुवाई में किया गया। संचालन रामकुमार मांझी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत नायेके जगदीश मांझी द्वारा पूजा अर्चना कर हुई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सिदो-कान्हू के तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित कर संकल्प लिया। संबोधित करते हुए समाजसेवी योगो पूर्ति ने कहा सिदो-कान्हू के योगदान को हम कभी भुला नहीं सकते हैं। उनके संघर्ष की गाथा को जिस दिन हम भुला देंगे, झारखंड का विकास नहीं हो पाएगा। सातनपुर मुखिया कालीपद सिंह ने कहा अपनी जमीन, संस्कृति और देश को अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचार से बचाने के लिए संथाल के महानायक सिदो-कान्हू के नेतृत्व में विद्रोह का आगाज हुआ था। रामदयाल सिंह ने कहा झारखंड में 30 जून का खास महत्व है। इसी दिन संताल धनुर्धारियों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पहले जंग का आगाज किया था। जिसे संताल विद्रोह या संताल हूल के नाम से याद किया जाता है। इतिहास के पन्नों में ऐसे सिपाही विद्रोह को आजादी की पहली लड़ाई माना जाता है। सातनपुर पंसास वासुदेव माझी, संतोष बाउरी ने भी संबोधित किया। इस दौरान चंद्रकांत पूर्ति, रामनाथ हेंब्रम, आकाश समद, पंकज माझी, मंजूबाला सोरेन, मंजू कुमारी सोरेन, दशमी देवी, सोनिया देवी, शकुंतला कुमारी, निशा कुमारी सहित अन्य शामिल थे।

आदिवासियों के संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है हुल दिवस : सचिन महतो

बिभा संवाददाता

बोकारो : संथाल की पुण्यभूमि से हूल का शंखनाद अन्याय और दासता से मुक्ति की विजयगाथा उन नायकों का पवित्र स्मरण आज भी हम सबों का मार्गदर्शन करता है।उक्त बातें आजसू पार्टी के बोकारो जिलाध्यक्ष सचिन महतो ने चास के आई टी आई, मोड़ स्थित वीर शहीद सिध्दो-कान्हू की प्रतिमा पर मालयर्पण कर श्रधांजलि अर्पित करते हुए कही। उन्होनें कहा कि आज ही के दिन 30 जून 1855 में अंग्रेजो के खिलाफ हमारे महान क्रांतिकारी सिध्दो-कान्हू ,चांद-भैरव, फुलो-झानो ने संथाल परगना के साहिबगंज जिले भोगनाडीह गांव से अंग्रेजो के खिलाफ विद्रोह का ऐलान किया था जिसमें सिद्दो-कान्हो ने करो और मरो का नारा एवं अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का नारा दिया था इसी बहुजन आंदोलन को हम हुल दिवस के रूप में मनाते हैं। साथ ही चास नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 03 स्थित फुदनीडीह में लक्ष्मण शर्मा, कुंदन शर्मा, अनुज रजवार, विक्रम मुंडा, अर्जुन माँझी, गौतम कुमार शर्मा, आशीष कुमार शर्मा, मनबोध शर्मा, राजेश शर्मा, अखिलेश शर्मा, आदित्य शर्मा, सहित अन्य ने आजसू पार्टी पर आस्था और विश्वास रखते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सेक्टर 8 राय चौक के समीप सूरज चौधरी के नेतृत्व में जितेंद्र कुमार, सलमान खान, तोतन, पिनटू कुमार, वाजिद इकबाल, जीत कुशवाहा, कुदंन कुमार, मुन्ना कुमार, अश्विनी कुमार, अमरजीत कुमार, चंदन कुमार, सहित अन्य ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कम्युनिस्ट पार्टी ने चंदनक्यारी में हुल दिवस मनाया

बिभा संवाददाता

बोकारो : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की चंदनकियारी लोकल कमिटी की ओर से महाल पंचायत के भण्डारी बांध गांव में कैलाश दसौंधी की अध्यक्षता में हूल दिवस मनाया गया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राज्य सचिव मंडल सदस्य राम चन्द्र ठाकुर ने कहा कि हूल संथाली भाषा का शब?द है, जिसका मतलब होता है विद्रोह। 30 जून, 1855 को आज से 169 साल पहले झारखंड के आदिवासियों ने अंग्रेजी हुकूमत के अत?याचार के खिलाफ पहली बार। वीर सिदो-कान्हू के नेतृत्व में जल, जंगल जमीन और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए विद्रोह का बिगुल फूंका। इस दिन 400 गांवों के 50000 लोगों ने साहिबगंज के भोगनाडीह गांव पहुंचकर अंग्रेजों से आमने-सामने की जंग का एलान कर दिया।भोगनाडीह की इस सभा में : सिद्धो को राजा घोषित किया गया। कान्हू को मंत्री चांद को प्रशासक और भैरव को सेनापति चुना गया। आदिवासी भाइयों सिद्धो-कान?हो और चांद-भैरव के नेतृ?व में तब संथालों ने मालगुजारी नहीं देने और अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का जोर-शोर से एलान किया। अंग्रेजों ने तब संथाल विद्रोहियों से घबराकर उनका दमन प्रारंभ किया। इसकी प्रतिक्रिया में आदिवासियों ने अंग्रेजी सरकार की ओर से आए जमींदारों और 9 सिपाहियों को मौत के घाट उतार दिया। तब विद्रोहियों को सबक सिखाने के लिए अंग्रेजों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। चांद और भैरव को अंग्रेजों ने मार डाला। इसके बाद सिद्धो और कान्हो को भोगनाडीह में ही पेड़ से लटकाकर फांसी दे दी गई। संथाल की माटी के इन्हीं शहीदों की याद में हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है। एक अंग्रेज इतिहासकार हंटर ने लिखा है कि इस महान क्रांति में लगभग 20000 आदिवासियों को मौत के घाट उतार दिया गया। कार्यक्रम को जिला सचिव भागीरथ शर्मा, राज कुमार गोराई, अख्तर खान, दूबराज ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में दर्जनों पार्टी सदस्य व समर्थक मौजूद थे।

रोटरी बोकारो ने आयोजित किया वोकेशनल सह क्लब अवार्ड समारोह

बिभा संवाददाता

बोकारो : शानिवार रात्रि क्लब के पॉल हैरिस ऑडिटोरियम में रोटरी क्लब ने रोटरी वर्ष 2023-24 का अंतिम कार्यक्रम 'वोकेशनल सह क्लब अवार्ड' समारोह के रूप में मनाया। इस कार्यक्रम में समुदाय के लिए उत्कृष्ट योगदान को मान्यता दी गई। इस कार्यक्रम में मुस्कान अस्पताल, चास के डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ को क्लब द्वारा आयोजित निशुल्क मेडिकल कैंप के दौरान उनकी अनुकरणीय सेवा के लिए सम्मानित किया गया। कुल 10 डॉक्टरों और 29 पैरामेडिकल स्टाफ को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र दिए गए और उन्हें 'फ्रेंड्स ऑफ रोटरी' घोषित किया गया।

इस के अतिरिक्त, क्लब ने 3 अन्य व्यक्तियों को भी समाज मे उन के उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया। वे है श्री मोहन आजाद, जो क्लब के गोद लिए गए उलगोरा गांव में ड्राइंग और पेंटिंग क्लास संचालित करते हैं। 3 होम्योपैथिक डॉक्टरों को भी उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया, वे हैं डॉ. परेश चौधरी महतो जो क्लब द्वारा संचालित निःशुल्क होमेओपेथी क्लिनिक में प्रत्येक रविवार को सेवा प्रदान करते है। डॉ. निखिल पाठक एवं डॉ. पूनम को गुरुद्वारा, चास में क्लब के निःशुल्क होम्योपैथिक क्लिनिक में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

क्लब ने 2023-24 में उन की समर्पित सेवा के लिए 14 सदस्यों को भी सम्मानित किया। 11 सदस्यों को 'अनुकरणीय रोटेरियन' नामित किया। वे है रो. (डॉ) प्रोफेसर अनिल त्रेहन, रो. अनिल त्रिपाठी, रो. अशोक जैन, रो. हरदीप सिंह, रो.डॉ जॉन लिउ, रो. पी. डी. जी. महेश केजरीवाल, रो. डॉ राजदीप, रो. रानी अग्रवाल, रो. डॉ आर. एन. प्रधान, रो. संध्या राज, एवं रो. डॉ एस. सी. मुंशी। इन के अलावा रो. अशोक तनेजा, रो. चंद्रिमा रे एवं रो. प्रदीप नारायण को वर्ष के सब से वांछित पुरस्कार 'रोटेरियन ऑफ द ईयर' के पुरस्कार से तालियों की गूंज के साथ सम्मानित किया गया। तदोपरांत निवर्तमान अध्यक्ष रो. घनश्याम दास ने सभी सदस्यों को वर्ष भर उन के सहयोग एवं सहायता के लिए भावपूर्ण धन्यवाद दिया।

पुरस्कार समारोह का सफल संचालन रो. प्रदीप नारायण ने अपने एक अनूठे अंदाज में किया जिस की काफी सराहना हुई।

कार्यक्रम का समापन रो. चंद्रिमा रे के नेतृत्व में आयोजित एक संगीतमय अंताक्षरी के साथ हुआ, जिस का रोटरी बोकारो मिडटाउन कपल्स और रोटरी चास के सदस्यों ने भी भाग लिया। सभागार में उपस्थित सभी ने उत्साहपूर्वक तालियां बजा कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस के साथ ही 30 जून को विश्व भर के रोटरी क्लब में सत्र 2023-24 का अस्त हो गया। 1 जुलाई से रो. महेश गुप्ता जो नगर के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी है रोटरी बोकारो के सत्र 2024-25 की बागडोर अध्यक्ष के रूप में संभालेंगे।

वरवा घाट पर नहाने आये चार युवक डूबने से बचे, मौके पर स्थानीय लोगों ने बचाई जान

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के सेक्टर 9 स्थित दामोदर नदी के वरवा घाट पर नहाने आये चार युवक डूबने से बचे है। यह घटना तब घटी जब चारो युवक नदी में नहाने उतरे थे तभी नदी का जलस्तर बढ़ा तो सभी के सभी मझधार में फंसकर डूबने लगे। यह सब देख वहाँ मौजूद शैलानियों ने शोर मचाना शुरू किया तो स्थानीय तैराक पानी मे कूद डूबते युवकों के पास पहुँच उन्हें मूर्क्षित अवस्था मे बाहर निकाला। स्थानीय युवकों ने अपनी मुँह से स्वास भर कर उन्हें होस में लाने का प्रयास करने लगे तो कुछ युवकों ने घटना की सूचना 108 नम्बर पर फोनकर दी और एम्बुलेंस का इंतजार करने लगे, लेकिन एम्बुलेंस पहुँचने में देरी होता देख स्थानीय युवकों ने अपने स्तर से चारों युवकों को अस्पताल पहुँचाया।

चारो युवक खतरे से बाहर बताए जा रहे है, जो चास के रामनगर कॉलोनी के रहनेवाले है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है की साल में एक दो बार ऐसी घटना तब हो जाती है जब तेनुघाट डैम से आचानक पानी छोड़ दिया जाता है जिस बजह से नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ जाता है जिसका आभास शैलानियों को नही होता।

ऐसे में जरूरी है प्रशासनिक स्तर से ऐसी व्यवस्था की जाय कि डैम का गेट खोलने के पूर्व अलर्ट जारी हो तब ही ऐसी घटनाओं पर रोक सम्भव है।

संक्षिप्त खबरें

अभाविप राँची विभाग के सह संयोजक बनाए गए कमलेश महतो

खूँटी(बिभा) । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद खूँटी इकाई संगठन में परिवर्तन करके एक मजबूत संगठन बनाने के लिए दायित्व दिया है। यह चयन झारखंड के चार दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग जमशेदपुर में में रविवार को किया गया। जिसमें पूरे झारखंड प्रदेश के विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं को संगठन का दायित्व देकर घोषणा किया गया। इस क्रम में खूंटी जिला के कमलेश महतो को राँची विभाग के विभाग सह संयोजक बनाया गया। साथ ही, खूँटी जिला में दायित्व परिवर्तन करके बिरसा महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष चंद्रकिशोर भगत को अभाविप का जिला प्रमुख तथा प्रकाश टूटी को जिला संयोजक बनाया गया। जिससे संगठन और भी मजबूती के साथ खड़ा होकर विद्यार्थियों के हित पर आवाज बुलंद करते हुए सहयोगी बन सके। मौके पर गुड्डू राय, उत्कर्ष तिवारी, पवन कुमार, माया कुमारी, हिरंजलि हेंब्रम, श्रद्धा सिंह, सुमन कुमारी , राजकुमार महतो, राहुल कुमार, प्रवीण नाग, अमित कुमार महतो आदि कार्यकताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दिए। यह जानकारी कमलेश महतो ने दिया।

बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंधन समिति के पूर्व सदस्यों को किया याद

खूँटी(बिभा) । बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति ने समिति के दो वरीय सदस्य स्व. दुर्गा भगत एवं लक्ष्मण गंझू के निधन पर शोक व्यक्त किया। इस दौरान प्रबंधन समिति कार्यालय सभागार में दिवंगत आत्माओं की शांति और उन्हें स्मरण कर नमन करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। मौके पर, संतोष पोद्दार ने बताया कि बाबा भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा निष्ठा और श्रद्धालुओं के प्रति सहानुभूति तथा सहयोग करने में उनका काफी योगदान रहा है। मौके पर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश मांझी ने कहा कि पहले जिस समय सुविधा नहीं थी, इतना विकास नहीं हुआ था तभी से इस स्थिति तक लाने में सभी पूर्व अधिकारी व सदस्यों के साथ उनका भी योगदान रहा है। वही 2 मिनट का मौन रखकर समाप्त किया गया।

तोरपा में विश्व हिन्दू परिषद् का वर्ग प्रशिक्षण आयोजन

खूँटी(बिभा) । तोरपा एन.एच.पी.सी. मंदिर प्रांगण में रविवार को विहिप का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद् अध्यक्ष महेश प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में प्रदेश के प्रांत संगठन मंत्री कल्याण श्यामल व उमेश मांझी के द्वारा विहिप मातृशक्ति व दुगार्वाहिनी के कार्यकताओं को हिंदूत्व व सनातन संस्कृति की रक्षा तथा कार्य करने के दृष्टिकोण से प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर, धर्म व मंत्रोच्चार के महत्व के बारे में प्रमुख जानकारी दिया गया। साथ ही, जय घोष, उद्घोष एवं पूजा पाठ के बारे में विशेष चर्चा हुई। मौके पर विश्व हिंदू परिषद उपाध्यक्ष विरेन्द्र साहु व बजरंग दल संयोजक मोहित जायसवाल उमेश मांझी संघ के गुड्डू मिश्रा, प्रताप साहू, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के पवन महतो मातृशक्ति संयोजिका सीमा देवी एवं दुर्गा वाहिनी संयोजिका भानुमति कुमारी रूपा देवी, रिंकी देवी, मंजू देवी, पिंकी देवी, मधु देवी शोभा देवी चांदनी देवी अंबिका देवी सुनिता देवी कलावती देवी ज्योति देवी संगीता मिश्रा मंगला देवी अमृता देवी एवं अन्य सदस्यों ने प्रशिक्षण लिये। यह जानकारी महेश प्रसाद सिंह ने दी।

बाबा भोलेनाथ की झारखंड सहित विभिन्न राज्यों में फैली है दिव्य गाथा

खूंटी(बिभा) : बाबा आम्रेश्वर धाम झारखंड के भोलेनाथ की दूसरी बड़ी नगरी के रुप में विख्यात है। जिसकी महिमा और भक्ति गाथा झारखंड ही नहीं विभिन्न राज्यों में भी विख्यात है। बाबा की इस स्वयंभू महादेव का दर्शन करने विभिन्न राज्यों से लोग पहुँचते हैं। बाबा की इस नगरी में श्रीगणेश मंदिर, माँ पार्वती मंदिर, भगवान श्री राम, माँ दुर्गा, हनुमान मंदिर, श्री कृष्ण मंदिर, शनिदेव मंदिर, सहित अन्य मंदिर हैं। बाबा आम्रेश्वर धाम में आकर्षक मंदिरों के अलावे जिले के पर्यटक स्थल के रूप में सुसज्जित परिसर लोगों का मन होता है। खूँटी से 12 किलोमीटर दूर सिमडेगा राउरकेला मार्ग पर अवस्थित बाबा आम्रेश्वर धाम में आकर्षक मंदिरों के अलावे पार्क धर्मशाला बहुउद्देशीय भवन, स्नानागर जलकुंड आदि हैं। बाबा भोलेनाथ को जलाभिषेक करने के लिए धाम से तीन किलोमीटर पहले बनई नदी के बहते जल लेकर काँवरिया और पुजारी पैदल चलकर पहुँचते हैं।

बेटियों ने पिता की अर्थी को कंधा देकर पेश की मिशाल

खूँटी(बिभा) । नगर पंचायत क्षेत्र की बेटियों ने अपने पिता को अंतिम संस्कार में कंधा देकर बेटी होने के गौरवता की प्रतीक बनी। लोग जहाँ बेटों पर गर्व करके कुल का गौरव मानते हैं वहीं बेटियाँ भी बेटों से कम नहीं हैं। यह तोरपा रोड निवासी जुगल साव के निधन होने पर उनकी शिक्षित पढ़ी लिखी संस्कारी बेटियों ने अपने पिता की अंतिम संस्कार की। जिसपर समाज गर्व कर रहा है। जुगल साव के छह बेटियाँ हैं। सभी को उन्होंने शिक्षा के साथ संस्कार दिये। इनके परिवार के सभी लोगों में वाणियों में संस्कार झलकता है। जिन्हें पूरे लाड़-प्यार से पाल-पोस कर पढ़ा-लिखाकर योग्य बनाया। जिन बेटियों ने भाई व परिजनों तथा स्नेही जनों के साथ तजना मुक्ति धाम में रविवार को अंतिम संस्कार की। जुगल साव 73 वर्ष लगभग आयु के थे। अपने जीवन में पेशे से ठीकेदारी का कार्य करते हुए समाज के बीच रहनेवाले मृदुभाषी प्रवृति के व्यक्तित्व के धनी थे। उनके निधन पर डॉ निर्मल सिंह सहित अनेक लोगों ने शोक व्यक्त किया।

सड़क दुघर्टना में लड़के की मौत, नीलकंठ मुण्डा ने किया शोक व्यक्त

खूँटी(बिभा) । भीषण सड़क दुर्घटना में खूँटी निवासी रवि साहू के इकलौते बेटे का शनिवार को निधन हो जाने पर पूरा परिवार सहित समाज में दुख का माहौल है। जब पूरा परिवार शनिवार को दिवड़ी मंदिर पूजा करने जा रहे थे। तभी एक कार को रवि साहू का पुत्र स्वयं चला रहा था। और विपरित दिशा में कार चलाने से सामने से आ रही कार को ठोक दी। जिससे उसे अंदरुनी चोटें लगी। जिसे तुरंत ही, अस्पताल लाया और इलाज के क्रम में ही मौत हो गयी। रविवार को पार्थिव देह को नेताजी चौक पर अपने आवास में लाया गया। तथा सैकड़ों स्नेहीजनों के साथ तजना मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार किया गया। इसके निधन पर खूँटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, भाजपा नगर अध्यक्ष सुरेश जायसवाल, आदि अनेक लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

लैंडमार्क होटल मे आयोजित सम्मान समारोह मे 40 संस्थाओं ने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को किया सम्मानित

जितनी भी विकास की योजनाएं हैं शीघ्र पूरा किया जाएगा: संजय सेठ

बिभा संवाददाता

रांची : नई दिशा के तत्वाधान मे एवं लालपुर व्यवसाय समिति के सौजन्य से लालपुर रांची स्थित लैंड मार्क होटल के सभागार मे एक भव्य सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सम्मान समारोह मे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद श्री संजय सेठ का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। सभागार मे संजय सेठ के आगमन पर पुष्पों की वर्षा की गई, एवं पंडितों द्वारा तिलक लगाकर एवं पूरे विधि विधान मंत्रोच्चार शंखनाद के साथ सांसद का अभिनंदन किया गया।सम्मान समारोह में नई दिशा एवं लालपुर व्यवसाय समिति की ओर से सांसद को पुष्प गुच्छ, प्रतीक चिन्ह एवं अंग वस्त्र ओढ़ाकर कर सम्मानित किया। स्वागत भाषण लालपुर व्यवसाय समिति के अध्यक्ष निरंजन शर्मा ने दिया।

कार्यक्रम संयोजक मुकेश काबरा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा रांची के सांसद को रक्षा राज्य मंत्री का विशिष्ट स्थान मिलना पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है। तथा इनको रक्षा राज्य मंत्री बनाए जाने से सभी लोग गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।? सम्मान समारोह मे रांची गौशाला न्यास समिति, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, जेसीआई उड़ान, रांची गुजराती संघ, राउंड टेबल, कॉसमॉस क्लब, झारखंड थोक वस्त्र विक्रेता संघ, रांची जिला दुर्गा पूजा समिति, झारखंड टिंबर ट्रेडर्स एसोसिएशन, रांची कैटल फीड,लायंस क्लब, वसुधा कल्याण, सहित 40 से भी अधिक सामाजिक, व्यवसायिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने श्री संजय सेठ का पुष्प गुच्छ ,प्रतीक चिन्ह एवं साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। कई प्रबुद्धजनों एवं शहर के प्रतिष्ठित लोगों ने भी उनका स्वागत किया। सम्मान समारोह में हजारीबाग, धनबाद, झरिया, गुमला सहित कई जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी लोग खूब उत्साहित एवं प्रफुल्लित थे। सभागार मे उत्साह एवं उल्लास का माहौल था। सांसद संजय सेठ ने सभी संस्थाओं एवं प्रबुद्धजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सबों से मिले स्नेह और सम्मान से अभिभूत हूं, उन्होंने कहा कि ईश्वर जब तक जीवन दिया है, निःस्वार्थ भाव से समाज का कार्य करता रहूंगा। कल भी कार्यकर्ता था आज भी हूं और कल भी कार्यकर्ता रूप में कार्य करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि मेरे आचरण एवं व्यवहार रहन-सहन में मंत्री पद कभी हावी नहीं होगा। तथा मेरे लायक जो भी कार्य होगा मै हमेशा करने में तत्पर रहूंगा, तथा सभी लोगों से हमेशा संपर्क में रहूंगा। उन्होंने कहा कि जितनी भी विकास की योजनाएं हैं उसे शीघ्र ही पूरा किया जाएगा। उन्होंने विभिन्न रेल परियोजनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि रांची के सभी रेल योजनाओं का कार्य एवं विस्तार शीघ्र पूरा कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जलवायु को बचाने के लिए प्रधानमंत्री के आवाह्न पर एक पेड़ मां के नाम पर सभी को एक पेड़ लगाने की अपील की, कार्यक्रम के पश्चात संजय सेठ ने समाज के प्रतिनिधियों से समस्याओं एवं अन्य बातों को गंभीरतापूर्वक सुनी, तथा सभी लोगों के साथ अल्पाहार का भी आनंद लिया।

कार्यक्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि सम्मान समारोह कार्यक्रम सफल बनाने मे नई दिशा के मुकेश काबरा, निरंजन शर्मा, अमित चौधरी, मनीष लोधा,श्रीराम शर्मा, मनोज कुमार, विष्णु प्रसाद, संजय सर्राफ, मनोज गुप्ता,ने प्रमुख भूमिका निभाई। कार्यक्रम मे संजीव विजयवर्गीय,चंद्रकांत रायपत, ऐश्वर्य सेठ,अशोक चौधरी, वासुदेव भल्ला, रतन जालान, शिव बिरला, अशोक पुरोहित, मनोज काबरा, मनोज कल्याणी, नरेश बंका, प्रमोद अग्रवाल, आनंद जालान, नीरज भट्ट, संजय जयसवाल, संजय पोद्दार, अविनाश कुमार, मनोज खेतान, शशांक भारद्वाज, नीरा बथवाल, मधु सराफ, रीना सुरेखा, नीरज चौधरी, मनीष साहू, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रांची जिला कराटे चैंपियनशिप का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची: रांची जिला कराटे चैंपियनशिप का आयोजन गोजू रैयू कराटे डी एसोसिएशन रांची के द्वारा 15वीं रांची जिला गोजू यू कराटे चैंपियनशिप 2024 का आयोजन किशोर स्कूल बरगवां नागपुर मे किया गया. इस संबंध में जानकारी देते हुए रांची जिला सचिव संदीप कुमार ने कहा कि एक एक दिवसीय चलने वाली इस प्रतियोगिता में रांची के विभिन्न स्कूलों एवं क्लब के 250 खिलाड़ी भाग ले रहे है. प्रतियोगिता में अंदर 14 अंदर 17 और हर ग्रुप के प्रतियोगी भाग ले रहे हैं. इस प्रतियोगिता में कुल 157 पदक गांव में लगे होंगे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टाटा स्टील के कराटे के मुख्य कोच एल नागेश्वर राव और प्रिन्सपल कैम्ब्रीयन पब्लिक स्कूल शिवेश कुमार,विशिष्ट अतिथि रांची जिला कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश कुमार महतो,सचिव संदीप कुमार,उपाध्यक्ष शहजाद कुरैशी मौजूद थे. इस मौके पर रांची कराटे एसोसिएशन के सदस्य नितेश, शिव, अजय, स्वाति,अभिषेक समेत कई लोग मौजूद थे

बाबा आम्रेश्वरधाम प्रबंधन समिति ने श्रावणी मेला को लेकर की बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी । झारखण्ड के दूसरे बड़े बाबा भोलेनाथ की नगरी बाबा आम्रेश्वर धाम में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रावणी मेले में विधि व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए रविवार को प्रबंधन समिति कार्यालय में रमेश मांझी के अध्यक्षता में बैठक किया गया। जिसमें बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के कार्यकारणी समिति के सारे लोगों ने विचार विमर्श करके योजना तैयार किए, ताकि आने वाले श्रावण माह के कार्यक्रमों को वृहत रूप से सम्पादित किया जा सके। मौके पर, बताया गया कि हर साल की भांति भक्तों को शीघ्र दर्शन इस वर्ष भी सुविधा प्राप्त होगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रावण माह के पूर्व ही मंदिर प्रवेश द्वार से निकासी और वीआईपी द्वार पर शेड बनाया जाएगा ताकि बाबा के भक्तों को वर्षा और धूप से बचाया जा सके। साथ ही, फूल और लाइट की सजावट भी कराई जाएगी। नदी से मंदिर परिसर तक लाइट साउंड की व्यवस्था की जाएगी। आज की बैठक में सर्वश्री रमेश मांझी, मनोज कुमार, सुखदेव भगत, कैलाश भगत, महेंद्र कश्यप, दानियाल भगत, दुर्गा महतो, प्रेमचंद महतो, महेंद्र प्रसाद भगत, आनंद वर्मा, श्रीपाल जैन, जगदीश मिश्रा, अरुण कर आदि उपस्थित थे।

सीए स्पोर्ट्स लवर्स ने कराया बॉक्स क्रिकेट का आयोजन

रांची : सीए स्पोर्ट्स लवर्स ने स्थानीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स खेल प्रेमियों के लिए एक रोमांचक बॉक्स क्रिकेट टूनामेंट का सफल आयोजन किया। यह आयोजन शनिवार और रविवार को लीजेंड 7, टर्फ में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में खिलाड़ियों और दर्शकों ने हिस्सा लिया। इस टूनामेंट में कुल 4 टीमों ने भाग लिया Big Bulls, Pro Cap Warriors, Wealth Matters and Blue Chip Blasters, जिनमें से हर टीम ने उत्साह और जोश के साथ मुकाबला किया। बॉक्स क्रिकेट की विशेषता इसकी तेज रफ्तार और संकुचित मैदान है, जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों को अत्यधिक रोमांचक अनुभव मिला। टूनामेंट का फाइनल मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें 'विजेता टीम' Pro Cap Warriors ने 'उपविजेता टीम' Big Bulls को कड़े मुकाबले में 14 रन से हराया। सीए विनय विभाकर को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और सीए अनीश अग्रवाल को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब मिला । सीए स्पोर्ट्स लवर्स ने सभी प्रायोजकों, खिलाड़ियों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया और वादा किया कि आने वाले समय में वे और भी ऐसे आयोजन करेंगे जो खेल प्रेमियों को एकजुट करें और खेल को बढ़ावा दें।

पुलिस ने किया मुरहू थाना क्षेत्र में महुआ जावा नष्ट

खूँटी । जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत नशा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को चीचीगढ़ा एवं परसाबेड़ा सहित उसके आसपास के क्षेत्र में पुलिस प्रशासन द्वारा छापामारी अभियान चलाया गया। इसी क्रम में 8000 किलो महुआ जावा विनष्ट किया गया।

मुरहू में ज्ञान विज्ञान केंद्र का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू पंचायत सचिवालय में बीते शनिवार को ज्ञान विज्ञान केंद्र का शुभारम्भ किया गया। जिसका उद्घाटन प्रखंड के उप प्रमुख अरुण कुमार साबू, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी और मुखिया ज्योति ढोढराय ने संयुक्त रूप से फीता काट कर उद्घाटन किया। इस ज्ञान विज्ञान केंद्र से क्षेत्र के बड़े छोटे सभी लोग लाभान्वित होंगे। जिसमें यूट्यूब से स्मार्ट टीवी से ज्ञान प्राप्त किया जाएगा। इसके अलावे एक मिनी लाइब्रेरी है। इसमें दो कंप्यूटर भी है। यहाँ प्रखंड क्षेत्र के बच्चे कंप्यूटर भी सीख पाएंगे। मौके पर, अरुण साबू ने कहा कि ज्ञान विज्ञान केंद्र खुल तो गया है पर सिखानेवाले की कमी है। जबतक प्रशिक्षक की नियुक्ति नहीं होगी तो बच्चों को कौन पढ़ायेगा. आस पास गाँव के किसानों को भी यहां अत्याधुनिक खेती के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा। जो सभी के लिए लाभकारी होगा।

जंगली हाथी ने वृद्धा को कुचलकर मौत के घाट उतारा

बिभा संवाददाता

खूँटी ।रनिया थाना क्षेत्र में हाथियों को कहर व्याप्त है। वहीं रनिया थाना क्षेत्र के डिम्बुकेल बड़का टोली गाँव में रविवार की अहले सुबह में एक जंगली हाथी गाँव में घुसकर 76 वर्षीय महिला को रौंदकर मार डाला। जब सलोमी गुड़िया अपने आंगन को झाड़ू दे रही थी तभी जंगल से अपने झूंड से भटककर एक हाथी डिम्बुकेल बड़काटोली पहुँच गया। और 76 वर्षीय सलोनी गुड़िया को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के संबंध में पड़ोसी भतीजा रौशन गुड़िया ने बताया गया की सलोनी गुड़िया बड़ी माँ है। वो घर का बाहर आंगन में साफ सफाई कर रही थी। इसी बीच गोंडरा जंगल की ओर से पहुँच हाथी हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर रनिया थाना पुलिस,वन विभाग के कर्मी और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि मौके पर पहुँचे और पूरे घटना की जानकारी सलोनी के परिजनों से लिया। रनिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूँटी भेज दिया है। वन विभाग के कर में पीड़ित परिवार को 15 हजार रुपए का तत्काल मदद पहुँचाया। ग्रामीण रोशित गुड़िया ने बताया कि 2 किलोमीटर दूर जंगल है। जिसमें चार जंगली हाथी रह रहे हैं। और प्रत्येक दिन जंगल से निकाल कर हाथी गाँव घर में घुस जाते हैं। जहाँ उन्हें कटहल आम मिल जाता है लेकिन इसी बीच एक हाथी भटक गया है जो रविवार सुबह में भटक कर गाँव पहुँचा और महिला को कुचल डाला। इसके हमले के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

सरना आदिवासियों ने विधि विधान के साथ मनाया आषाढ़ी पुजा

रांची : रविवार को कांके रोड स्थिति कठहरग गोन्दा मौज के अन्तर्गत डहुटोली हतमा,टिकली टोला,बंगला टोली,कठहर गोन्दा,मिशन गली इत्यादि मोहल्ले के सरना आदिवासी महिलाएं,पुरूष सैकड़ो की संख्या में अपने परंम्पारिक वेशभूषा में नजर आये। कांके रोड सरना समिति के सलाकार प्रकाश टोप्पो ने बताया की आदिवासी समाज खेती बारी में जुड़ गई है अच्छी वर्षा हो और गाँव घर परिवार में शांति हो,शुखहाली हो यही कामना करते हुवे आषाढ़ी पुजा किया जाता है। मौके पर रूपी पहान,रोशन लकड़ा,दुर्गा टोप्पो,विश्वेर टोप्पो,महावीर तिर्की,करमा खलखो,राजेश लिंडा,सतिश खलखो,मंगल टोप्पो,बंधन टोप्पो,कुन्दन पहान इत्यादि मौजूद थे।

श्मशान घाट गंतव्य पथ संकरी होने से कर्रा वासी चिंतित, मदद के लिए लगाई गुहार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा थाना चौक से श्मशान घाट जाने वाले सड़क पर वन विभाग द्वारा दीवार खड़ा किये जाने के कारण गंतव्य पथ सँकरा हो गया। वहीं विभाग के इस कदम से ग्रामीण नाराज हो गए। ग्रामीणों ने बतलाया कि श्मशान घाट जाने का यही एक रास्ता है। जिस मार्ग से होकर आवागमन किया जाता है। हालांकि वन विभाग द्वारा चारदीवारी के लिए घेराबंदी करने के बाद आवागमन के लिए लगभग 8 फीट सड़क है लेकिन यह मार्ग सँकरा हो जा रहा है। इससे वाहनों के पार न होने की समस्या की बात बतलाई। लोगों ने कहा कि शव को कंधे में नहीं ले जाकर कभी-कभी वाहन में भी ले जाना पड़ता है। और घेराबंदी होने से वहां पर नहीं होगा। इस रास्ते से सैकड़ों वर्षों से ग्रामीण चलकर श्मशान घाट जाते हैं। कर्रा के ग्रामीण जिला प्रशासन से आग्रह कर रहे हैं कि सड़क का पर्याप्त चौड़ाई छोड़कर बाउंड्री करें । ताकि जनता को आवागमन में परेशानी न हो। इस मामले को लेकर कर्रा वासी अपने क्षेत्रीय सांसद कालीचरण मुंडा के पास अपनी बातें रखी। लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। और नतीजा यह हुआ कि निर्माण कार्य की गति और तेज हो गई है।

सीएमपीडीआई में स्वच्छता पखवाड़ा-2024 का समापन

बिभा संवाददाता

रांची : सीएमपीडीआई के कांफ्रेस हाल में आज स्वच्छता पखवाड़ा-2024 (16-30 जून,2024) का समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएस) सतीश झा, मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमीत कुमार सिन्हा ने स्वच्छता योद्धाओं को सम्मानित किया और पौधारोपण करके एक पखवाड़े तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा का समापन किया। इस अवसर पर सीएमपीडीआई (मुख्यालय) तथा क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण और वरीय अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर कुमार ने स्वच्छता पर जोर दिया और कहा कि स्वच्छ भारत के महात्मा गांधीजी के सपने को साकार करने के लिए हमारे दैनिक जीवन और आसपास के समुदायों में स्वच्छता को अपनाना आवश्यक है और नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य व जीव कल्याण ही स्वच्छता का अंतिम लाभ है। झा ने कहा कि स्वच्छता के संबंध में जानकारी का प्रचार-प्रसार और जागरूकता पैदा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है,इसे निभाने के लिए हम लोगों को सतत प्रयास करना चाहिए। सिन्हा ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों के लिए सीएमपीडीआई की सराहना की और सभी कर्मियों को पूरे वर्ष स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में जुड़े रहने की सलाह दी।

सीएमपीडीआई ने स्वच्छता पखवाड़ा (16-30 जून) के दौरान एकल उपयोग प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता अभियान,प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन,स्वच्छ पेयजल आदि और स्वच्छता अभियान अपशिष्ट / कचरे का निपटान,सफाई जैसी गतिविधियां चलायीं। सीएमपीडीआई (मुख्यालय) के अलावा सभी क्षेत्रीय संस्थानों और इसके अधीनस्थ गवेषण शिविरों में लोगों के बीच स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली,सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी),तालाबों आदि की सफाई और प्रश्नोत्तरी,निबंध लेखन और ड्राइंग आदि जैसी प्रतियोगिता आयोजित की गयीं। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत,कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों स्वच्छ और स्वच्छ भारत के महात्मा गांधीजी के सपने को साकार करने के लिए 16 से 30 जून,2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनायी गयी।

अब भारत को विभिन्न क्षेत्रों में अपने सूचकांक तैयार करना चाहिए

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक पटल पर पश्चिमी देशों के विभिन्न संस्थानों द्वारा भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव रखने के चलते, अब समय आ गया है कि भारत विभिन्न पैमानों पर अपनी रेटिंग तय करने के लिए अपने सूचकांक विकसित करने पर विचार करे क्योंकि वैश्विक स्तर पर पश्चिमी देशों द्वारा जितने भी सूचकांक तैयार किए जा रहे हैं उसमें भारत के संदर्भ में वस्तुस्थिति का सही वर्णन नहीं किया जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की भिन्न भिन्न क्षेत्रों में रेटिंग तय करने की दृष्टि से वित्तीय एवं विशिष्ट संस्थानों द्वारा सूचकांक तैयार किए जाते हैं। हाल ही के समय में इन विदेशी संस्थानों द्वारा जारी किए गए कई सूचकांकों में भारत की स्थिति को संभवत जान बूझकर गल्त दशार्या गया है। इन सूचकांकों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अफ्रीका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए अभी हाल ही में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए। सबसे पहिले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग को 104 बताया गया है और भारत के ऊपर निजेर देश को बताया गया है। इसी प्रकार, आनंद (हैपीनेस) सूचकांक में भी भारत का स्थान 126वां बताया गया है जबकि पाकिस्तान को 108वां स्थान मिला है, जहां अत्यधिक मुद्रा स्फीति के चलते वहां के नागरिक अत्यधिक त्रस्त हैं। एक अन्य, प्रेस की स्वतंत्रता नामक सूचकांक में भारत को 161वां स्थान मिला है जबकि इस सूचकांक में कुल मिलाकर 180 देशों को शामिल किया गया है और अफगानिस्तान को 152वां स्थान दिया गया है, अर्थात इस सर्वे के अनुसार, अफगानिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता भारत की तुलना में अच्छी पाई गई है। पश्चिमी देशों में स्थिति इन संस्थानों द्वारा इस प्रकार के सूचकांक तैयार किए जाकर पूरे विश्व को भ्रमित किए जाने का प्रयास हो रहा है।

इसी प्रकार, भारत में हाल ही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनावों पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे। जैसे, इस भीषण गर्मी के मौसम में चुनाव क्यों कराए गए हैं, जिससे सामान्यजन वोट डालने के लिए घरों से बाहर ही नहीं निकले, ईवीएम मशीन में कोई खराबी तो नहीं है, आदि। परंतु, भारतीय मतदाताओं ने इन लोक सभा चुनावों में भारी संख्या में भाग लेकर पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। न ही, ईवीएम मशीन में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई और न ही गर्मी का प्रभाव चुनावों पर पड़ा। हालांकि सत्ताधारी दल को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ कम स्थान जरूर प्राप्त हुए हैं परंतु देश में किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित नहीं हुई है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यतः शांति के साथ सम्पन्न हो गए। साथ ही, विपक्षी दलों को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ अधिक स्थान मिले हैं और उन्होंने भी चुनाव के परिणामों को स्वीकार कर लिया है। चुनाव की प्रक्रिया पर कोई सवाल खड़ा नहीं किया गया है। इस सबके बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में वर्ष 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था और वर्ष 2023 में भारत की रैंकिंग नीचे गिराकर 41वें स्थान पर बताई गई है। जबकि वास्तव में तो इस बीच देश में लोकतंत्र अधिक मजबूत ही हुआ है, परंतु पश्चिमी देशों द्वारा भारतीय लोकतंत्र को ही जैसे खतरे में बताया जा रहा है और एक तरह से भारतीय लोकतंत्र पर ही सवाल खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल पश्चिमी देशों में कुछ शक्तियां भारत के हितों के विरुद्ध कार्य कर रही हैं एवं ये ताकतें विभिन्न सूचकांक तैयार करने वाली संस्थाओं को प्रभावित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़तीं हैं।

कुछ समय पूर्व एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने वैश्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया था। इस सूचकांक में यह बताया गया था कि भारत की तुलना में श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान, एथीयोपिया, नेपाल, भूटान आदि देशों में भुखमरी की स्थिति बेहतर है। अर्थात, सर्वे में शामिल किए गए 121 देशों की सूची में श्रीलंका का स्थान 64वां, म्यांमार का 71वां, बांग्लादेश का 84वां, पाकिस्तान का 99वां, एथीयोपिया का 104वां एवं भारत का 107वां स्थान बताया गया था। जबकि पूरा विश्व जानता है कि व श्रीलंका, पाकिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों में खाद्य पदार्थों की भारी कमी है जिसके चलते इन देशों के नागरिकों के लिए दो जून की रोटी जुटाना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। जबकि, भारत कई देशों को आज खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है। फिर किस प्रकार उक्त सूचकांक बनाकर वैश्विक स्तर पर जारी किए जा रहे हैं। ऐसा आभास हो रहा है कि भारत की आर्थिक तरक्की को विश्व के कई देश अब सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत के बारे में इस प्रकार के सूचकांक जारी कर भारत की साख को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। युद्ध की विभीषिका झेल रहे एथीयोपिया में नागरिक अपनी भूख मिटाने के लिए घास जैसे भारी पदार्थों को खाकर अपना जीवन गुजारने को मजबूर हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच जीवन यापन करने वाले नागरिकों को भुखमरी के मामले में भारत के नागरिकों से बेहतर स्थिति में बताया गया है। वहीं दूसरी ओर भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड़ नागरिकों को केंद्र सरकार द्वारा प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि इन लोगों को खाने पीने सम्बंधी किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। फिर भी भारत के नागरिकों को भुखमरी सूचकांक में ईथीयोपिया के नागरिकों की तुलना में इतना नीचे बताया गया है। अब कौन इस प्रकार के सूचकांकों पर विश्वास करेगा। यह भी बताया जा रहा है कि इस सूचकांक को आंकने के लिए भारत के 140 करोड़ नागरिकों में से केवल 3000 नागरिकों को ही इस सर्वे में शामिल किया गया था। इस प्रकार सर्वे का सैम्पल बनाते समय भारत जैसे विशाल देश के लिए अपर्याप्त संख्या का उपयोग किया गया है।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था स्टैंडर्ड एंड पूअर ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था का आंकलन करते हुए भारत के सम्बंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक किया है एवं कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी विभिन्न पैमानों का, आधारभूत ढांचे को विकसित करने एवं भारत के राजकोषीय घाटे को कम करने से सम्बंधित आंकड़ों एवं प्रयासों का गम्भीरता से लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रहा है। आगे आने वाले दो वर्षों के दौरान यदि उक्त तीनों क्षेत्रों में लगातार सुधार दिखाई देता है तो भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया जा सकता है। वर्तमान में भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग इइइ- है, जो निवेश के लिए सबसे कम रेटिंग की श्रेणी में गिनी जाती है।

किसी भी देश की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को यदि अपग्रेड किया जाता है तो इससे उस देश में विदेशी निवेश बढ़ने लगते हैं क्योंकि निवेशकों का इन देशों में पूंजी निवेश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है। साथ ही, अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग प्राप्त देशों की कम्पनियों को अन्य देशों में पूंजी उगाहना न केवल आसान होता है बल्कि इस प्रकार लिए जाने वाले ऋण पर ब्याज की राशि भी कम देनी होती है। किसी भी देश की जितनी अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग होती है उस देश की कम्पनियों को कम से कम ब्याज दरों पर ऋण उगाहने में आसानी होती है। परंतु, भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के लिए स्टैंडर्ड एंड पूअर को दो वर्षों का समय क्यों चाहिए? जब इन समस्त क्षेत्रों में लगातार सुधार होते साफ दिख रहा है।

साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई विदेशी संस्थान (विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, आदि) आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित हैं एवं आर्थिक प्रगति के साथ साथ राजकोषीय घाटे को कम करने हेतु भारत सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना करते रहते हैं। फिर भी, स्टैंडर्ड एंड पूअर को भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के लिय दो वर्षों का अतिरिक्त समय चाहिए।

वैश्विक पटल पर पश्चिमी देशों के विभिन्न संस्थानों द्वारा भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव रखने के चलते, अब समय आ गया है कि भारत विभिन्न पैमानों पर अपनी रेटिंग तय करने के लिए अपने सूचकांक विकसित करने पर विचार करे क्योंकि वैश्विक स्तर पर पश्चिमी देशों द्वारा जितने भी सूचकांक तैयार किए जा रहे हैं उसमें भारत के संदर्भ में वस्तुस्थिति का सही वर्णन नहीं किया जा रहा है।

संपादकीय

धर्मांतरण के मामले में अपनी गिरहबान में झांकें

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों, नफरत फैलाने वाले भाषणों और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के घरों और प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर विदेश विभाग की वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिकन ने ये बातें कहीं। उन्होंने दुनिया भर में लोगों की धार्मिक आजादी की रक्षा के लिए काफी जद्दोजहद करने की भी बात उठाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 28 में से 10 राज्यों में धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून हैं, जिनमें से कुछ राज्य विवाह के उद्देश्य से जबरन धर्मांतरण के खिलाफ दंड भी लगाते हैं। इसमें दुनिया के तकरीबन दो सौ देशों की धार्मिक स्थिति का आकलन किया गया है। हालांकि भारत इसे पहले से ही खारिज करता रहा है और इसे प्रकाशित करने वाले आयोग को पक्षपाती बताता है। सिखों, ईसाइयों, यहूदियों, मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों के खिलाफ हिंसा से निपटने में मोदी सरकार की नाकामी की बात कर रही है यह रिपोर्ट। इसमें 2023 में गैर- सरकारी संगठनों ने ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 687 घटनाओं का जिक्र भी किया गया है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, मणिपुर हिंसा, ईसाइयों पर हमले, चर्च में तोड़-फोड़ और धर्मांतरण कानून के तहत हिरासत में रखे लोगों की चर्चा भी है। चीन, ईरान, रूस, सऊदी अरब, अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और बर्मा के साथ भारत का नाम रखे जाने पर सरकार द्वारा जताई गई आपत्ति उचित है। कहना गलत नहीं है कि मोदी सरकार अपनी हिन्दुत्ववादी विचारधारा के चलते बहुसंख्यकों को प्रभावित करने में सफल है। इसलिए हर साल अमेरिका को इस पर पुनः विचार करने की बात करने की बात कर रस्मादायगी कर लेती है, जबकि सरकार को अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी छवि सुधारने के प्रयास करने चाहिए। संविधान कहता है कि भारत धर्मनिरपेक्ष राज्य है और धार्मिक आजादी मौलिक अधिकार है। इसलिए सभी धर्मावलंबियों की सुरक्षा का दायित्व सरकार का है। वहीं अमेरिका में अेतों को लेकर जो पक्षपात होते हैं, उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। दूसरों पर उंगली उठाते हुए, खुद की तरफ मुड़ी उंगलियां भी देखनी होंगी।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै।

वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता।

क्रिकेट की विश्वगुरु टीम को सलाम

राकेश अचल

एक लम्बे अरसे से न क्रिकेट का खेल देखा और न इसके बारे में लिखा। वैसे भी क्रिकेट के बारे में मेरा ज्ञान लगभग शून्य ही है । एक जमाना था जब जनसत्ता के हमारे सम्पादक स्वर्गीय प्रभाष जोशी ने मुझसे क्रिकेट के ग्वालियर में हुए अनेक अंतर्राष्ट्रीय मैचों का कव्हरेज जबरन कराया था। शनिवार की रात अमेरिका में टी-20 क्रिकेट का फाइनल देख रहे मेरे बेटे ने मुझे एक बार फिर खेल देखने के लिए प्रेरित किया और युगों बाद मैंने न केवल पूरा मैच देखा बल्कि उन स्वर्णिम क्षणों का साक्षी भी बना जो हर हिंदुस्तानी के लिए गौरव के क्षण कहे जा सकते हैं।

दरअसल पिछले अनेक वर्षों से सम-सामयिक विषयों पर लिखते-लिखते मेरी खेलों से रूचि लगभग समाप्त हो गयी थी । खेलों में राजनीति ने भी इसमें अपनी भूमिका निभाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर थैली शाहों के बेटों को देखकर क्रिकेट के भाग्य पर तरस आता है। आप आश्चर्य करेंगे कि मै अभी तक अपने शहर में बनाये गए नए क्रिकेट स्टेडियम को देखने तक नहीं गया ,क्योंकि हमारे यहां भी क्रिकेट एक परिवार की दासी बनी हुई है। । लेकिन शनिवार की रात मुझे लगा कि हम भले ही राजनीति में विश्व गुरु न बने हों किन्तु क्रिकेट के खेल में तो आज विश्व गुरु हैं ,और इसका श्रेय किसी मोशा की जोड़ी को नहीं बल्कि उन क्रिकेटरों को जाता है जो सचमुच भारत के मान-सम्मान के लिए खेलते हैं।

फाइनल मैच की कमेंट्री पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू कपिलशर्मा शो के जज की ही तरह फुल फार्म में कर रहे थे।चूंकि भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया था इसलिए मुझे भी मैच ने बाँध लिया। एक लम्बे अरसे बाद मुझे चौके और छक्के देखने का रोमांच हुआ। मैच में हालांकि रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव इस मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके ,मगर उसके बार विराट कोहली और अक्षर पटेल के बीच 72 रन की साझेदारी ने टीम इंडिया की मैच में वापसी कराई । अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 रन और विराट कोहली ने 59 गेंद में 76 रन की पारी खेली. शिवम दुबे ने भी 16 गेंद में 27 रन की पारी खेलकर भारत को 176 रन तक पहुंचने में मदद क। नवजोत सिंह का अनुमान था कि भारत 180 रन का लक्ष्य पार कर लेगा लेकिन भारत ये लक्ष्य पाने से 4 कदम पीछे रह गया।

अमूमन रात को 10 बजे सो जाने वाले इस बन्दे ने पूरे साहस के साथ फाइनल मैच देखा। मेरे ख्याल से दक्षिण अफ्रीका के लिए शुरूआत अच्छी नहीं रही क्योंकि रीजा हेंड्रिक्स और कप्तान एडन मार्करम चार-चार रन बनाकर आउट हो गये । लेकिन क्विंटन डी कॉक और ट्रिस्टन स्टब्स ने 68 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका की मैच में वापसी करवाई बल्कि मैच के रोमांच को भी बनाये रखा । स्टब्स ने 21 गेंद में 31 रन और डी कॉक ने 31 गेंद में 39 रन की पारी खेली । हेनरिक क्लासेन तब बैटिंग के लिए क्रीज पर उतरे जब दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 3 विकेट पर 70 रन बना लिए थे । क्लासेन ने यहां से ताबड़तोड़ बैटिंग शुरू की और उन्होंने मात्र 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 2 चौके और 5 छक्के लगाकर अपना अर्धशतक पूरा कर दिखाया। क्लासेन ने 27 गेंद में 52 रन बनाए। 15वें ओवर में क्लासेन ने अक्षर पटेल के 24 रन बटोरे जहां से मैच पूरी तरह पलटा हुआ नजर आने लगा था। भारत ने गेंदबाजी के दम पर वापसी की वो भी आखिरी 4 ओवरों में

जैसा कि आप सभी ने देखा होगा कि 16 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट के नुकसान पर 151 रन बना लिए थे। अफ्रीका को आखिरी 4 ओवर में जीत के लिए 26 रन बनाने थे। 17वें ओवर की पहली ही गेंद पर हार्दिक पांड्या ने क्लासेन को आउट कर दिया । अगले 2 ओवरों में सिर्फ 6 रन आए। 19वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने केवल 4 रन दिए, जिससे मैच का रुख भारत की ओर हो गया। आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या ने केवल 8 रन देकर भारत की 7 रन से जीत सुनिश्चित की।

पूरे सत्रह साल बाद मिली इस विजय से मुझे एक बार लगा कि जैसे ये एक सपना है ,लेकिन बारबाडोस से लेकर दिल्ली और ग्वालियर में जब आधी रात को जश्न शुरू हुआ तो यकीन करना ही पड़ा कि हम क्रिकेट के विश्व गुरु फिर बन गए हैं। इतना जश्न देश में एनडीए गठबंधन की सरकार के तीसरी बार सत्ता में वापस लौटने के बाद भी शायद नहीं मनाया गया था। दरअसल खेलों में खिलाडी पुरुषार्थ दिखाते हैं। खेलों में अदावत नहीं होती ,प्रतिस्पर्द्धा होती है। खेलों में कोई फैसला संसद की तरह ध्वनिमत से नहीं होता। मै भारतीय क्रिकेट टीम की इस महान उपलब्धि से गदगद हूँ। मै हमेशा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ की वो हमारे देश की सियासत को अदावत से बचाकर उसमें प्रतिस्पर्द्धा और खेल की भावना भर दे। सियासत में भी नेता अपनी पारी समाप्ति की घोषणा खुद करें । कब्र में पैर लटकने तक कुर्सी से चिपके न रहें । खेलों से सीखें कि नयी पीढ़ी के लिए पुरानी पीढ़ी कैसे रास्ता छोड़ती है ? भारतीय राजनीति को क्रिकेट के विराट कोहली चाहिए रोम के नीरो नहीं पूरी भारतीय टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई ,क्योंकि वर्षों बाद हम भारतीयों का सीना एक बार फिर 56 इंच का हुआ है।

वैश्विकी : मोदी-पुतिन सिखर वार्ता

डॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में घरेलू और विदेश मोर्चे पर चुनौतियों का सामना है। आशानुरूप जनादेश नहीं मिलने के कारण उन्हें घरेलू राजनीति में अपना जनाधार बनाए रखने और यथासंभव उसका विस्तार करने की चुनौती पेश है। कारगर विदेश नीति के लिए जरूरी है कि किसी नेता को अपने देश में जनता का भरपूर समर्थन मिले। भारत में आम तौर पर विदेश नीति को लेकर मतैक्य रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में राजनीतिक दलों में वैमनस्यता और अविश्वास बढ़स्न है। इसका असर विदेश नीति पर भी दिखाई दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने भारत के भरोसेमंद दोस्त रूस और उसके नेता ब्लादिमीर पुतिन के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी की थी। रूस के विदेश मंत्रालय की ओर से भी यह आरोप लगाया गया था कि अमेरिका भारतीय चुनाव प्रक्रिया में दखलअंदाजी कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विदेश नीति की निरंतरता को कायम रखने के लिए बहुत चतुराई का प्रदर्शन किया। चुनाव परिणाम आने से पहले ही ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह समझौता किया गया। यदि चुनाव के बाद विपक्षी सरकार बनती तो यह समझौता होता या नहीं, यह अनुमान का विषय है। सरकार बनने के बाद अपनी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा के रूप में रूस का चुनाव करना भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। मोदी अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही रूस के साथ अपने संबंधों को पुख्ता बनाना चाहते हैं। अमेरिका सहित पश्चिमी देश भारत और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति बेरुखी का रवैया अपनाने लगे हैं। आगे चलकर यह प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष विरोध में बदल सकता है। ऐसे में मोदी की जवाबी रणनीति यह प्रतीत होती है कि रूस के साथ संबंधों को और मजबूत बनाया जाए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में ऐसी ही रणनीति अपनाई थी। भारत ने तत्कालीन सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की थी जिसके कारण बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय भारत अमेरिका की चुनौती का सामना कर सका।

प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा 8 और 9 जुलाई को संभावित है। इसी समय वाशिंगटन में नाटो सैन्य संगठन की शिखर वार्ता भी होने वाली है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच एक महत्त्वपूर्ण सैन्य सहयोग समझौता हो सकता है। इसके अंतर्गत रूस के युद्धपोत भारतीय बंदरगाहों में ठहराव और मरम्मत आदि की सुविधा हासिल कर सकते हैं। भारत ने कुछवर्ष ऐसा ही समझौता अमेरिका और कुछ अन्य देशों के साथ भी किया था। लेकिन मौजूदा रणनीतिक परिदृश्य में रूस की नौसेना को यह सुविधा दिया जाना अमेरिका के लिए खतरे की घंटी है। रूस ने हाल में उत्तर कोरिया के साथ सैन्य गठबंधन किय है, जो जापान, दक्षिण कोरिया और फिलीपींस के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसी तरह रूसी सैनिकों ने हिन्द महासागर और अरब सागर में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। रूस और ईरान इस समुद्री क्षेत्र में अमेरिका के दबदबे को चुनौती दे रहे हैं। कुल मिलाकर पूरे हिन्द प्रशांत क्षेत्र में रूस की मौजूदगी पिछले शीत-युद्ध वाले दौर की याद दिलाती है। इन हालात में रूस और भारत के बीच बढ़स्ता सैन्य सहयोग पर अमेरिका क्या रवैया अपनाता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान ही दोनों देश एस-400 मिसाइल प्रणाली के साझा उत्पादन के संबंध में भी समझौता कर सकते हैं। मेक इन इंड़िया मिशन की यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। कुछमहीनों बाद रूस में ही ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। लगातार व्यापक बन रहे ब्रिक्स संगठन के जरिए ग्लोबल साउथ आर्थिक मोर्चे पर घरेलू करंसी को मजबूत बनाने और अमेरिकी मुद्रा ड़ॉलर का वर्चस्व समाप्त करने का फैसला भी कर सकते हैं।

इन उपायों से जीवन में होने वाली कई परेशानी होंगी दूर

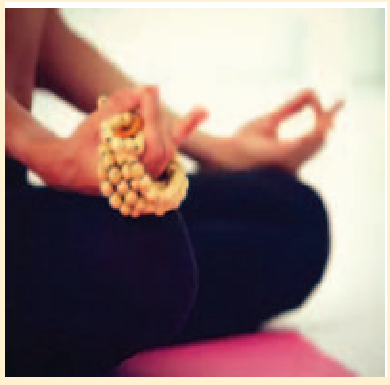

गुरु दोष के शान्ति के लिए गुरुवार को कुछ उपाय करें जिससे आपको अपने काम में सफलता जरुर मिलेगी, क्योंकि गुरुवार का दिन देवताओं के गुरु ब्रहस्पति देव का होता है। गुरु आपके वैवाहिक और भाग्य का कारक ग्रह है। वैसे भी जिंदगी में गई ऐसे परेशानी है जो आप इन उपायों से आप दूर कर सकते हैं।

अगर निरन्तर कर्ज में फंसते जा रहे हों, तो श्मशान के कुएं का जल लाकर किसी पीपल के वृक्ष पर चढ़ाना चाहिए। यह 6 शनिवार किया जाए, तो आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त होते हैं। अगर किसी पर कर्ज ज्यादा हो गया हो तो करें ये उपाय मंगलवार को शिव मन्दिर में जा कर शिवलिंग पर मसूर की दाल ऊं ऋण मुक्तेश्वर महादेवाय नमः मंत्र बोलते हुए चढ़ाएं ।यह प्रयोग हर मंगलवार को करें।

प्रत्येक प्रकार के संकट निवारण के लिये भगवान गणेश की मूर्ति पर कम से कम 21 दिन तक थोड़ी-थोड़ी जावित्री चढ़ावे और रात को सोते समय थोड़ी जावित्री खाकर सोवे।यह प्रयोग 21, 42, 64 या 84 दिनों तक करें।

किसी शुभ कार्य के जाने से पहलेदृरविवार को पान का पत्ता साथ रखकर जायें। सोमवार को दर्पण में अपना चेहरा देखकर जायें। मंगलवार को मिष्ठान खाकर जायें। बुधवार को हरे धनिये के पत्ते खाकर जायें। गुरूवार को पीली सरसों के कुछ दाने जेब में डालकर जायें। शुक्रवार को दही खाकर जायें। शनिवार को अदरक और घी खाकर जाना चाहिये।

घर में समृद्धि लाने हेतु घर के उत्तरपश्चिम के कोण (वायव्य कोण) में सुन्दर से मिट्टी के बर्तन में कुछ सिक्के, लाल कपड़े में बांध कर रखें। फिर बर्तन को गेहू या चावल से भर दें।ऐसा करने से घर में धन का अभाव नहीं रहेगा।

एक मिट्टी की हंडिया में सवा किलो हरी साबुत मूंग, दूसरी में सवा किलो डलिया वाला नमक भर दें। यह दोनों हंडिया घर में कहीं रख दें।यह क्रिया बुधवार को करें।घर में धन आना शुरू हो जाएगा।

अकस्मात् धन लाभ के लिये शुक्ल पक्ष के प्रथम बुधवार को सफेद कपड़े के झंडे को पीपल के वृक्ष पर लगाना चाहिए। यदि व्यवसाय में आकिस्मक व्यवधान एवं पतन की सम्भावना प्रबल हो रही हो, तो यह प्रयोग बहुत लाभदायक है।

यदि आपके कोई कम नहीं बन रहे हैं तो आप करे यह उपाय दृ किसी भी शुक्लपक्ष के सोमवार से आरम्भ करें।

एक लकड़ी के पते पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 5, 7, 11 या 101 जो भी सम्भव हो बिल्व पत्र रखकर उनके अग्र भाग पर सफेद चन्दन से बिंदी लगाकर अपनी मनोकामना बोलते हुए शिव जी पर चढ़ाते जाएं.

यदि आप बेरोजगार हैं तो करें यह उपाय शनिवार के दिन नास्ते मैं बनने वाली आखरी रोटी में दोनों तरफ बीच वाली अंगुली से बीचों बीच सरसों तेल लगाकर अपने सर से सात बार सीधे उतार कर कुत्ते को खिलाएं यह प्रयोग सात शनिवार तक करें अवस्य ही आपको रोजगार प्राप्त हो जायेगा।

सुखद यात्रा के लिए दृ जब भी आप किसी भी कार्य से घर से निकलें तो सदा ही दायां पैर बहार रखें और रामायण कि यह चैपाई अवस्य बोलें चैपाई प्रविश नगर कीजै सब कजा, ह्रदय राख कौशलपुर राजा।

धन की बरकत के लिए चांदी की बैठी हुई लक्ष्मी जी की मूर्ती का कच्चे दूध में शक्कर घोलकर माता लक्ष्मी जी का अभिषेक करें अभिषेक करते समय ऊं ह्रीं श्रीं क्लीम महालक्ष्मी मम ग्रहे आगच्छ आगच्छ ह्रीं नमः मन्त्र का जाप करते जायें पुनः शुद्ध जल से स्नान कराके यथा शक्ति पूजा करना चाहिए यह प्रयोग शुक्रवार से आरम्भ कर नियमित करें इस प्रयोग से धन रुकना चालू हो जायेगा।

क्यों रखा जाता है योगिनी एकादशी का व्रत

योगिनी एकादशी व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में रखा जाता है। इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और समृद्धि आती है। योगिनी एकदशी निर्जला एकदशी के बाद और देवशयनी एकदशी से पहले की जाती है।

पूरे साल में 24 एकादशी और अधिकमास होने पर 26 एकादशी व्रत रखे जाते हैं। एकादशी व्रत और आषाढ़ का महीना दोनों भगवान विष्णु को अतिप्रिय है। इसीलिए आषाढ़ माह की एकादशी का विशेष महत्व हो जाता है। योगिनी एकादशी व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में रखा जाता है। इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और समृद्धि आती है। योगिनी एकदशी निर्जला एकदशी के बाद और देवशयनी एकदशी से पहले की जाती है। तो आइए जानते हैं कि इस साल योगिनी एकादशी का व्रत किस दिन रखा जाएगा और पूजा और पारण का शुभ समय कब होगा।

व्रत तिथि, शुभ समय और पारण समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 1 जुलाई को प्रातः 10.26 बजे से आरंभ हो रही है और एकादशी तिथि 2 जुलाई को सुबह 8 बजकर 34 मिनट पर समाप्त हो रही है। उदयातिथि के अनुसार योगिनी एकादशी व्रत 2 जुलाई 2024 को रखा जाएगा। वहीं, योगिनी एकादशी व्रत का पारण 3 जुलाई को सुबह 5.28 बजे से सुबह 7.10 बजे तक किया जाएगा। द्वादशी तिथि 3 जुलाई को सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर समाप्त होगी।

2 शुभ योग में रखा जाएगा योगिनी एकादशी व्रत

योगिनी एकादशी का व्रत 2 शुभ योग में पड़ रहा है। योगिनी एकादशी के दिन त्रिपुष्कर योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग 2 जुलाई को प्रातः 5.27 बजे से अगले दिन 3 जुलाई को सुबह 4.40 बजे तक रहेगा। वहीं त्रिपुष्कर योग 2 जुलाई को सुबह 8.42 से 3 जुलाई को 4.40 तक मान्य है।

ज्योतिष मान्यता के अनुसार सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया कोई भी कार्य सफल होता है। इसके साथ ही त्रिपुष्कर योग में पूजा-पाठ, दान, यज्ञ या कोई और शुभ कार्य करने से उसका तीन गुना फल मिलता है। त्रिपुष्कर योग में योगिनी एकादशी व्रत की पूजा करना बेहद फलदायी रहेगा।

योगिनी एकादशी की पूजा विधि

- योगिनी एकादशी के दिन सुबह उठकर स्नान पश्चात स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- श्री हरि विष्णु को पीला रंग प्रिय होता है, इसीलिए इस दिन पीला रंग धारण करें।
- भगवान विष्णु की पूजा करने के लिए चौकी सजाएं और विष्णु भगवान की प्रतिमा रखें।
- इसके अतिरिक्त, भगवान विष्णु पर पीले फूलों की माला अर्पित की जाती है।
- भगवान विष्णु को तिलक लगाएं।
- पूजा सामग्री में तुलसी दल, फल, मिठाइयां और फूल आदि सम्मिलित किए जाते हैं।
- इस दिन योगिनी एकादशी की कथा सुनें और अगले दिन व्रत का पारण करें।

आषाढ़ माह में इन वस्तुओं का करना चाहिए दान, प्राप्त होगी भगवान विष्णु की कृपा

आषाढ़ माह भगवान विष्णु को समर्पित है। यही वह माह है, जब भगवान विष्णु चार माह के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं। इस दौरान कोई मांगलिक कार्य नहीं होते, लेकिन दान-पुण्य करना शुभ माना गया है।

हिंदू धर्म में प्रत्येक माह का विशेष महत्व है। इसी कड़ी में आषाढ़ माह भी धार्मिक दृष्टिकोण से शुभ फलदायी माना गया है। यह माह भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि आषाढ़ माह में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, साथ ही आर्थिक समस्याओं से छुटकारा भी मिलता है। इसके साथ ही इस माह में दान का भी विशेष महत्व है, जिससे परिवार में सुख-समृद्धि आती है। आपको यहां बताते हैं, आषाढ़ माह में किन वस्तुओं का दान करना चाहिए।

आषाढ़ माह में वस्त्र का दान करना शुभ माना गया है। मान्यता है कि वस्त्रों के दान से पुण्य फल में वृद्धि होती है और दरिद्रता का नाश होता है। हालांकि वस्त्र दान करते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि ये कहीं से कटे-फटे न हों। आषाढ़ मास में अन्न का दान करने से यश की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि अन्न दान से व्यक्ति के घर में अन्न का भंडार भरा रहता है और पैसों की भी कमी नहीं होती। साथ ही भगवान विष्णु का आशीर्वाद भी मिलता है।

काले तिल

आषाढ़ माह में काले तिल के दान से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सभी मनोकामना भी पूर्ण होती है।

समस्त पापों का नाश करती है योगिनी एकादशी

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी कहा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-आराधना की जाती है. माना जाता है कि इस एकादशी का व्रत करने से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं. इस बार योगिनी एकादशी का व्रत 2 जुलाई, मंगलवार के दिन रखा जाएगा. इस व्रत को करने से किसी के दिये हुए श्राप का निवारण भी हो जाता है. योगिनी एकादशी का व्रत करने से सुंदर रुप, गुण और यश का वरदान मिलता है. जानते हैं कि यह एकादशी क्यों मनाई जाती है.

योगिनी एकादशी का पौराणिक महत्व

योगिनी एकादशी का व्रत तीनों लोकों में प्रसिद्ध है. माना जाता है कि इस व्रत को करने से जीवन में समृद्धि और आनन्द की प्राप्ति होती है. इस एकादशी का व्रत करने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य मिलता है. इस एकादशी का व्रत करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है. योगिनी एकादशी को सभी एकादशियों में सबसे महत्वपूर्ण एकादशियों में से एक माना जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है. इस व्रत को रखने से पापों का नाश होता है और ग्रहों के दोष दूर होते हैं. इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि आती है और संतान प्राप्ति के योग बनते हैं.

योगिनी एकादशी के दिन सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए. इसके बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें. घर में भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें और पूरे विधि-विधानपूर्वक से उनकी पूजा करें. भगवान विष्णु को फूल,फल और मीठा भोग अर्पित करें. इस दिन निर्जला व्रत रखकर भगवान विष्णु का ध्यान करना चाहिए. दूसरे दिन सुबह ब्राह्मणों को भोजन करवाकर और दक्षिणा देकर व्रत तोड़ना चाहिए.

...तो शनि कभी नहीं करेंगे आपको परेशान

शनिदेव न्याय के देवता हैं। अगर आपमें यह आदतें हैं तो मान कर चलिए कि शनिदेव आपको कभी परेशान नहीं करेंगे उल्टे आप पर उनकी कृपा दृष्टि सदैव रहने वाली है। हर संकट में वे आपके साथी बनकर राह दिखाएंगे।

नाखून काटते रहें

जो लोग रोज अपने नाखून काटते हैं और उन्हें साफ भी रखते हैं, शनि ऐसा करने वालों का हमेशा खयाल रखते हैं। इसलिए अचानक अगर आप अपने नाखून काटने में आलस करने लगें या आपके नाखून गंदे रहने लगे तो समझें कि आपको शनि दशा सुधारने के लिए उपाय करने चाहिए। नाखून काटने की आदत को कभी ना बदलें।

दान करते रहें

अगर आपका दिल गरीबों, जरूरतमंदों को देखकर पसीज जाता है और हर तीज-त्योहार पर गरीब जरूरतमंद की आप मदद करते हैं तो समझें शनिदेव की आप पर विशेष कृपा है। अगर आप गरीबों को काले चने, काले तिल, उड़द दाल और कपड़े सच्चे मन से दान करते हैं, तो आश्वस्त रहिए कि शनिदेव आपका हमेशा कल्याण ही करेंगे।

छाते की भेंट देगी शनिदेव की छत्र-छाया

धूप व बारिश से बचने के लिए छाते दान करने वालों पर शनिदेव की छत्र-छाया हमेशा बनी रहती है। अगर अब तक यह आदत नहीं थी तो इसे तुरंत अपनी अच्छी आदतों में शामिल कर लीजिए। आखिर शनिदेव की छत्र-छाया किसे नहीं चाहिए?

कुत्तों की सेवा

कुत्तों की सेवा करने वालों से भगवान शनि हमेशा प्रसन्न होते हैं। कुत्तों को खाना देने वालों और उनको कभी ना सताने वालों के शनिदेव सभी कष्ट दूर करते हैं। इसलिए अगर आप भी कुत्तों को प्यार करते हैं तो जीवन में शनि कोप से सदा बचे रहेंगे।

नेत्रहीन को राह दिखाएं

किसी भी नेत्रहीन व्यक्ति को राह दिखाना, उनकी मदद करना शनि को खुश करने में सहायक सिद्ध होता है। जो लोग भी नेत्रहीन लोगों की अनदेखी नहीं करते, उनकी निःस्वार्थ मदद करते हैं, शनिदेव उनसे हमेशा प्रसन्न रहते हैं और उनकी सफलता-उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

शनिवार का उपवास

शनिवार का उपवास रखकर अपने हिस्से का भोजन गरीबों को देने की आदत है तो समझें शनि की कृपा से अन्न के भंडार आपके लिए हमेशा खुले रहेंगे। ऐसे व्यक्ति अगर जीवन भर इस नियम का पालन करते हैं तो उन्हें कभी धन-संपदा की कमी नहीं होती।

मछलियों को आहार

जो मछली खाते नहीं है बल्कि मछलियों को खाना खिलाते हैं उनसे शनि हमेशा प्रसन्न रहते हैं। इसलिए अगर आपको भी मछलियों को दाना खिलाने की आदत है तो खुशकिस्मत हैं आप, अपनी इस आदत को छूटने ना दें।

हर दिन स्नान, साफ स्वच्छ रहने की आदत

प्रतिदिन स्नान कर खुद को साफ रखने वालों पर शनि की कृपा होती है। पवित्र रहने वालों की शनि हमेशा मदद करते हैं।

सफाई-कर्मियों की मदद

जो सफाई-कर्मियों का सम्मान करते हैं और उनकी आर्थिक मदद भी करते हैं, शनिदेव उनका साथ कभी नहीं छोड़ते। यह आदत कभी न बदलें, भाग्यशाली बनने की राह यही आदत खोलेगी। शनिदेव इस आदत से अत्यंत प्रसन्न रहते हैं।

साथी हाथ बढ़ाना

जो लोग जरूरतमंद, परेशान और मेहनतकश लोगों की यथासंभव मदद करते हैं, वे शनिदेव को बेहद पसंद होते हैं। शविदेव उनके सारे कष्ट हर लेते हैं। इसलिए मदद करने की अपनी आदत को सदा बने रहने दें।

पौधारोपण और पीपल बरगद का पूजन

पौधारोपण व पेड़ों का पूजन शनि भगवान को खुश करने के लिए बहुत जरूरी है। जो लोग पीपल और बरगद की पूजा करते हैं उनपर शनि अपनी कृपा अक्षुण्ण बनाए रखते हैं।

ईमानदारी से आजीविका

ऐसे लोग जो बिना किसी को नुकसान पहुंचाए, सही और धर्म की राह पर चलकर धन अर्जित करते हैं उन्हें शनि अपार लक्ष्मी का वर देते हैं। जो लोग ब्याजखोरी करते हैं, उनसे शनि रुष्ट हो जाते हैं। ब्याजखोरी से बचने वालों की शनि हमेशा सहायता करते हैं।

सम्मान करने की आदत

वृद्ध माता-पिता तथा स्त्रियों को मां समान मानकर उनका सम्मान करने वालों की शनिदेव हमेशा सहायता करते हैं।

दिव्यांगों की मदद

दिव्यांगों की सहायता करना शनिदेव को प्रसन्न करता है। ऐसे लोगों का शनि सदैव कल्याण करते हैं। शनि स्वयं एक पैर से शनैः शनैः चलते हैं अतः यथासंभव दिव्यांगों की मदद की आदत डालें।

शराब से दूरी

शराब का सेवन शनिदेव को नाराज करता है। जो लोग मदिरापान से दूर रहते हैं शनिदेव की कृपा उनपर बनी रहती है।

शाकाहार की आदत

जो लोग शाकाहार का सेवन करते हैं और मांस, मछली, मीट से दूर रहते हैं उनसे शनिदेव प्रसन्न होकर उनके परिवार समेत उनका भला करते हैं।

कुष्ठ रोगियों की मदद

कुष्ठ रोगियों की सेवा करना पुण्य का काम माना गया है। शनि भी ऐसे लोगों से प्रसन्न होते हैं जो कुष्ठ रोगियों की सेवा करते हैं। ऐसे लोगों को सारे कष्टों, परेशानियों से शनिदेव बचाते हैं।

बाबा बर्फानी के दर्शन करने 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

जम्मू। अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रविवार को रवाना हुआ। इससे पहले शनिवार को 13 हजार से ज्यादा यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। जम्मू के अधिकारियों ने बताया कि 6,619 यात्रियों का तीसरा जत्था रविवार सुबह 151 वाहनों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा कि इनमें से 2,781 यात्री 3-50 बजे 151 वाहनों में सवार होकर बालटाल आधार शिविर के लिए और 3,838 यात्री 168 वाहनों में सवार होकर सुबह 4-42 बजे नुनवान आधार शिविर के लिए रवाना हुए। दोनों काफिलों को सुरक्षा घेरे में रवाना किया गया। इस साल 52 दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और 19 अगस्त को समाप्त होगी। यात्री 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम-गुफा तीर्थ मार्ग से या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-गुफा तीर्थ मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने पर दर्शन करने के बाद उसी दिन वापस आधार शिविर लौट सकते हैं। इस साल करीब 300 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर, दोनों यात्रा मार्गों पर, दोनों आधार शिविरों पर और गुफा मंदिर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि यात्रा सुचारू और निर्बाध हो सके। दोनों मार्गों पर और पारगमन शिविरों और गुफा मंदिर में 124 से ज्यादा लंगर लगाए गए हैं। यात्रा के दौरान 7,000 से अधिक सेवादार यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने 3 जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध हैं।

दिल्ली में भारी बारिश ने ली 6 की जान, कई इलाकों में जलभराव

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार हो रही बारिश से पानी में डूबने से चार बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई। राजधानी पूरी तरह से ठप है। शनिवार को भी शहर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने से दिल्ली के ओखला में 60 वर्षीय व्यक्ति बाढ़ वाले अंडरपास में डूब गया। बुजुर्ग की पहचान जैतपुर निवासी दिग्विजय कुमार चौधरी के रूप में हुई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उस व्यक्ति को बाहर निकाला, जो बेहोशी की हालत में था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह घटना तब हुई जब बुजुर्ग दिग्विजय अपनी स्कूटी को बाढ़ वाले अंडरपास में ले गए। एक अन्य घटना में शनिवार दोपहर बाहरी उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में एक अंडरपास में पानी से भरे हिस्से में दो लड़के डूब गए। यह घटना मेट्रो के पास सिरसपुर अंडरपास के पास हुई। पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की सहायता से तलाशी अभियान शुरु किया। बाद में दोनों लड़कों के शव बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि यह लड़कों के नहाते समय संदिग्ध रूप से डूबने का मामला लगता है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को भी 8 और 10 साल की उम्र के दो लड़के पूर्वोत्तर दिल्ली में बारिश के पानी से भरी खाई में डूब गए थे। यह घटना न्यू उस्मानपुर इलाके में पुस्ता नंबर-5 के पास पांच फुट गहरी खाई में हुई, जो बारिश के कारण पानी से भर गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लड़कों को बचाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं उत्तर पश्चिमी दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में पानी से भरे अंडरपास में करीब 20 साल का युवक डूब गया। मृतक आजादपुर मंडी में मजदूरी करता था, लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। बता दे दिल्ली में जून में 88 सालों में सबसे ज्यादा एक दिन की बारिश हुई, जिस कारण शहरवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कई सड़कों पर जाम लग लगा था।

सूखी नदी में बढ़ा पानी : हर की पौड़ी के पास गंगा में बही पर्यटकों की कारें

हरिद्वार। यहां सूखी नदी में अचानक बाढ़ आ जाने से कई कारें बह गई। ये वो नदी हैं जिसमें कभी पानी नहीं आता। यही वजह है कि हरिद्वार आने वाले पर्यटक इसी नदी के किनारे अपने वाहन पार्क करते हैं। लेकिन बीते रोज अचानक सूखी नदी में बाढ़ आ गई और किनारे पर खड़ीं लगभग एक दर्जन कारें पानी में बह गईं। वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि कई कारें उफनती नदी में बह गईं, जबकि पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया, जिससे उनमें पानी भर गया। उत्तर भारत में मानसून की शुरुआत से उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिसका सबसे अधिक असर हरिद्वार पर पड़ा, क्योंकि शनिवार को सुखी नदी में उफान के कारण इसके कई इलाकों में बाढ़ आ गई।

यह नदी हरिद्वार में कुछ दूरी के बाद गंगा की मुख्य धारा में मिल जाती है। हर की पौड़ी के पास गंगा पर बने पुलों पर तैरती कारों की तस्वीरें अपने मोबाइल कैमरों में कैद करने के लिए भीड़ जमा हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तराखंड सहित पूरे उत्तर पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है। मौसम कार्यालय ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का संकेत दिया है। प्रत्याशित परिणामों में स्थानीयकृत सड़क बाढ़, निचले इलाकों में जलजमाव और विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास को बंद करना शामिल है। भारी बारिश के कारण दृश्यता कम होने और प्रमुख शहरों में सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात बाधित होने से यात्रा में लंबा समय लग सकता है।

भारत में 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है पांच में से एक लड़की की शादी : रिपोर्ट

– पिछली तिमाही सदी में लगभग 68 करोड़ बाल विवाहों को रोका गया

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट कहती है कि भारत में 20 करोड़ से ज़्यादा लड़कियों की शादी बचपन में ही हो गई थी। वैश्विक अनुमान के अनुसार 6.4 करोड़ लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो गई थी, इनमें से एक तिहाई मामले अकेले भारत में हुए हैं। सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पांच में से एक लड़की की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है, जबकि 25 वर्ष पहले यह संख्या चार में से एक थी। इस सुधार ने पिछली तिमाही सदी में लगभग 68 करोड़ बाल विवाहों को रोका है। इन प्रगतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि दुनिया लैंगिक समानता के मामले में पीछे रह गई है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और कई महिलाओं के लिए उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के मामले में स्वायत्तता की कमी जैसे मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। मौजूदा गति से पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रबंधन पदों में समानता हासिल करने में 176 साल लगेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक जीवन स्थितियों में सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 169 लक्ष्यों में से केवल 17 फीसदी ही 2030 की समयसीमा तक पूरे होने की राह पर हैं। 2015 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाए गए इन लक्ष्यों का उद्देश्य गरीबी को समाप्त करने से लेकर लैंगिक समानता प्राप्त करने तक कई तरह के मुद्दों को हल करना है। हालांकि, इनमें से लगभग आधे लक्ष्य न्यूनतम या मध्यम प्रगति दिखाते हैं, और एक तिहाई से अधिक रुके हुए हैं या पीछे जा रहे हैं।

गूगल ट्रांसलेट में जुड़ी 110 नई भाषाएं.....ज्यादात्तर अफीकी

नई दिल्ली। गूगल ने अपने ट्रांसलेशन सर्विस में बड़े अपडेट का ऐलान किया है। गूगल ट्रांसलेट में अब 110 नई भाषाओं के लिए सपोर्ट जोड़ा गया है। बता दें कि यह गूगल ट्रांसलेशन इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा एक्सपैंशन है, जिससे कुल भाषाओं की संख्या 243 तक पहुंच जाती है। गूगल का दावा है कि ये अपडेट दुनिया भर में 614 मिलियन लोगों को फायदा पहुंचाएगा। गूगल ट्रांसलेट की नई भाषाओं में अवधी, बोडो, खासी, कोकबोरोक, मारवाड़ी, संताली, तुलु भी शामिल है. इसके अलावा नई भाषाओं में अफार जिबूती, इरीट्रिया और इथियोपिया में बोली जाने वाली एक स्वर भाषा है। बता दें कि लगभग एक-चौथाई नई भाषाएं अफ्रीका से आती हैं, जो आज तक अफ्रीकी भाषाओं में गूगल का सबसे बड़ा विस्तार है, जिसमें फॉन, किकोंगो, लुओ, गा, स्वाति, वेंडा और वोलोफ शामिल हैं। गूगल ट्रांसलेशन के सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर आइजैक कैसवेल ने लिखा, हम हमेशा नई तकनीक को लागू कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस टूल का इस्तेमाल कर सकें। बता दें कि साल 2022 में गूगल ने 24 नई भाषाओं को गूगल ट्रांसलेट में जोड़ा था।

आज संसद में कई मुद्दों को लेकर विपक्ष कर सकता है हंगामा

–नीट पेपर लीक, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर हो सकती है बहस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। संसद की कार्यवाही के सोमवार को फिर शुरु होने पर नीट पेपर लीक, अग्निपथ योजना और महंगाई जैसे मुद्दों पर जोरदार हंगामा होने की संभावना है। विपक्ष पेपर लीक मामले के अलावा बेरोजगारी का मुद्दा भी उठा सकता है। लोकसभा में, बीजेपी के सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करेंगे। बीजेपी की दिवंगत नेता सुषमा स्वराज की बेटी और पहली बार लोकसभा सदस्य बनी बांसुरी स्वराज इस प्रस्ताव का अनुमोदन करेंगी।

लोकसभा ने धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 16 घंटे का समय तय किया है, जिसका समापन मंगलवार को पीएम नरेन्द्र मोदी के जवाब से होगा। राज्यसभा में चर्चा के लिए 21 घंटे का समय तय किया है और पीएम मोदी के बुधवार को जवाब देने की संभावना है। नीट मुद्दे पर संसद में इस सप्ताह काफी हंगामा हुआ था। एनटीए ने पांच मई को नीट-यूजी का आयोजन किया था, जिसमें 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। नतीजे 4 जून को घोषित किए गए, लेकिन इसके बाद बिहार समेत कई राज्यों में पेपर लीक होने के अलावा परीक्षा से जुड़ी अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे।

राज्यसभा में बीजेपी सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने पीएम मोदी को ''अतुलनीय'' बताया था और कहा था कि देश के सामने आने वाले मुद्दों से निपटने के उनके दृष्टिकोण और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण में बहुत अंतर है। बीजेपी सदस्य कविता पाटीदार ने प्रस्ताव का समर्थन किया था और चर्चा में अब तक नौ अन्य सदस्य भाग ले चुके हैं।

विपक्षी सदस्यों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित अनियमितता पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया था, जिस पर सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। नीट मुद्दे पर हंगामे के बीच छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम हाई ब्लडप्रेशर के चलते अचानक बेहोश हो गईं, जिसके बाद उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन की कार्यवाही स्थगित न करने और राज्यसभा सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता न करने के लिए सरकार की आलोचना की थी।

अयोध्या में हुए सभी निर्माण कार्यों की समीक्षा होगी

लखनऊ। अयोध्या नगरी में पहले ही बारिश में जिस तरह की तबाही देखने को मिल रही है। उसने सरकार की चिंता बढ़ा दिया है। सरकार अब सभी प्रोजेक्ट की समीक्षा करने जा रही है। अयोध्या में 22000 करोड रुपए खर्च करके 103 प्रोजेक्ट शुरू किए गए थे। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार सभी काम 15 महीने में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा जल्द कराने दबाव मे 4 महीने पहले ही सभी कार्यों को जल्दबाजी में पूर्ण कराया गया है। जिसके कारण कोई ना कोई कमी सभी प्रोजेक्ट में रह गई है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार इसकी समीक्षा किया जाना जरूरी है। राम पथ और अयोध्या में जिस तरह की तबाही पहले ही बरसात में देखने को मिली है। उसके बाद अयोध्या के नवनिर्वाचित सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने राम पथ और अयोध्या में जो निर्माण कार्य हुए हैं। उन सब का निरीक्षण किया है। उन्होंने निर्माण कार्यों की जांच कराए जाने की मांग की है। अयोध्या में सीवर लाइन डालने, रोड बनाते समय मिट्टी को कंप्रेस करने और निर्माण कार्य की सामग्री एवं डिजाइन इत्यादि की क्वालिटी में कई तरह की कमियां पाई गई है। जिसके कारण अब हर प्रोजेक्ट की समीक्षा की जा रही है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा मे की गई जल्दबाजी के कारण करोड़ों रुपए का नुकसान अयोध्या में सरकार को हुआ है।

– निर्धारित समय से 4 महीने पहले पूरा कराया गया था काम

– जल्दबाजी के कारण अरबों रुपए का

मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली अपर वैतरणा और भातसा हुईं खाली

– दूसरी झीलों में भी पानी खत्म, मुंबई में मचने वाला है हाहाकार!

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है, लेकिन झील क्षेत्रों में कम बारिश की वजह से झीलों के जलस्तर में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली सात झीलों में से दो प्रमुख झीलों अपर वैतरणा और भातसा में पानी का स्टॉक शून्य है। 30 मई को सातों झीलों में 8 फीसदी पानी का स्टॉक था, जो एक महीने में घट कर 5.43 फीसदी रह गया है। यानी एक महीने में झीलों के जलस्तर में लगभग 3 फीसदी की कमी आई है, जबकि मॉनसून पिछले 21 दिनों से सक्रिय है, इसके बावजूद झीलों के जलस्तर में कमी आई है। मुंबई को मोडक सागर, तानसा, मध्य वैतरणा, अपर वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी झील से प्रतिदिन 3850 एमएलडी पानी की आपूर्ति होती है। मुंबईकर 5 जून से 10 फीसदी पानी कटौती का सामना कर रहे हैं। झीलों में घटते जलस्तर को देखते हुए बीएमसी लगातार मंथन कर रही है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि पानी संकट को लेकर हमारी लगातार बैठकें चल रही हैं। जुलाई में अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है, यदि पहले सप्ताह में बारिश नहीं हुई, तो बीएमसी को कुछ कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। हालांकि, 12 जुलाई तक विधानमंडल का बजट सत्र है, उसके बाद ही बीएमसी द्वारा पानी को लेकर कुछ निर्णय लेने की संभावना है। बीएमसी अधिकारी ने बताया कि कंस्ट्रक्शन साइट्स पर इस्तेमाल होने वाली पानी की आपूर्ति को रोकने साथ ही होटल, इंडस्ट्री व अन्य स्थानों पर भी पानी आपूर्ति में कटौती पर विचार किया जा सकता है। मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली झीलों के क्षेत्र में इस साल अब तक काफी कम बारिश हुई है। पिछले साल के मुकाबले औसतन 50 फीसदी से कम बारिश हुई है। अपर वैतरणा क्षेत्र में अब तक 188 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि पिछले साल इस दौरान 204 मिमी तक बारिश हो चुकी थी। मॉनसून की आंख मिचौली ने बीएमसी की परेशानी बढ़ा दी है। फिलहाल, बीएमसी प्रशासन रिजर्व कोटे का पानी इस्तेमाल कर मुंबईकरों को जलापूर्ति कर रहा है। लेकिन जिस तरह से झीलों के जलस्तर में कमी आ रही है, उसे देखते हुए लगता है कि आने वाले दिनों में प्रशासन को कड़ा फैसला लेना पड़ेगा।

हरियाणा में भाजपा ने चला अपना दांव: अकेले ही लड़ेगी विधानसभा चुनाव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में भाजपा अपने दांव पर चल रही है। इसकी शुरुआत उसी वक्त हो गई थी जब राज्य में मनोहर खट्टर को सीएम पद से हटाकर उनकी जगह पर नायब सैनी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी। तभी भाजपा की रणनीति पर जानकारों की नजरें टिक गई थीं। नायब सैनी को 12 मार्च को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया गया था। इसके बाद प्रदेश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए और विधानसभा चुनाव की तैयारी चल रही है। ऐसे में नायब सैनी सरकार को काम करने के लिए बहुत कम समय मिल पाया है। इस बीच बीजेपी में चुनाव के दौरान पार्टी के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा बीजेपी तीसरी बार सरकार बनाएगी। नायब सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे। अगला चुनाव नायब सैनी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया है कि निकट भविष्य में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। चुनाव में बीजेपी का सीएम चेहरा सैनी ही होंगे। अमित शाह ने शनिवार को पंचकूला में बीजेपी की विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे सत्र के दौरान प्रदेश भर से आए हुए नेताओं, कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों को संबोधित किया। अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने मन से संशय निकाल दीजिए कि हम किसी के साथ जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी को हरियाणा में किसी की बैसाखियों की जरूरत नहीं है। पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएंगे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में फिर से हरियाणा की जनता का विश्वास जीतेंगे। गृह मंत्री ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में हरियाणा वासियों का अहम योगदान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि शाह ने आगामी विधानसभा चुनावों में विजय की मजबूत आधारशिला रखी है।

गृहमंत्री ने कार्यकर्ताओं और नेताओं से रूबरू होते हुए कहा कि हमें जीत के विश्वास के साथ भारतीय जनता पार्टी को आगे बढ़ाना है। पिछले 10 वर्षों में हमने हरियाणा के अंदर परिवर्तन लाने का काम किया है। राजनीति के मायनों को बदला है। पहले एक सरकार आई थी तो भ्रष्टाचार बढ़ता था, दूसरी सरकार आती थी तो दबंगों का राज बढ़ जाता था। हमारी सरकार ने विकास किया है। कांग्रेस पर बोला हमलाकांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस के नेता कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त रहे हैं। पहले हरियाणा में एक सरकार एक जिले के लिए, दूसरी सरकार दूसरे जिले के लिए काम करती थी, लेकिन भाजपा ने 10 वर्षों में पूरे हरियाणा में एक समान काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र में कमल की सरकार बना दी है और अब हरियाणा में भी तीसरी बार कमल की सरकार बनानी है।

उद्धव को सीएम बनाने की मांग पर भड़के शरद पवार बोले- कोई जरुरत नहीं

मुंबई (एजेंसी)। बीते कई दिनों से महाराष्ट्र में सीएम के चहरे को लेकर कानाफूसी चल रही थी। इसी सुगबुगाहट के बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने आगामी विधानसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने की मांग कर दी। उनका दावा था कि मुख्यमंत्री के चेहरे के बिना विधानसभा चुनाव का सामना करना खतरनाक है। कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारी राज्य प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को भावी मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर रहे थे। इन सबकी उम्मीदों पर शरद पवार ने पानी फेर दिया। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के एक बयान ने शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के नेताओं की बोलती बंद कर दी है। पवार ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में महा विकास आघाडी की ओर से मुख्यमंत्री का कोई चेहरा नहीं होगा, बल्कि इसे सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा।

कोल्हापुर में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने साफ किया कि आगामी विधानसभा का चुनाव सामूहिक नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। शरद पवार ने कहा कि हम साथ बैठकर विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाएंगे। लोकसभा चुनाव में वामपंथी दलों, आम आदमी पार्टी, शेतकरी कामगार पार्टी ने हमारी मदद की थी, इसलिए हम आगामी चुनावों में उन्हें भी जिताने की कोशिश करेंगे। पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में लोगों की मानसिकता स्पष्ट हो गई है। शरद पवार ने दावा किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा। लोकसभा चुनाव में 288, विधानसभा क्षेत्रों में 155 क्षेत्रों में महा विकास आघाडी आगे है। 155 सीटों पर हमारे आगे रहने का मतलब है कि बहुमत हमारे साथ है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के लिए स्थिति अनुकूल है। हाल ही में संजय राउत ने कहा था कि विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा जरूरी है। हालांकि, पवार ने बताया कि लोकसभा चुनावों में एमवीए 288 विधानसभा क्षेत्रों में से 155 में आगे था। एनसीपी प्रमुख ने कहा कि इससे रुझान का पता चलता है और यह साबित होता है कि एमवीए विधानसभा चुनाव जीतने की अच्छी स्थिति में है।

दिल्ली में 3 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट, कई राज्यों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसके आसपास के इलाकों में आने वाले दिनों में लगातार बारिश होने की संभावना है क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 30 जून (रविवार) से 2 जुलाई (मंगलवार) तक मध्यम से भारी बारिश की संभावना के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अपने दैनिक बुलेटिन में कहा कि आने वाले सप्ताह में, दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 डिग्री सेल्सियस और 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। आईएमडी चार रंग-कोडित चेतावनियाँ जारी करता है - हरा (कोई कार्रवाई आवश्यक नहीं), पीला (देखें और अपडेट रहें), नारंगी (तैयार रहें) और लाल (कार्रवाई करें)।

शनिवार को रोहिणी, बुराड़ी और मध्य दिल्ली समेत राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में बारिश हुई। शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग में शनिवार को दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच 8.9 मिमी और लोधी रोड पर 12.6 मिमी बारिश दर्ज की गई।

दिल्ली के अलावा, उत्तर भारत के कई राज्यों में भी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के बढ़ने के कारण बारिश होने की उम्मीद है। आईएमडी के अनुसार, 30 जून से 3 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि शनिवार को मानसून पूर्वी उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों और पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में आगे बढ़ा। इसमें कहा गया है कि अगले दो से तीन दिनों में पश्चिम राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब के अधिक हिस्सों और पश्चिम उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू के शेष क्षेत्रों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। मध्य भारत में, गुजरात, मध्य प्रदेश के शेष हिस्सों और राजस्थान और छत्तीसगढ़ के कुछ और हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल होने की संभावना है। आने वाले दिनों में कोंकण-गोवा, केरल, दक्षिणी कर्नाटक और तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत में, आने वाले तीन दिनों में पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ हिस्सों में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अब एआई टूल से चलेगा फेफड़ों से जुड़ी 16 पैटर्न की बीमारियों का पता

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेफड़ों की बीमारी में एक्सरे प्राथमिक जांच मानी जाती है। लेकिन अब एक्सरे जांच से फेफड़ों में होने वाली 16 पैटर्न से जुड़ी बीमारियों का पता चल जाएगा। इसकी सटीक जांच कम से कम 70 फीसदी रहेगी। उससे कम होने पर मशीन खुद ही रिपोर्ट को डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह देगी। ऐसा संभव होगा एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल से, जो डिजिटल एक्स-रे मशीन में लोड किया जाएगा।

इस एआई टूल को बनाया है यूपी गोरखपुर के डॉ. सात्विक वत्स और डॉ. विक्रांत शर्मा ने। इस रिसर्च में जेएनयू, नई दिल्ली और एम्स गोरखपुर के डॉक्टर भी शामिल थे। इस टूल को बनाने करने के लिए पांच देशों के डेढ़ लाख से ज्यादा मरीजों का ब्योरा एकत्रित किया गया। बीमारी होने पर मरीजों के फेफड़ों में बदलाव के फीचर एआई में डाले गए। इसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, यूएई, मलेशिया, इटली व स्पेन के मरीजों का आंकड़ें शामिल है। रिसर्च में मरीज के आंकड़ों को संदर्भित करने के लिए तीन रेडियोलॉजिस्टों को भी शामिल किया। इसके अलावा चेस्ट फिजिशियन व मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट भी इसमें शामिल थे।

डॉ. सात्विक ने बताया कि एआई टूल को इस तरह विकसित किया गया है कि वह किसी भी बीमारी में फेफड़ों में हो रहे बदलाव के पैटर्न को पहचान लेगा। इसकी मदद से 16 प्रकार के पैटर्न को पहचानने में सफलता मिली है। यह पैटर्न अलग-अलग बीमारियों के होते हैं, जिसमें फेफड़े में होने वाली निमोनिया, एडिमा, फाइब्रोसिस, डायाफ्राम की हार्निया, कोविड, कैंसर, फेफड़ों की झिल्ली में सूजन, पानी भरना व गांठ जैसी बीमारियां शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इस टूल का इस्तेमाल सरल है। यह डिजिटल एक्स-रे मशीन में इंस्टॉल किया जाएगा। उसके बाद एक्स-रे होते ही मशीन पैटर्न के आधार पर फेफड़ों में बदलाव को पहचान लेगी। वह अपनी रिपोर्ट में बदले हुए पैटर्न का जिक्र करेगी। इससे डॉक्टर को भी बीमारी पहचाने व इलाज करने में आसानी होगी। एआई टूल को पेटेंट कराया जा चुका है। इसको लेकर पहला रिसर्च पेपर अब पब्लिश हुआ है। यह रिसर्च पेपर अमेरिकन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। डॉ सात्विक ने बताया कि इस एआई टूल का इस्तेमाल ग्रामीण व दुर्गम क्षेत्र में स्थित अस्पतालों में हो सकता है। जिसमें मशीन फेफड़ों के बीमारी की पहचान कर लेगी। वहां मौजूद चिकित्सक या पैरामेडिकल स्टाफ रिपोर्ट के आधार पर टेली कंसल्टेंसी कर सही परामर्श दे सकेंगे। इसे और विकसित किया जा सकता है। भविष्य में रेडियोलॉजिस्ट के परामर्श की जरुरत भी नहीं पड़ेगी।

गेल की ऊर्जा गंगा पाइपलाइन अगले साल मार्च तक पूरी होगी

नई दिल्ली।

देश के पूर्वी हिस्सों में पर्यावरणानुकूल ईंधन पहुंचाने के लिए देश की प्रमुख 12,940 करोड़ रुपये की ऊर्जा गंगा गैस पाइपलाइन परियोजना मार्च, 2025 तक पूरी होने की उम्मीद है। सार्वजनिक क्षेत्र की गेल (इंडिया) लिमिटेड ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि 3,306 किलोमीटर लंबी जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन को जून, 2024 तक पूरा किया जाना था। लेकिन उपयोग के अधिकार (आरओयू) की उपलब्धता में देरी से इस परियोजना के पूरा होने का समय संशोधित कर जून, 2024 से मार्च, 2025 कर दिया गया है। ज्यादातर पाइपलाइन का निर्माण पहले ही हो चुका है और मार्ग के अधिकांश शहरों में गैस का प्रवाह शुरू हो गया है। परंपरागत रूप से उपलब्ध प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली पैदा करने, उर्वरक बनाने या सीएनजी और रसोई गैस के रूप में किया जाता है। अक्टूबर 2016 में उत्तर प्रदेश के जगदीशपुर से पश्चिम बंगाल के हल्दिया, झारखंड के बोकारो और ओडिशा के धामरा तक पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू हुआ था। पूर्वी क्षेत्र के राज्यों तक ईंधन ले जाने के लिए लाइन को बिहार के बरौनी से असम के गुवाहाटी तक 726 किमी बढ़ाया गया था। जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) को प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा पाइपलाइन

कहा जाता है। इसके जरिये पूर्वी राज्यों बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को गैस की आपूर्ति की जानी है।

पाइपलाइन को क्रियान्वित करने वाली कंपनी गेल ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 28 जून को एक बैठक में पाइपलाइन को पूरा करने की समयसीमा को बढ़ाकर जून, 2024 से मार्च, 2025 करने की मंजूरी दे दी। गेल ने 10 मई, 2019 को कहा था कि उसने पाइपलाइन से जुड़े 10,500 करोड़ रुपये के सभी महत्वपूर्ण अनुबंध दे दिए हैं। सरकार ने जेएचबीडीपीएल के क्रियान्वयन के लिए 40 प्रतिशत का व्यवहार्यता अंतर (वीजीएफ) यानी 5,176 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं।

वहीं बरौनी-गुवाहाटी पाइपलाइन के लिए सरकार ने 60 प्रतिशत यानी 5,559 करोड़ रुपये का वीजीएफ उपलब्ध कराया है।

टाइटन ने बांग्लादेश में आभूषण ब्रांड तनिष्क पेश किया

नई दिल्ली।

टाइटन कंपनी बांग्लादेश में अपना आभूषण ब्रांड तनिष्क पेश कर रही है। बयान के अनुसार टाटा समूह द्वारा प्रबंधित कंपनी तनिष्क ने रिदम ग्रुप के साथ इस संबंध में एक संयुक्त उद्यम समझौता किया। इसके तहत तनिष्क को बांग्लादेश के बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार संयुक्त उद्यम की शुरुआत बांग्लादेश के नारायणगंज में विनिर्माण इकाई के उद्घाटन के साथ होगी। घरेलू बाजार के अलावा टाइटन अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तनिष्क की उपस्थिति का विस्तार कर रही है और संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, कतर, सिंगापुर और ओमान में 17 स्टोर संचालित करती है। इसका घड़ी कारोबार दक्षेस, एमईएनए (पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका), दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रों में मौजूद है।

पिछले कुछ साल में इसने अपने प्रमुख आभूषण ब्रांड तनिष्क को विदेशों में बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित

किया है। रिदम ग्रुप बांग्लादेश की एक प्रमुख कंपनी है जिसकी स्थापना 1972 में देसी वस्त्र निर्माण के लिए की गई थी और तब से इसने कई क्षेत्रों में विस्तार किया है।

एफपीआई ने जून में घरेलू शेयर बाजारों में 26,565 करोड़ निवेश किए

- इससे पहले मई में एफपीआई ने शेयर बाजार से 25,586 करोड़ निकाले थे

नई दिल्ली। लगातार दो माह की बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून में घरेलू शेयर बाजारों में एक बार फिर लिवाल बन गए हैं। शेयर बाजारों में जोरदार तेजी की वजह से जून में एफपीआई ने 26,565 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। बाजार के जानकारों कहा` कि आगे चलकर उनका ध्यान धीरे-धीरे बजट और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों की ओर स्थानांतरित होगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जून में भारतीय शेयर बाजार से 26,565 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर असमंजस के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि की चिंता के बीच अप्रैल में भी एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे थे। इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जबकि जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भाजपा को अपने बल पर बहुमत नहीं मिलने के बावजूद राजनीतिक स्थिरता और स्थिर घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की खरीदारी और आक्रामक खुदरा खरीदारी से बाजारों में तेज उछाल ने एफपीआई को लिवाल बनने के लिए मजबूर किया है। हालांकि एफपीआई की खरीदारी बाजार या व्यापक रूप से क्षेत्र आधारित होने के बजाय कुछ शेयरों तक केंद्रित रही है। उनका कहना है कि सरकार की स्थिरता का भरोसा, जीडीपी के मोर्चे पर अच्छे प्रदर्शन, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में स्थिरता और बैंकिंग क्षेत्र की सेहत मजबूत होने की वजह से एफपीआई का प्रवाह तेज बना रहेगा। आंकड़ों के अनुसार इसके अलावा एफपीआई ने जून में ऋण या बॉन्ड बाजार में 14,955 करोड़ रुपये डाले हैं। 2024 में अब तक बॉन्ड बाजार में एफपीआई का निवेश 68,624 करोड़ रुपये रहा है।

बीते वित्त वर्ष में ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या घटकर 1.09 करोड़ रही

- एक रिपोर्ट के अनुसार ईपीएफओ ने 2022-23 में कुल 1,14,98,453 नए सदस्य जोड़े थे

नई दिल्ली।

बीते वित्त वर्ष में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के नए सदस्यों की कुल संख्या चार प्रतिशत घटकर 1.09 करोड़ रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ईपीएफओ की भारत में पेरोल रिपोर्टिंग- एक रोजगार परिप्रेक्ष्य-जनवरी से अप्रैल, 2024 रिपोर्ट के अनुसार ईपीएफओ ने 2022-23 में कुल 1,14,98,453 नए सदस्य जोड़े थे। यह संख्या 2023-24 में घटकर 1,09,93,119 रह गई है। महामारी के कारण ईपीएफओ से जुड़ने वाले नए सदस्यों की कुल संख्या में 2020-21 में गिरावट आई थी और यह 85,48,898 रही थी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में ईपीएफओ से 1,10,40,683 नए सदस्य जुड़े थे। 2021-22 में ईपीएफओ से जुड़ने वाले नए सदस्यों की संख्या 1,08,65,063 रही थी। देश में कोरोना महामारी के प्रसार को रोकने के लिए केंद्र और राज्यों ने 2020 और 2021 में लॉकडाउन लगाया था, जिससे आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ रोजगार भी प्रभावित हुआ था। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 तक पिछले पांच वित्तीय वर्षों में ईएफपीओ द्वारा जोड़े गए कुल नए सदस्य 2018-19 के पूर्व-कोविड स्तर तक नहीं पहुंचे थे। अप्रैल, 2018 से मंत्रालय सितंबर, 2017 के बाद की अवधि के संगठित क्षेत्र के रोजगार संबंधी आंकड़े जारी कर रहा है। इसमें तीन प्रमुख योजनाओं कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से जुड़ने वाले सदस्यों की जानकारी ली जाती है। रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के सदस्यों की सकल वृद्धि भी 2022-23 के 1,67,73,023 से घटकर 2023-24 में 1,67,60,672 रह गई है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार एनपीएस के तहत नए सदस्यों की संख्या 2022-23 के 8,24,735 से बढ़कर 2023-24 में 9,37,020 हो गई।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का मार्केट कैप 2.89 लाख करोड़ बढ़ा

- दस शीर्ष कंपनियों की सूची में रिलायंस पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,89,699.42 करोड़ रुपये की बढ़त दर्ज की गई। शेयर बाजार में जोरदार तेजी के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का बाजार मूल्यांकन चढ़ गया। वहीं भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,52,264.63 करोड़ रुपये बढ़कर 21,18,951.20 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 34,733.64 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 14,12,845.09 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 30,286.99 करोड़ रुपये बढ़कर 8,44,201.88 करोड़ रुपये रही। वहीं भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 18,267.7 करोड़ रुपये बढ़कर 8,22,530.35 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 14,656.3 करोड़ रुपये बढ़कर 6,50,602.10 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का 13,808.74 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 12,80,865.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 11,111.14 करोड़ रुपये बढ़कर 7,57,565.68 करोड़ रुपये रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 7,953.37 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और यह 5,81,570.83 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 6,616.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,30,475.82 करोड़ रुपये हो गई। इस रुख के विपरीत एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 22,042.61 करोड़ रुपये घटकर 6,25,573.90 करोड़ रुपये पर आ गया। प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

मुंबई में संपत्तियों का पंजीकरण जून में बढ़कर 11,575 इकाई हुआ

नई दिल्ली। मुंबई नगरपालिका क्षेत्र में संपत्तियों का पंजीकरण जून में सालाना आधार पर 12 फीसदी बढ़कर 11,575 इकाई हो गया है। महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल से एक रियल एस्टेट सलाहकार द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार मुंबई शहर में जून में 11,575 इकाइयों का पंजीकरण हुआ, जबकि पिछले साल इसी महीने में 10,319 इकाइयों का पंजीकरण हुआ था। हालांकि जून में पंजीकरण की संख्या मई की तुलना में कम रही। मई में 12,000 संपत्तियां का पंजीकरण हुआ था। पंजीकरण का बड़ा हिस्सा आवासीय संपत्तियों का है। खरीदारों के बढ़ते भरोसे के बीच चालू` वित्त वर्ष 2024 के पहले छह माह में मुंबई में संपत्तियों के पंजीकरण का आंकड़ा 10,000 इकाई से ऊपर रहा है। संपत्ति सलाहकार ने कहा कि जून, 2024 में मुंबई में संपत्तियों के पंजीकरण का आंकड़ा पिछले 12 साल का सबसे ऊंचा स्तर है। उन्होंने कहा कि आर्थिक समृद्धि बढ़ने तथा घर खरीदने को लेकर धारणा अनुकूल होने की वजह से संपत्ति के पंजीकरण में उछाल आया है। संपत्ति बिक्री पंजीकरण में सालाना आधार पर लगातार वृद्धि मुंबई के रियल एस्टेट बाजार की मजबूती को दर्शाती है।

आईटीसी ब्रिटानिया को पछाडकर दूसरी बड़ी कंपनी बनी

- बिक्री के मामले में पैकेज्ड फूड सेगमेंट में आईटीसी से आगे सिर्फ नेस्ले है

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कंपेनियों में से एक आईटीसी ने एक नया मुकाम प्राप्त किया है। आईटीसी अब ब्रिटानिया को पीछे छोड़कर पैकेज्ड फूड सेगमेंट की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। अब आईटीसी का मुकाबला पहले स्थान पर काबिज मल्टीनेशनल एफएमसीजी कंपनी नेस्ले से होगा। आईटीसी ने यह मुकाम बिक्री के हिसाब से हासिल किया है यानी बिक्री के मामले में पैकेज्ड फूड सेगमेंट में आईटीसी से आगे सिर्फ नेस्ले है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब पैकेज्ड फूड के मामले में आईटीसी की बिक्री ब्रिटानिया से ज्यादा हुई है। आईटीसी पैकेज्ड फूड सेगमेंट में कई उत्पाद बेचती है। आईटीसी के प्रमुख उत्पादों में आशीर्वाद आटा, बिंगो पोटैटो चिप्स, सनफीस्ट बिस्किट आदि शामिल हैं। आईटीसी की हाल ही में जारी सालाना रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में उसके फूड कारोबार की बिक्री 17,194.5 करोड़ रुपए रही है। इसमें घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों के आंकड़े शामिल हैं। दूसरी ओर पिछले वित्त वर्ष के दौरान ब्रिटानिया के फूड कारोबार की कुल बिक्री 16,769.2 करोड़ रुपए की रही है। वहीं बीते वित्त वर्ष में नेस्ले इंडिया की बिक्री का आंकड़ा 24,275.5 करोड़ रुपए का रहा है। हालांकि कंपनी के द्वारा जनवरी-दिसंबर से अप्रैल-मार्च में वित्त वर्ष शिफ्ट करने से बिक्री का यह आंकड़ा 12 महीने के बजाय 15 महीने का है। 12 महीने के हिसाब से देखें तो भी नेस्ले की भारतीय इकाई अपनी स्थानीय प्रतिस्पर्धियों से आगे है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के 12 महीनों में नेस्ले इंडिया की बिक्री 19,563 करोड़ रुपए रही है, जो दूसरे नंबर की कंपनी आईटीसी के फूड कारोबार की बिक्री की तुलना में ज्यादा है। आईटीसी को फूड कारोबार में पहली बार दूसरा पायदान दिलाने में आटे के भाव में आई तेजी सबसे प्रमुख कारण है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश में आटे की कीमतों में 7 से 8 फीसदी की तेजी आई है। कंपनी के फूड कारोबार की कुल बिक्री में सबसे ज्यादा योगदान पैकेज्ड आटा ब्रांड आशीर्वाद का रहा है। ओवरऑल आईटीसी के फूड कारोबार की बिक्री में बीते वित्त वर्ष के दौरान 9 फीसदी की तेजी आई है।

मोबाइल रिचार्ज हुआ मंहगा, कंपनियों की मौज......ग्राहकों की जेब पर असर

नई दिल्ली। एयरटेल और रिलायंस जियो ने मोबाइल रिचार्ज महंगा किया है। इसके बाद अब वोडाफोन आइडिया ने भी जल्द ही अपने प्लान महंगे कर दिए है। इन कंपनियों ने रिचार्ज प्लान में करीब 15-20 फीसदी का इजाफा किया है। इस इजाफे से मोबाइल यूजर्स की जेब पर बोझ बढ़ गया है। दूसरी ओर टेलीकॉम कंपनियों के मुनाफे में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इंडस्ट्री जानकार के अनुसार, प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान में 15-20 फीसदी मोबाइल टैरिफ बढ़ोत्तरी से इंडस्ट्री को करीब 20,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त परिचालन लाभ होगा है। इस टैरिफ हाइक के बाद एयरटेल और जियो के एवरेज रेवेन्यू पर यूजर (आआरपीयू) में अच्छा खासा इजाफा होने का अनुमान है। आईसीआरए के उपाध्यक्ष और कॉर्पोरेट रेटिंग के सेक्टर प्रमुख ने कहा, मोबाइल टैरिफ बढ़ोत्तरी से लाभ में इजाफा होगा। इससे इंडस्ट्री को तकनीक अपग्रेडेशन और नेटवर्क विस्तार के लिए जरूरी पूंजी मिलेगी। आईसीआरए को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में टेलीकॉम इंडस्ट्री का राजस्व 12-14 प्रतिशत बढ़ेगा। ऑपरेटिंग लीवरेज को देखकर 14-16 प्रतिशत तक परिचालन लाभ में इजाफा होने का अनुमान है। टेलीकॉम इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2025 में 1.6-1.7 लाख करोड़ रुपए के परिचालन लाभ के साथ 3.2-3.3 लाख करोड़ रुपए का राजस्व दर्ज करने की संभावना है। वहीं मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, दूसरे टेलीकॉम प्लेयर्स भी मोबाइल टैरिफ में बढ़ोत्तरी कर सकते है। नोट में कहा गया है, हमारा अनुमान है कि एयरटेल और जियो के लिए मिश्रित एआरपीयू को 16-18 प्रतिशत की सीमा में लाभ होगा।

घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

- कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

नई दिल्ली।

इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से घरेलू शेयर बाजारों की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि बीते सप्ताह रिकॉर्ड तेजी के बाद ऊंचे मूल्यांकन की वजह से इस हफ्ते बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी नजर रखेंगे। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह शेयर बाजार में संभावित रूप से उतार-चढ़ाव रहेगा। ऊंचा मूल्यांकन चिंता का विषय बना हुआ है। निवेशकों की नजरें अब मानसून की प्रगति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव पर रहेगी। जुलाई में आने वाले आम बजट पर भी सभी की नजरें है। बाजार में विकासोन्मुख नीतियों की उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बाजार में ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली देखने को मिली है। अमेरिका के रोजगार के आंकड़े दो जुलाई को आएंगे। इसके बाद तीन जुलाई को आईएसएम सर्विसेज पीएमआई आंकड़े जारी किए जाएंगे। साथ ही दो जुलाई को अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन है। एफओएमसी की बैठक का ब्योरा तीन जुलाई को जारी किया जाएगा। एक अन्य बाजार विश्लेषक कहते

हैं कि बाजार का रुख प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा।

इस दौरान एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई, एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई, एसएंडपी ग्लोबल विनिर्माण पीएमआई, फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन, अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़े बाजार के लिए प्रमुख घटनाक्रम हैं। उनका कहना है कि हमें उम्मीद है कि बाजार की रफ्तार कायम रहेगी और शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

हालांकि, सप्ताह के दौरान आने वाले आर्थिक आंकड़ों की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। वाहन कंपनियां अपने मासिक बिक्री आंकड़े जारी करेंगी। ऐसे में उनके शेयरों पर सभी की नजरें रहेंगी।

मिंत्रा होम ने मसाबा गुप्ता को ब्रांड एंबेसडर बनाया

- मसाबा क्यूरेटेड बाय मसाबा कैंपेन में भी दिखाई देंगी

नई दिल्ली। फैशन डिजाइनर और अभिनेत्री मसाबा गुप्ता को इंडियन फैशन ई-कॉमर्स कंपनी मिंत्रा ने मिंत्रा होम का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। बतौर ब्रांड एंबेसडर वह प्लेटफॉर्म को अपने क्रिएटिव विजन से आगे ले जाएंगी। ट्रेंड-फर्स्ट कस्टमर्स की उम्मीदों के मुताबिक घर का चयन करेंगी, जो उनके पर्सनालिटी को दिखाते हों। इस सहयोग के हिस्से के रूप में वह क्यूरेटेड बाय मसाबा कैंपेन में भी दिखाई देंगी, जो मिंत्रा के प्रीमियम होम सेलेक्शन को सामने लाता है। मसाबा ने कहा` कि घर वह जगह है जहां हम खुद को खुलकर एक्सप्रेस करते हैं। मिंत्रा की होम कैटेगरी के लिए ब्रांड एंबेसडर बनना घर की सजावट को सेल्फ-एक्सप्रेशन में बदलने जैसा है। मेरे लिए यह सहयोग घर बनाने के सफर को खूबसूरत एस्थेटिक के साथ जोड़ने का एक मौका है। मसाबा गुप्ता काफी क्रिएटिव हैं। उन्होंने फैशन और ब्यूटी के क्षेत्र में काफी नाम कमाया है। अब वह मिंत्रा होम के जरिए नए-नए आइडिया और क्रिएटिविटी लोगों के साथ शेयर करेंगी। मिंत्रा होम के पोर्टफोलियो में एमएंडएस होम्स, एचएंडएम होम्स, इंडिया सर्कस, माई ट्राइडेंट, अर्बन स्पेस, एलिमेंट्री, डीडेकोर और नेस्टासिया समेत प्रमुख ब्रांड्स के बढ़िया होम फर्निशिंग, ट्रेंडी आर्ट और डेकोर पीस, लैंप एंड लाइटिंग, किचन एंड डाइनिंग, बाथ और बेड लिनेन और अप्लायंसेज शामिल हैं। हाल ही में होम कैटेगरी पर अपना फोकस करने के बाद से मिंत्रा ने अपनी पेशकशों में बढ़ोतरी की है, जिसमें 1,500 से ज्यादा घरेलू और ग्लोबल ब्रांड्स की 4 लाख से ज्यादा स्टाइल की एक सूची है। पिछले कुछ सालों में देखा गया है कि लोग घर पर ज्यादा समय बिता रहे हैं। ऐसे में हाइब्रिड वर्क और वर्क फ्रॉम होम में काफी बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते उपभोक्ता अपने घर के सामान और सजावट में ज्यादा निवेश कर रहे हैं। किचन, वॉल क्लॉक और सर्ववेयर जैसी कुछ सब-कैटेगरी की डिमांड में साल-दर-साल 100 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की जा रही है। मिंत्रा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा,` कि हम मसाबा गुप्ता का मिंत्रा होम के ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्वागत करते हैं। घर हर किसी की लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा है और इसलिए कैटेगरी का विस्तार फैशन और लाइफस्टाइल को लोकतांत्रिक बनाने की मिंत्रा की प्रतिबद्धता में अच्छी तरह से फिट बैठता है। मसाबा के टैलेंट का बोलबाला विश्व स्तर पर है, और हम अपने ग्राहकों को प्रेरित करने के लिए उनके क्यूरेटेड कलेक्शन, थीम और लुक के जरिए एस्थेटिक की उनकी गहरी समझ को पेश करने के लिए रोमांचित हैं।

कोका-कोला कंपनी ने भारत में किया अपना बॉटलिंग बिजनेस बंद

-2022-23 में कंपनी ने की थी 12,840 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली।

कोका-कोला कंपनी भारत में अपना बॉटलिंग बिजनेस बंद कर रही है। कंपनी के बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट ग्रुप (बीआईजी) का दफ्तर 30 जून को बंद करने का फैसला किया है। अमेरिका की यह कंपनी भारत समेत दुनियाभर में अपने बॉटलिंग का संचालन करती है। कंपनी ने एक नोट में कहा कि बीआईजी का कॉर्पोरेट ऑफिस 30 जून को बंद हो जाएगा।

कंपनी का यह कदम भारत को प्रभावित करेगा, क्योंकि कोका-कोला इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली बॉटलिंग कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (एचसीसीबी) सीधे तौर पर बीआईजी के कंट्रोल में थी। नोट में कहा गया है कि भारत, नेपाल और श्रीलंका कोका-कोला के आंतरिक बोर्ड की निगरानी में रहेंगे। बता दें कि इस माह में कोका-कोला ने एचसीसीबी में माइनारिटी स्टेक बेचने के लिए कम से कम चार भारतीय औद्योगिक घरानों और उनके कार्यालयों से संपर्क किया था। रविवार से कोका-कोला के बॉटलिंग निवेश और ऑपरेशन का मैनेजमेंट एक आंतरिक बोर्ड के जरिए से किया जाएगा। यह बोर्ड बॉटलिंग बिजनेस के प्रदर्शन और रणनीति पर नजर रखेगा। बोर्ड की अध्यक्षता ब्राउन करेंगे। इसमें वैश्विक कार्यों का प्रबंधन करने वाले वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। नोट में कहा कि इस फैसले का मकसद निर्णय लेने की प्रक्रिया और ज्यादा सरल बनाना और बाजारों में क्षमताओं को मजबूत करना है। जनवरी में एचसीसीबी ने देश के उत्तरी, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कंपनी के स्वामित्व वाले कुछ बॉटलिंग ऑपरेशन अपने तीन मौजूदा फ्रैंचाइजी बॉटलर मून बेवरेजेज, एमएलएमजी बेवरेजेज और कंधारी ग्लोबल बेवरेजेज को बेच दिए थे। कंपनी ने कहा था कि इन बॉटलिंग ऑपरेशन को रिफ्रैंचाइज करने से उसे 293 मिलियन

डॉलर का फायदा हुआ। एचसीसीबी अब 16 अंक का संचालन कर रही है, जो मुख्य रूप से पश्चिम और दक्षिण भारत में फैले हैं। बता दें 2006 में, कोका-कोला ने बॉटलिंग ऑपरेशन को एकीकृत कर बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट्स ग्रुप का गठन किया था। उस समय कंपनी ने कहा था कि इसका मकसद यह तय करना है कि बॉटलिंग ऑपरेशन को उचित निवेश और विशेषज्ञता प्राप्त हो। 2022-23 में एचसीसीबी का रेवेन्यू 40फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 12,840 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कंपनी का नेट मुनाफा 809.32 करोड़ रुपए रहा जो पिछले साल की तुलना में दोगुना ज्यादा है।

देश में ही 60 एमएम रॉकेट बनाएगा अडानी समूह थेल्स समूह के साथ समझौता

नई दिल्ली। मेक इन इड़िया को बढ़ावा देने की मोदी सरकार की पहल के तहत देश के बड़े कारोबारी समूह अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारत में ही 60 एमएम रॉकेट बनाने के लिए थेल्स समूह के साथ समझौता किया है। थेल्स ने बताया कि यह भागीदारी न सिर्फ भारत के लिए उसकी प्रतिबद्धता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर हमारे पार्टनर नेटवर्क को मजबूत बनाने में भी मददगार होगी। थेल्स समूह ने लिखा, हम इस भागीदारी पर अदाणी समूह को बधाई दे रहे हैं। हम भारत में थेल्स के 70 एमएम रॉकेट के विनिर्माण में साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।थेल्स समूह ने कहा कि भारत के बढ़ते रक्षा उद्योग के लिए मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के मोदी सरकार के विजन में मील का पत्थर साबित होगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस स्वदेशी रक्षा उत्पादों के डिजाइन, विकास एवं विनिर्माण की अग्रणी कंपनी है। कंपनी ने इसी माह संयुक्त अरब अमीरात के एज समूह के साथ महत्वपूर्ण करार किया है जो अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और रक्षा क्षेत्र की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी है। इस करार के तहत विश्व स्तरीय प्लेटफॉर्म का निर्माण होना हैं, जिससे दोनों कंपनियों की रक्षा और एयरोस्पेस क्षमता में वृद्धि होगी।

टी20 विश्वकप जीतकर मालामाल हुई टीम इंडिया, इनाम में मिली 20 करोड़ से ज्यादा की राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्वकप चैंपियन बनी भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को पुरस्कार स्वरूप 20.36 करोड़ रुपए मिले। इस बार टूर्नामेंट शुरु होने से पहले अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिकार्ड पुरस्कार राशि का बजट 93.51 करोड़ रुपए रखा था। उसी के अनुसार फाइनल में जीतने वाली भारतीय टीम को 20.36 करोड़ रूपए की राशि दी गई है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम दक्षिण अफ्रीका को 10.64 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा।

इस बार टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 20 टीमों ने भाग लिया था। सेमीफाइनल खेलकर बाहर होने वाली टीमों को 6.54 करोड़ रुपए। इनमें अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीमें शामिल हैं। दूसरे दौर यानी सुपर-8 को पार करने में नाकाम रहने वाली टीमों को 3.17 करोड़ रुपए तथा नौ से 12वें स्थान पर रहने वाली टीमों को 2.05 करोड़ रुपए तथा 13 से 20वें स्थान पर रहने वाली हर एक टीम को 1.87 करोड़ रुपए मिले। इसके अलावा हर एक टीम को टूर्नामेंट में जीतने वाले मैच पर अतिरिक्त 25.89 लाख रुपए दिए गए है।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। 34/3 पर सिमटने के बाद विराट (76) और अक्षर पटेल (31 गेंदों में 47, एक चौके और चार छक्कों की मदद से) के बीच 72 रनों की जवाबी साझेदारी ने खेल में भारत की स्थिति को बहाल किया। विराट और शिवम दुबे (16 गेंदों में 27, तीन चौकों और एक छक्के की मदद से) के बीच 57 रनों की साझेदारी ने भारत को अपने 20 ओवरों में 176/7 तक पहुंचाया। केशव महाराज (2/23) और एनरिक नॉर्टजे (2/26) दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष गेंदबाज थे। मार्को जेनसन और एडेन मार्करम ने एक-एक विकेट लिया।

177 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रोटियाज का स्कोर 12/2 हो गया और फिर क्विंटन डी कॉक (31 गेंदों में 39 रन, चार चौके और एक छक्का) और ट्रिस्टन स्टब्स (21 गेंदों में 31 रन, तीन चौके और एक छक्का) के बीच 58 रनों की साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को खेल में वापस ला दिया। हेनरिक क्लासेन (27 गेंदों में 52 रन, दो चौके और पांच छक्के) के अर्धशतक ने खेल को भारत से दूर ले जाने की मदद दी। हालांकि अर्शदीप सिंह (2/20), जसप्रीत बुमराह (2/18) और हार्दिक (3/20) ने डेथ ओवरों में शानदार वापसी की और दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवरों में 169/8 पर रोक दिया।

चहल, सैमसन और यशस्वी बिना खेले ही बन गये चैंपियन

बारबाडोस (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने एक दशक के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती है , इसके लिए टीम के सभी खिलाड़ियों ने दबाव में आये बिना ही शानदार प्रदर्शन किया। इससे टीम में बेहद खुशी का माहौल है। टीम को 13 साल के बाद खिताब मिला है। इससे पहले टीम ने 2014 में चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। उसके बाद से ही टीम सेमीफाइनल या फाइनल में हार से बाहर हो जाती थी। इस विश्वकप में युजवेंद्र चहल, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल ऐसे खिलाड़ी रहे जिन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रुप से हुए इस विश्वकप में 8 मैच खेलकर सभी में जीत दर्ज की। इस दौरान चहल, सैमसन और यशस्वी को एक भी मैच में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। चहल टीम में दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर थे। वहीं पहले नंबर पर कुलदीप यादव थे। कुलदीप ने टूर्नामेंट में शुरु से इतना प्रभावी प्रदर्शन किया कि चहल को अवसर ही नहीं मिल पाया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इसलिए अवसर नहीं मिला क्योंकि विकेकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग में अपने प्रदर्शन से टीम को किसी और नाम पर विचार करने ही नहीं दिया। यह लगातार दूसरा विश्व कप है, जब युजवेंद्र चहल टीम में तो चुने गए, लेकिन अंतिम ग्याहर में जगह नहीं बना सके। युजवेंद्र और सैमसन को पहले ही इस बात का अंदाजा रहा होगा कि उन्हें शायद ही अंतिम ग्याहर में जगह मिले पर यशस्वी साथ ऐसा नहीं हैं। वे टीम के विशेषज्ञ ओपनर हैं। टीम में रोहित के अलावा सिर्फ वही एक विशेषज्ञ ओपनर थे। ऐसे में यशस्वी को अंतिम ग्यारह में जगह की उम्मीद थी पर रोहित ने टीम में बदलाव नहीं किया जिससे उनकी उम्मीदें पूरी नहीं हुईं। भारतीय क्रिकेट टीम के साथ रिंकू सिंह और खलील अहमद भी साथ रहे। इन दोनो को रिजर्व के प्लेयर के तौर पर टीम के साथ भेजा गया था।

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 266 पर ढेर, भारत ने बनाई 337 रनों की बढ़त

चेन्नई (एजेंसी)। स्नेह राणा (आठ विकेट) के शानदार स्पैल की बदौलत भारतीय महिला टीम ने बल्लेबाजी के लिये मुफीद चेपॉक की सपाट पिच मेहमान दक्षिण अफ्रीका रविवार को पहली पारी में 266 रन पर ढेर कर 337 रनों की बढ़त बना ली है। सुबह दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 236 रनों के कल के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। कल दिन खेल समाप्त होने के समय मैरिजान कप्प (69) और नडीन डी क्लक ने (27) ने पारी को आगे बढ़ाया। स्नेहा राणा ने शुरुआत स्पैल में मैरिजान कप्प (74) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका दिया। इसके बाद तो दक्षिण अफ्रीका की टीम मात्र 30 रन जोड़कर ताश के पत्तों की तरह ढ़ह गई। नडीन डी क्लर्क (39), सिनालो जाफ्टा (शून्य), अनरी डकर्सन (5), मासाबाटा क्लास (1) और नोनकुलुलेको म्लाबा (2) रन बनाकर आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 266 रनों पर सिमट गई। भारत को पहली पारी में बनाए गए (छह विकेट पर 603 पारी घोषित) के स्कोर के आधार पर 337 रनों की बढ़त मिली है। भारत की ओर से स्नेह राणा ने 25.3 में 77 रन पर आठ विकेट लिये। दीप्ति शर्मा को 21 ओवर में 47 रन देकर दो विकेट मिले।

टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ बोले, कोच के तौर पर यात्रा अच्छी रही

–रोहित की सबसे ज्यादा याद आयेगी

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्व कप जीतने से उत्साहित मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि उनकी ये यात्रा काफी अच्छी रही। इसी के साथ ही द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल भी समाप्त हो गया। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी मुझे सबसे ज्यादा याद आयेगी।

द्रविड़ ने विश्व कप 2024 जीतने के लिए टीम के प्रति आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं रहा पर जब भी मैंने खेला, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया। मैं भाग्यशाली रहा कि मुझे ऐसी टीम का कोच बनने का अवसर मिला जिसने मुझे ट्रॉफी जीत कर दी। यह एक शानदार अहसास है हालांकि इसके लिए मैंने कोई सुधार नहीं किये। ये केवल वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद रहा है, यह एक शानदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया। द्रविड़ ने कप्तान रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास पर कहा कि कप्तान जिस तरह के व्यक्ति हैं, उससे मैं प्रभावित हूं। साथ ही कहा कि रोहित की प्रतिबद्धता मुझे पसंद है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें एक व्यक्ति के रूप में मिस करूंगा। जो चीज मुझे प्रभावित करती है, वह है कि वह उन्होंने मुझे जो सम्मान दिया है, टीम के लिए उनकी किस तरह की देखभाल और प्रतिबद्धता थी, उन्होंने किस तरह की ऊर्जा खर्च की और उन्होंने कभी पीछे कदम नहीं किये। मेरे लिए, रोहित वह व्यक्ति होगा जिसकी मुझे सबसे ज्यादा याद आएगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए इंग्लैंड टीम घोषित, बेयरस्टो, फोक्स और लीच बाहर

लंदन - इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला से पहले अपनी टेस्ट टीम से जॉनी बेयरस्टो, बेन फोक्स और जैक लीच को बाहर कर दिया। पहले दो टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम में इंग्लैंड ने तीन 'अनकैप्ड% (जिसने कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ियों को शामिल किया है जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और डिलन पेनिंगटन शामिल हैं। लीच की जगह युवा स्पिनर शोएब बशीर को टीम में शामिल किया गया है। जेम्स एंडरसन को चुना गया है लेकिन यह 41 वर्षीय तेज गेंदबाज संन्यास लेने से पहले 10 जुलाई से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में ही खेलेगा।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम - बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन (सिर्फ पहला टेस्ट), गुस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, डिलन पेनिंगटन, ओली पोप, मैट पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ और क्रिस वोक्स।

जीत के बाद रोहित ने मैदान में लगाया तिरंगा

बारबाडोस। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टीम के टी20 खिताब जीतने के बाद मैदान पर तिरंगा झंडा लगा दिया। भारतीय टीम को इस क्षण का पिछले 13 साल से इंतजार किया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने पहले ही कहा था कि भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में इस बार टी20 विश्वकप जीतेगी जो अब सही साबित हुआ है। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में जीत के बाद बारबाडोस के मैदान पर तिरंगा लगा दिया। इस दौरान रोहित के साथ तिरंगा लिए जय शाह और उपकप्तान हार्दिक पंड्या भी मौजूद थे। इससे पहले इसी साल 14 फरवरी 2024 को एक कार्यक्रम में जय शाह ने विश्वकप का कार्यक्रम जारी करते हुए कहा था की हम टी20 विश्व कप में झंडा लगायेंगे। तब टी20 विश्व कप 2024 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी थी पर ये तय नहीं था कि कप्तान कौन रहेगा। इसके बाद जय शाह का एक बयान मीडिया में आया था जिसमें उन्होंने ये उम्मीद जताई थी की भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में ही टी20 विश्व कप खेलेगी। तब उन्होंने कहा थ कि भले ही टीम अहमदाबाद में एकदिवसीय विश्वकप का फाइनल नहीं जीत पायी पर वह इस बार टी20 खिताब जीतेगी। अब शाह की वही बात सफल हुई है।

सूर्यकुमार को जय शाह से मिला 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार'

ब्रिजटाउन। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने सूर्यकुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार प्रदान किया जिन्होंने खतरनाक डेविड मिलर का शानदार कैच लपका जो भारत की जीत में निर्णायिक साबित हुआ। भारतीय क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक' चुनने की प्रथा शुरू की थी। उन्होंने भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण की प्रशंसा 'भेड़ियों के झुंड' से की जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिलीप ने कहा, 'हम बड़े मुकाबलों में मौके के अनुसार प्रदर्शन करने की बात करते हैं लेकिन आज हमने सिर्फ प्रदर्शन नहीं किया बल्कि जीत हासिल की।' उन्होंने कहा, 'हमने पूरे टूर्नामेंट में और आज जो जज्बा, जो एकजुटता और जो लचीलापन दिखाया, वह असाधारण से कम नहीं है।' दिलीप ने कहा, 'हमने 'भेड़ियों के झुंड' की तरह क्षेत्ररक्षण किया। जैसा कि राहुल भाई और रोहित कहते रहते हैं। हर कोई अपनी भूमिका जानता था लेकिन हमने साथ मिलकर हर मौके का फायदा उठाया और कोई कसर नहीं छोड़ी।' भारत ने शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को पहला विश्व कप खिताब जीतने से महरूम कर दिया जिसमें अंतिम ओवर में सूर्यकुमार यादव का कैच निर्णायक रहा। सूर्यकुमार ने जिस संयम और सही समय पर लिये कैच से बेहतरीन मिसाल पेश की। जब उन्होंने डेविड मिलर का कैच लपका तब दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में महज 16 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, 'दिलीप सर, मुझे यह मौका देने और जय (शाह) सर से यह पदक लेने के लिए आपका धन्यवाद।'

तीसरा ओलंपिक पदक जीतने के लिए कौशल को निखारने पर पी वी सिंधू का फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू शारीरिक और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में हैं लेकिन उन्हें महसूस होता है कि ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें और अधिक 'चतुर' होने की जरूरत है। रियो और तोक्यो में पिछले दो ओलंपिक में क्रमश- रजत और कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू का लक्ष्य तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने का है। सिंधू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ), भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) द्वारा आयोजित बातचीत के दौरान कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है। यह आसान नहीं है, पर असंभव भी नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है, पर स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।'' वह अभी जर्मनी के सारब्रुकेन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोट्स्क्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी।

सिंधू ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस (द्वी सैंटोसो) इसका ध्यान रख रहे हैं। मेरे ट्रेनर भी ध्यान रख रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में परफेक्ट होना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं। आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है। ऐसे खिलाड़ी हैं जो काफी समझदार हैं और रणनीति में बदलाव करके प्लान बी पर आ जाते हैं। आपको इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। मेरा फोकस अभ्यास करने पर है।

हार को पचा पाना मुश्किल : मारक्रम

–आने वाले टूर्नोमेंटों के लिए सुधार करेंगे

ब्रिजटाउन दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान एडेन मारक्रम ने भारतीय टीम के हाथों फाइनल में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि इसे स्वीकार करना बेहद मुश्किल है क्योंकि ये बेहद करीबी मुकाबला था। साथ ही कहा कि इस हार का दुख उन्हें हमेशा रहेगा पर टीम इससे सबक लेते हुए आगे आने वाले टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम खिताबी मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम 30 गेंद में 30 रन नहीं बना पायी। अंतिम ओवरों में भारतीय टीम के गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने जबरदस्त गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने एक बेहद कठिन कैच कर मैच भारत के हाथों में ला दिया। मारक्रम ने मैच के बाद कहा, 'यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की और ऐसे में जीत का श्रेय उसे जाता है। कप्तान ने कहा,

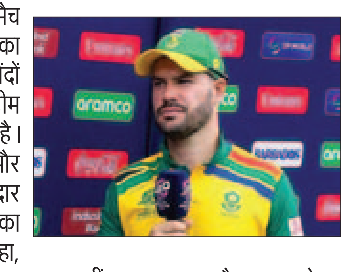

'अभी किसी एक चीज को हार का कारण नहीं कहा जा सकता है। हम अगले कुछ दिनों में अपनी गलतियों पर विचार करेंगे और उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हमें सुधार करना है। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है। हार के बाद भी कप्ताने ने कहा कि जिस प्रकार टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी उसके लिए मुझे टीम पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। मारक्रम ने कहा, 'यह हार दर्द देने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की इच्छा शक्ति बढ़ेगी। मारक्रम ने माना कि क्लासेन ने जिस प्रकार से मैच में खेला, उसको देखते हुए उनके लिए हार को पचा पाना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'हमने उसे दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी पारी खेलना वास्तव में एक विशेष प्रयास है। उसने टीम को जीत के काफी करीब पहुंचा दिया था। साथ ही कहा, 'यह क्रिकेट टूर्नामेंट है, यह कठिन क्रिकेट है, ट्रॉफियां जीतना आसान नहीं है और आपको ट्रॉफी जीतने के लिए भारत जैसी टीम को श्रेय देना ही होग। इसमें बहुत मेहनत लगती है।

अफगान टीम के कप्तान राशिद खान की जर्नी प्रेरणादायक

–राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में रिफ्यूजी कैंप में बीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हार के साथ अफगानिस्तान का सफर भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन उन्होंने पहली बार किसी विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। टीम के लिए यह एक बडी उपलब्धि है। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम को भी मात दी।

अफगानिस्तान को यहां तक पहुंचाने में टीम के कप्तान राशिद खान ने अहम योगदान दिया। राशिद की जर्नी काफी प्रेरणादायक रही है जिन्होंने रिफ्यूजी कैंप से अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बनने तक का सफर तय किया है। राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में बीता। 2001 में अफगानिस्तान में अमेरिका और तालिबान के बीच छिड़े युद्ध ने उनके परिवार को घर छोड़ना पड़ा और पाकिस्तान बॉर्डर के पास रिफ्यूजी कैंप में रहने लगे। पेशावर की गलियों में खेलते हुए राशिद का जीवन आगे बढ़ा। मैट्रिक की पढ़ाई के बाद उन्होंने 6 महीने तक अंग्रेजी की स्पेशल ट्यूशन ली और फिर इंग्लिश ट्यूशन पढ़ाने लगे। इंग्लिंश के अलावा राशिद पश्तो, दारी, उर्दू, और हिंदी भी बोल लेते हैं। राशिद पढ़ाई में बेहद होशियार थे। उनकी मां का सपना था कि राशिद बड़े होकर डॉक्टर बनें, लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान और अमेरिका के बीच बार-बार होने वाले युद्ध के कारण उन्हें कभी अफगानिस्तान तो कभी पाकिस्तान में हना पड़ा। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हुई। जब राशिद बड़े हो रहे थे तो उस समय पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का अलग ही क्रैज था। उनको देखकर राशिद ने भी वैसी ही बैटिंग और स्पिन सीखी। क्रिकेट के अभ्यास के लिए वे भाइयों के साथ घंटों खेलते और इस तरह उनका क्रिकेटर बनने का सफर शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने यूट्यूब से भी सीखा। वह पसंदीदा स्पिनर्स की तकनीक वीडियो देखकर सीखते थे। कई पाकिस्तानी और अफगान प्रशंसक उन्हें अफगान अफरीदी भी कहते हैं। 2015 में मात्र 17 साल की उम्र में राशिद खान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया। इसके बाद 2018 में उन्होंने भारत के खिलाफ पहला टेस्ट खेला। 2019 में मात्र 21 साल की उम्र में उन्हें टीम के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) का कप्तान बना दिया गया। हालांकि इसी साल उन्हें हटाकर असगर अफगान को कप्तानी दे दी गई। 2024 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें एक बार फिर से टीम का कप्तान बनाया गया था। करियर की बात करें तो 21 साल की उम्र में बने अफगानिस्तान टीम के कप्तान। कुल 201 मैचों (टेस्ट, वनडे और टी20) में 269 विकेट लिए हैं। मात्र 53 मैचों में 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का रिकॉर्ड।आईपीएल और बीबीएल सहित दुनियाभर की लगभग सभी बड़ी क्रिकेट लीग में हिस्सा लेना।

टीम इंडिया में 13 साल बाद आया बड़ा उछाल : सहवाग

ब्रिजटाउन। भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीतने के साथ ही पिछले एक दशक के आईसीसी खिताब के सूखे को समाप्त किया। इस अवसर पर पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी भारतीय टीम इंडिया को बधाई दी है। सहवाग ने शेयर बाजार से तुलना करते हुए कहा कहा , कल की जीत मुझे लगता है 13 साल बाद टीम में आया एक बड़ा उछाल है। सहवाग ने कहा कि क्रिकेट में भी कुछ–कुछ शेयर बाजार की तरह ही होता है। स्टॉक लंबे समय तक एक दायरे में रहता है और फिर अचानक उस दायरे से बाहर निकल कर ऊपर चढ़ जाता है। वैसे ही भारतीय टीम सालों से एक रेंज में अच्छा प्रदर्शन कर रही थी, पर कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाती थी। कल की जीत मुझे लगता है 13 साल बाद टीम का एक बड़ा उछाल है और इसे एक निर्णायिक जीत की तरह देखा जा सकता है। मेरा मानना है कि इस जीत के बाद आने वाले वर्षों में टीम लगातार आईसीसी ट्रॉफी जीतती रहेगी। टीम इंडिया को ये जीत लंबे इंतजार के बाद मिली है। साल 2007 के बाद भारत ने एक बार फिर टी20 ट्रॉफी उठाई है। भारतीय टीम टी20 विश्वकप के फाइनल में अंतिम बार 2014 में पहुंची थी। तब श्रीलंका के हाथों खिताबी मुकाबले में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

रोहित-कोहली के नक्शेकदम पर रवींद्र जडेजा, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के नक्शेकदम पर चलते हुए रवींद्र जडेजा ने भी भारत की टी20 विश्व कप 2024 जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा कर दी है। भारत के इस दिग्गज ऑलराउंडर ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 रन की जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी पुष्टि की।

जडेजा ने लिखा, 'कृतज्ञता से भरे दिल के साथ मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कहता हूं। गर्व से सरपट दौड़ने वाले एक दृढ़ घोड़े की तरह, मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में भी ऐसा करना जारी रखूंगा। टी20 विश्व कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का एक शिखर। यादों, जयकारों और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद।' महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम में जगह बनाने के बाद से स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर ने लंबा सफर तय किया है। लेकिन हाल ही में समाप्त हुए टूर्नामेंट में वह अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। फरवरी 2009 में श्रीलंका के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से उन्होंने जिन 74 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें कुल 515 रन बनाए हैं और सबसे छोटे प्रारूप में 54 विकेट लिए हैं। बल्ले से उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ आया, जहां उन्होंने 29 गेंदों पर 46 रन बनाए, जो अंतर साबित हुआ क्योंकि उन्होंने खेल को 49 रनों से जीत लिया। गेंद के साथ उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 2021 टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ था, जहां उन्होंने दुबई में 3/15 के आंकड़े हासिल किए थे। जडेजा के बारे में सबसे उल्लेखनीय विशेषता उनकी फील्डिंग रही है। ऐसे समय में जब हमारे पास सुरेश रैना और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ी थे, सौराष्ट्र के ऑलराउंडर अपने करियर में कई मौकों पर लक्ष्य को हिट करने की अपनी क्षमता के साथ और भी अधिक उभरने में कामयाब रहे।

हूल दिवस में सरायकेला में निकला 1855 का हूल आदिवासी मूलवासी एकता का मिशाल था : सोनाराम बोदरा

बिभा संवाददाता

सरायकेला : हूल दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय सरायकेला में ग्रामीण एकता मंच के बैनर तले निकली शोभायात्रा और सिद्धू कान्हू पार्क में आयोजित जनसभा में जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने कहा कि 1855 का हूल दिवस आदिवासी मूलवासी एकता का मिशाल था। उन्होंने कहा 1855 ई. हूल शुदखोरी महाजनी अंग्रेज के खिलाफ लड़ी गई पहला स्वतंत्रता संग्राम भी कहा जा सकता है। आज झारखंड बने 24 साल होने जा रहा है। बाहरी ताकतें आदिवासी मूलवासी एकता को तोड़ने का काम किया है। बाहरी ताकतें आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को षड्यंत्र के तहत फसाने का भी काम किया है। आदिवासी मूलवासी एक नहीं रहेंगे तो ऐसे बाहरी ताकतें की शिकार बनते रहेंगे। इस राज्य में विकास की रोडमैप जरूरत है। चंद महीना में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन क्षेत्र विकास का ऐसा निर्णय लिया है जो मिलका पत्थर साबित होगा। सर्वजन पेंशन योजना इन्हीं में से एक है। उन्होंने कहा सिद्धू कान्हू के समय की एकता एवं उनके कृतित्व को याद करने का दिन है। इसलिए हर साल हूल दिवस मनाते हैं। ग्रामीण एकता मंच एक मंच देने का काम किया है।

मौके में मंच के संस्थापक अध्यक्ष जवाहरलाल महाली ने कहा कि इतिहास के आईने में 1855 को याद करते तो लगता है अब भी ओर क्रांति की आवश्यकता है। झारखंड को 24 साल हो गया। सरकारी योजना संगठित के अभाव में अंतिम पंक्ति तक नहीं पहुंच पाया है। ग्रामीण एकता मंच संदेश देना चाहता है कि संगठित बने।

कार्यक्रम में अतिथि त्रिविक्रम सिंहदेव, सेवानिवृत शिक्षक चुनूराम सोरेन, पूर्व प्रमुख गोपीनाथ गागराई ने भी संबोधित किया। पूर्व मुखिया रामू मुर्मू ने मंच संचालन किया। ग्रामीण एकता मंच के खेला राम मुर्मू ने स्वागत भाषण दी।

इससे पहले मंच के बैनर तले खरकाई नदी के माजणाघाट से सिद्धू कान्हू पार्क तक शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा में पारंपरिक वाद्य यंत्र लिए लोग शामिल थे।

शोभायात्रा सिद्धू कान्हू पार्क पहुंचते ही नाईके ने विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना की। युद्ध के समय उपयोग होने वाले वाद्य यंत्र, साबुआ, टमक, नागड़ा आः सार की भी पूजा अर्चना हुई।

इसके बाद अतिथि, गणमान्य, आमजन सिद्धू कान्हू के प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पूरे कार्यक्रम में ग्रामीण एकता मंच के नीरेन सोरेन सक्रिय दिखे। उन्होंने कहा कि बिजी शेड्यूल के चलते सीएम चंपाई सोरेन नहीं पहुंच पाए। अंत में उन्होंने उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में झारखंड आंदोलनकारी सम्मान से सम्मानित राजकिशोर लोहरा सहित माझी बाबा, मुखिया, ग्रामीण,आमजन शामिल थे।

पिल्लई हॉल में धूमधाम से मना आदिवासी उराव समाज संघ का 77वां स्थापना दिवस समारोह

हमारी संस्कृति में झलकती सरलता एवं सहज स्वभाव ही हमारी पहचान : मंत्री दीपक बिरुवा

बिभा संवाददाता

चाईबासा। उरांव समुदाय की ओर से रविवार को आदिवासी उराव समाज संघ का 77वां स्थापना दिवस समारोह स्थानीय पिल्लई टाउन हॉल चाईबासा में काफी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस समारोह के बतौर मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा थे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल देव बड़ाइक, वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी कोल्हान शंकर भगत, राजकुमार ओझा, इम्तियाज खां, छोटेलाल तामसोय, सुभाष बनर्जी आदि उपस्थित होकर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित के साथ किया गया। मौके पर उरांव समाज संघ के संस्थापककताओं के तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया ' इसके बाद समाज के युवक युवतियों के द्वारा मनमोहक स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष संचू तिर्की ने अतिथियों को तथा आगंतुको को अपने स्वागत भाषण में संबोधन करते हुए स्थापना दिवस के बारे में जानकारी दी। मौके पर संस्थापक मंडली के परिवार वालों को भी सम्मानित किया गया। वहीं विभिन्न कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के लोगों को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि समेत अन्य अतिथियों के हाथों सभी को सम्मानित किया गया। मौके पर मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि हम आदिवासियों का स्वाभाव सरल एवं सहृदय होते हैं। प्रकृति एवं संस्कृति से हमारा गहरा नाता है, हमारी संस्कृति में झलकती सरलता एवं सहज स्वभाव ही हमारी पहचान है ' आज भी हम अपने पूर्वजों के बताए मार्गो पर चलकर विकसित होते जा रहे हैं, तथा अपनी संस्कृति को अक्षुण बनाए रखे हैं, और यही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। समाज की एकजुटता एवं सहयोग की भावना को देखकर काफी प्रसन्नता हो रही है ' उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज आज भी काफी पीछे है। इस पर हमें काफी मेहनत करते हुए समाज के मुख्य धाराओं से जोड़ना होगा। इस मौके पर उन्होंने उरांव समाज के लिए सामुदायिक भवन देने की घोषणा की। कार्यक्रम में समाज के पुरुष महिलाओं तथा बच्चे उपस्थित थे। इस समारोह में संचू तिर्की, सहदेव किस्पोट्टा, लालू कुजूर, अनिल लकड़ा, अनुप टोप्पो, राकेश उरांव, कर्मा टोप्पो, जगन्नाथ कुजूर,सहित काफी संख्या में उरांव समुदाय के महिला पुरूष उपस्थित थे।

200 यूनिट फ्री बिजली और महिलाओं को हजार रुपया भत्ता झारखंड सरकार का ऐतिहासिक निर्णय :निरल पूर्ति

बिभा संवाददाता

चाईबासाः झारखंड सरकार के मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ग्रामीणों का 200 यूनिट बिजली मुफ्त करने और महिलाओं को एक हजार रुपए प्रत्येक माह देने का ऐतिहासिक घोषणा किया है। यह बातें तांतनगर प्रखंड के अंतर्गत कासेया पंचायत के ग्राम मुरुतोडांग में सेरेंगबिल जाने वाली सड़क पर पीसीसी का निर्माण कार्य का शिलान्यास करते हुए मझगांव विधानसभा के लोकप्रिय विधायक में माननीय निरल पूर्ति ने कहा। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 200 यूनिट तक बिजली ग्रामीणों का माफ करने का घोषणा किया है। इससे लाखों गरीब परिवार को सीधा लाभ पहुंचेगा। इसके अलावा महिलाओं को प्रत्येक माह ?1000 देने का निर्णय लिया गया है। जिससे घर में रहने वाली और कामकाजी महिलाओं को अपने सेहत और परिवार में काफी मदद मिलेगा। इसकी जानकारी प्रत्येक लाभुकों को होना चाहिए और इसका लाभ भी लोगों को मिले इसका प्रयास झारखंड मुक्ति मोर्चा के एक-एक कार्यकर्ता करें। झारखंड सरकार तेजी के साथ विकास कार्य कर रही है। इसको देखते हुए विपक्ष में बैठी भाजपा को बर्दाश्त नहीं होता है, यही कारण है कि हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही राज्य को अस्थिर करने का प्रयास किया जाता रहा है । लेकिन हमारी मजबूत सरकार ने सभी षड्यंत्र को दरकिनार करते हुए राज्य की जनता के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। इसलिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता लगातार अपने क्षेत्र में सरकार की योजना की बारे जानकारी ग्रामीणों को दे। जिससे सभी लोगों तक सरकार की योजना का लाभ पहुंच सके। विधायक ने कहा कि इस सड़क के बन जाने से लोगों को आने-जाने में काफी आसानी होगी खासकर बरसात के समय इस सड़क की हालत काफी खराब रहती थी । इसको लेकर ग्रामीण सड़क निर्माण कि हमसे मांग किए , ग्रामीणों की मांग को देखते हुए प्राथमिकता के आधार पर पीसीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। जिससे कई गांव के ग्रामीणों को बरसात व आम दिनों में आने-जाने में काफी आसानी हो जाएगी। इसके अलावा भी मझगांव विधानसभा के सभी जरूर के हिसाब से सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों को कनेक्टिविटी में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। संवेदक भी इस समय के साथ पूरा करें जिससे ग्रामीणों को जल्द से जल्द लाभ मिल सके। इस दौरान जिला परिषद सदस्य तांतनगर जवाहर बोयपाई, प्रमुख चांदमनी सिरका,कासेया पंचायत मुखिया गौरी शंकर बिरूली, तांतनगर पंचायत पूर्व मुखिया शैलेन्द्र पुरती, झारखंड आन्दोलनकारी रेंगो बिरूली, गारदी बिरूली, विश्वानाथ बिरूली समेत अन्य मौजूद थे।

हुल दिवस के अवसर पर उपायुक्त ने सिद्धो कान्हू कर प्रतिमा पर किया मल्यार्पण

बिभा संवाददाता

सरायकेला : हुल दिवस के अवसर पर जिला दंडाधिकारी - सह- उपायुक्त श्री रवि शंकर शुक्ला ने सीधो कान्हू पार्क स्थित सिदो-कान्हू के प्रतिमा पर मल्यार्पण कर नमन किया। इस क्रम मे उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर एवं बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर मल्यार्पण कर नमन किया।

इस दौरान उपायुक्त नें कहा कि 30 जून को संताल हूल दिवस है।यह हूल, जिसका केंद्र झारखंड का संताल परगना था, 1855-56 में वीर सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हुआ था। जल, जंगल जमीन और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए संताल जनजाति के प्रतिरोध की यह सबसे बड़ी घटना थी, किंतु ब्रिटिश हुकूमत और महाजनी-जमींदारी शोषण के खिलाफ संतालों का यह अकेला विद्रोह नहीं था। उपायुक्त ने जिलेवासियो से अपील करते हुए कहा कि सुंदरता का जो चिराग सिदो-कान्हू जी के नेतृत्व मे 167 साल पूर्व इस धरती पे जलाया गया था उसी से प्रेरणा अपने राज्य हित एवं देश हित मे आगे बढे।

उपायुक्त ने विषेशकर युवाओ से अपील करते हुए कहा कि जिस समर्पण भाव के साथ झारखण्ड के पूर्वजो जैसे सिदो-कान्हू, फूलो झानों, विरसा मुंडा, तिलका मांझी समेत तमाम शाहिदों ने अपने क्षेत्र, अपने राज्य एवं देश के विकास के लिए संघर्ष किया, जिस भावना के साथ कार्य किया उसी भाव से आप भी अपने क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करें। कार्य चाहे छोटा ही क्यों ना हो पर प्रारम्भ करें।

जेबीकेएसएस केंद्रीय कमेटी ने सिंदरी विधानसभा के कुरमीडीह गांव में महिला मोर्चा संगठन का किया विस्तार

बिभा संवाददाता

धनबादः झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति इस बार आगामी सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत को लेकर बिल्कुल तैयारी कर चुकी हैं इसी दरम्यान झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति केंद्रीय कमेटी के निदेर्शानुसार आज धनबाद जिले अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा जोंन के बड़ा पिछड़ी पंचायत कुरमीडीह गांव में लगभग दो सौ महिलाओं के उपस्थिति में महिला मोर्चा संगठन विस्तार, प्रखंड कमिटी पंचायत कमेटी और बुथ स्तरीय कमेटी के मजबुती प्रदान करने का निर्णय लिया गया केंद्रीय महासचिव उषा महतो के उपस्थिति से बरवाअड्डा जोंन क्षेत्र में महिला मोर्चा संगठन विस्तार को लेकर पुरे बड़ा पिछड़ी पंचायत और बरवाअड्डा जोंन क्षेत्र में उत्साह का माहौल संचार हुआ धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि इस बार सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बदलाव होगा मौके पर उपस्थित झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो बरवाअड्डा जोंन अध्यक्ष हरेंद्र रजक केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटा टाइगर छोटू रजक धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक आदि सभी ने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के महिला मोर्चा संगठन विस्तार गोविंदपुर प्रखंड कमेटी और बूथ स्तरीय कमेटी के मजबुती के लिए झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के मिशन और केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो के विचारधाराओं को जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया और सिंदरी विधानसभा चुनाव में इस बार ऐतिहासिक जीत के लिए संकल्प लिया गया मौके पर केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो बरवाअड्डा जोंन अध्यक्ष हरेंद्र रजक केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटू रजक धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक अशोक साव गुंजा देवी किरण देवी यशोदा देवी राखी देवी रीना देवी गीता देवी संजोती कुमारी रंजू देवी ऐसा बीवी उषा देवी सुनीता देवी शांति देवी लक्ष्मी देवी नोमिता देवी आदि लगभग दो सौ महिलाओं की उपस्थिति हुई।

कांग्रेस ने सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में हूल क्रांति दिवस के अवसर पर सिद्धू कान्हू पार्क में संथाल हूल के अमर नायक सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा एवं कांग्रेस भवन में चित्र पर माल्यापर्ण कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि झारखंड के महान सपूत सिद्धू-कान्हू एवं चांद-भैरव ने 150 वर्ष पूर्व अंग्रेजों के शोषण एवं अत्याचार के खिलाफ स्वाभिमान एवं आत्मसम्मान के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका था। यह आंदोलन 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि थी। यह सबसे अधिक संगठित और सशक्त आंदोलन था जिसमें संथाली अपनी मातृभूमि की खातिर कुर्बान होने को तैयार हो गए। एक छोटे से गांव से शुरू हुये हूल से पूरे संथाल में ऊर्जा का संचार हुआ, जिसे तत्कालीन अंग्रेज सरकार की नींद उड़ा दी थी।

संथाल परगना में जनजाति संस्कृति खतरे में, लगातार घट रही जनजातियों की आबादी: बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी आज संथाल परगना के दौरे पर उपराजधानी दुमका पहुंचे। हुल दिवस के अवसर पर उन्होंने हुल क्रांति के महानायक वीर शहीद सिदो कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री मरांडी ने कहा 1857के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के 2वर्ष पूर्व ही संथाल परगना की धरती से अमर शहीद सिदो कान्हु के नेतृत्व में अंग्रेजो के अत्याचार के खिलाफ हजारों जनजाति भाई बहनों ने संघर्ष किया,बलिदान दिए,जो हुल के नाम से प्रसिद्ध है।

उन्होंने कहा कि हुल के कारण ही आदिवासियों के जल जंगल जमीन और संस्कृति की रक्षा केलिए एस पी टी ,सीएनटी जैसे कानून बने।

उन्होंने कहा कि आज संथाल परगना की संस्कृति खतरे में है।

श्री मरांडी ने आदिवासियों की तेज गति से घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 1951की जनगणना से लेकर 2011की जनगणना के बीच आबादी का विश्लेषण करें तो भयावह तथ्य उजागर होते हैं। 1951में आदिवासियों की आबादी 44.69%थी जो 2011 में 16%घटकर 28.11% हो गई। जबकि मुस्लिम आबादी इस बीच 9.44%से बढ़कर 22.73%हो गई। शेष समुदाय की आबादी 43%से बढ़कर 49%ही हुई।

उन्होंने कहा कि अगर इसी प्रकार जनजाति समाज की आबादी घटती रही तो आजादी के 100साल और हुल आंदोलन के लगभग 200साल पूरा होते होते संथाल जनजाति समाज का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि संथाल परगना के साहेबगंज और पाकुड़ जिला की स्थिति तो बद से बदतर होती जा रही। उन्होंने कहा कि जनजातियों के जल जंगल जमीन की सुरक्षा के कानून तो मौजूद हैं लेकिन उनका अस्तित्व पूरी तरह खतरे में है।

उन्होंने राज्य सरकार से मांग किया कि इसकी जमीनी स्तर पर गहराई से जांच होनी चाहिए।

श्री मरांडी ने राज्य सरकार से इस संबध में एस आई टी गठित कर जांच कराने की मांग की।

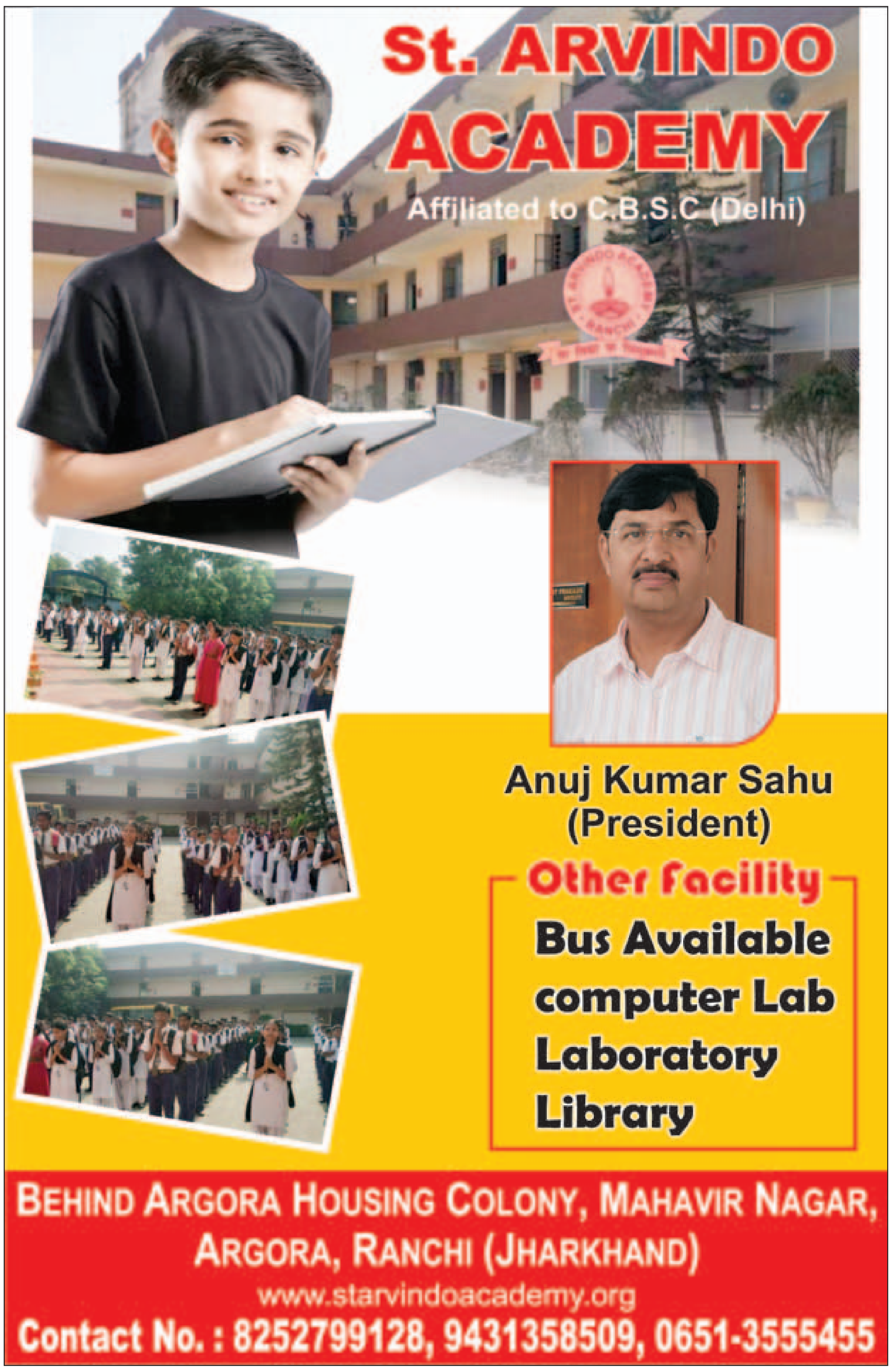

संक्षिप्त खबरें

हूल दिवस के पर बिश्राम मुंडा ने सोनुआ प्रखण्ड के झींगामर्चा के सिद्धू कान्हू चौक में किया माल्यार्पण

चाईबासा(बिभा)। रविवार को हूल दिवस के मौके पर जदयू जिलाध्यक्ष विश्राम मुंडा ने सोनुआ प्रखण्ड के झींगामर्चा सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए नमन किया। मौके पर मौजूद जदयू जिलाध्यक्ष विश्राम मुंडा ने अपने संबोधन में कहा की हमारे पुर्वजों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ महाजनी प्रथा को समाप्त करने संघर्ष किया था। जिसमें संथाल विद्रोह के नायक रहे सिद्ध कान्हू का योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इन्हीं की देन है हम आज स्वतंत्र रूप से जीवनयापन कर रहे हैं।हम सबकी भी यह जिम्मेदारी बनती है की हमारी पहचान जल जंगल जमीन से जिसे हमें मिलकर बचाना है।हम सब एक ही ही चाहे वह संथाल,हो मुंडा,हो उरांव हो या कुडुख हो हम सब आदिवासी भाई है और हम सबको एक जुटता के साथ रहना। जिससे हम बाहरी ताकतों से लड़ पायेंगे।

ठनका गिरने से चार बच्चे घायल, सूचना पाकर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे डॉ. विजय सिंह गागराई

चाईबासा(बिभा)। चक्रधरपुर प्रखंड के पंचायत होयोहातु के सोनामारा गांव में ठनका गिरने से चार बच्चे घायल हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से चारों बच्चों को चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं इस घटना की सूचना पाकर पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव सह समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने घायल बच्चों का हाल जाना और घायल बच्चों के परिजनों से मिल कर घटना की पूरी जानकारी ली। परिजनों ने बताया कि बच्चे मैदान में खेल रहे थे की अचानक बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए बच्चे एक मैदान के सामने पुआल की झोपड़ी में छुप गए। अचानक सामने आसमानी बिजली गिरी जिससे सभी बच्चे बेहोश हो गए। गांव वालों की मदद से उन्हें अस्पताल लाया गया। घायलों में साहू मुंडारी ,नारायण सिंह, राजू नाथ मुंडा, राज मुंडा शामिल है।

मंत्री दीपक बिरुवा ने हाथियों से बचाव के लिए बड़े टॉर्च व पटाखे का किया वितरण

बिभा संवाददाता

चाईबासा। मंत्री दीपक बिरुवा रविवार को टोंटो प्रखंड के हाथी प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे थे। उन्होंने दुरूला गांव में बैठक कर ग्रामीणों से इस बारे में बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। इस दौरान विभिन्न पंचायतो के सैकड़ो ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित हुए। मौके पर मंत्री जी ने हाथी प्रभावित क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में हाथियों से बचाव के लिए बड़े टॉर्च व पटाखे वितरण किए, ताकि हाथियों के आने पर उन्हें भगाया जा सके।ग्रामीणों ने मंत्री को बताया कि हाथियों के कारण पूरे इलाके में खौफ का माहौल है। हाथियों का झुंड विभिन्न गांवों में घूमकर खेतों में लगी फसलों को नष्ट कर रहा है। इससे किसानों को काफी परेशानी हो रही है। हाथियों के डर से गांव के लोग रात-रात भर पहरा कर रहे हैं। इस दौरान वन विभाग के पदाधिकारी ग्रामीणों को हाथियों से बचाव के लिए कई जरूरी टिप्स दिए। वहीं माननीय मंत्री श्री दीपक बिरुवा ने कहा कि ग्रामीण हाथियों से प्रभावित जंगलों में प्रवेश नहीं करें एवं हाथियों के झुंड की गांव तरफ आने की सूचना पर गांव में एक जगह एकत्रित हो जाएं तथा टॉर्च जला लें जिसके प्रकाश से हाथियों का झुंड गांव में प्रवेश नहीं करेगा। हाथियों के गांव के नजदीक आने पर उन्हें पत्थर आदि ना मारें अन्यथा हाथी गुस्से में आ जाते हैं। उन्होंने ग्रामीणों की स्थिति देखते हुए वन विभाग के पदाधिकारियों को मदद के लिए आगे आने का निर्देश दिया. वन कर्मियों को ग्रामीणों के साथ रहकर हाथियों को भगाने का निर्देश दिया। यहां उपस्थित वन विभाग के पदाधिकारियों के द्वारा जंगल में आग से बचाने की अपील की गई। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि वातावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए वनों को आग से बचाने में विभाग का सहयोग करें। जंगल में आग लगने की सूचना मिलने पर तत्काल विभाग को सूचना दें। बैठक में मुख्य रूप से आईएफएस प्रशांत भविष्यकर, आरएफओ जितेंद्र प्रसाद सिंह, फॉरेस्टर रिचार्ड मद्दू सोरेन, जिला बीस सूत्री सदस्य सुभाष बनर्जी, जिला परिषद् सदस्य राज नारायण तुबिड, पूर्व प्रमुख मंगल तुबिड, तुराम बिरुली, मंजित हासदा, संजय दास, फुलेन्द्र महतो, दाफेदार हेस्सा, छोटा हेस्सा समेत अन्य मौजूद थे।

कांग्रेस ने ब्रिटिश शोषण के खिलाफ लड़ने वाले क्रांतिवीर सिद्धो-कान्हू को किया नमन

बिभा संवाददाता

चाईबासा। रविवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाईबासा के कांग्रेस भवन में कांग्रेसियों ने क्रांतिवीर सिध्दू - कान्हू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर 2 मिनट का मौन धारण कर उन वीर - वीरांगनाओं की शौर्य गाथा और बलिदान को याद किया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव दीनबंधु बोयपाई ने मुख्य वक्ता के रूप में उन शहीद वीर योद्धाओं की वीर गाथा को याद करते हुए कहा हुल दिवस,जिसे संथाल विद्रोह के नाम से भी जाना जाता है , 30 जून 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ शुरू हुआ था। और उस विद्रोह का मुख्य कारण था , 19 वीं शताब्दी में ,संथाल आदिवासियों को महाजनों, जमींदारों और ब्रिटिश सरकार के द्वारा भारी शोषणों का सामना करना पड़ता था।उनसे उनकी जमीनों को षड्यंत्र के तहत छीन लिया जाता था।वे लोग किसानों को जानबूझकर कर्ज में डुबाकर मजबूर करते थे। इस तरह महाजनों, जमींदारों और ब्रिटिश सरकार के विभिन्न तरह के हरकतों से तंग आकर आदीवासियों ने सिध्दू - कान्हू के नेतृत्व में हूल कांति का शुरूआत किया था। और इस युद्ध में संथाल आदिवासी लड़ाकू योद्धाओं ने जमींदारों, महाजनों और ब्रिटिश सरकार के सैनिकों की छक्के छुड़वाकर वीरता का लोहा मनवा चुके हैं। इससे घबराकर दोनों को ही पकड़ लिया गया और 26 जुलाई 1855 को एक पेड़ पर लटकाकर फांसी दे दिया गया था। इस प्रकार इन वीर शहीदों की याद में प्रति वर्ष पूरे देश में हूल कांति दिवस मनाया जाता है। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कृष्णा सोय ने कहा कि आज हूल कांति दिवस हम सबको पुनः जुल्म और शोषण के खिलाफ एक और क्रांति की याद दिलाने के लिए काफी है। उक्त महत्वपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी जिला प्रवक्ता जगदीश सुन्डी ने दी।मौके पर मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव दीनबंधु बोयपाई, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कृष्णा सोय, जिला सचिव प्रेम पुरती, मोहन सिंह हेम्ब्रम, शंकर बिरुली, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैया, क्रांति मिश्रा, मुन्नी बारी, सोमबारी सावैया,लक्ष्मी देवी, देवकी तामसोय,असरीता बोदरा, रोशनी बारी, सरस्वती देवगम, सपनी अल्डा, रीना पुरती,गोलू पुरती इत्यादि मौजूद थे।

हूल क्रांति दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

चाईबासा। भारत की स्वतंत्रता के लिए कई महापुरुषों ने अपना बलिदान दिया एवं उन्होंने अपना खून, पसीना एक-कर भारत को स्वतंत्र राष्ट्र बनाया। भारत की स्वतंत्रता के लिए हुए अनेकों संघर्षों में आदिवासी समुदाय भी शामिल थे जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। ऐसे में उन आदिवासियों की शौर्य गाथा और बलिदान को याद करने के लिए हर साल देशभर में हूल क्रांति दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर संथाली सेमलेद् चाईबासा की ओर से हूल माहा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में संथाल डॉक्टर एसोसिएशन झारखंड के अध्यक्ष डॉक्टर जगन्नाथ हेंब्रम ने कहा देश भर में 30 जून को हूल क्रांति दिवस मनाया जाता है। आज के दिन उन महान क्रांतिकारियों को नमन किया जाता है, जिन्होंने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। 30 जून 1855 को आदिवासी भाइयों सिद्धो-कान्हो और चांद-भैरव के नेतृत्व में मौजूदा साहिबगंज के भोगनाडीह में लगभग 50 हजार आदिवासियों ने अंग्रेजी शासन के अधीन महाजनी प्रथा व बंदोबस्ती नीति के खिलाफ जंग का ऐलान किया था। आज के दिन हम सब उन क्रांतिकारियों के शौर्य को याद करते हुए गौरवान्वित होते हैं। इस आयोजन में रक्तदान करने में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।इस हूल माहा रक्तदान शिविर में 23 युनिट रक्त संग्रह किया गया ।शिविर में आसेका चाईबासा,संथाल डॉक्टर एसोसिएशन झारखंड, खेरवाड़ गांवता चक्रधरपुर के सदस्यों के साथ डॉक्टर जगन्नाथ हेंब्रम, राम प्रकाश माडी,जय राम टुडू,सुखलाल टुडू,उदय टुडू,डॉक्टर अरुण कुमार हांसदा,डाक्टर प्रदीप्तो माझी ,मालती हेंब्रम, लक्ष्मी हेंब्रम ,ज्योत्सना सिंह बेसरा, सिंगो हेंब्रम ,कपूर मनी हेंब्रम, सुनीता दास ,जिज्ञासा दास, अनिल जेराई, संजय जारिका ,सानगी दोंगो शामिल हुए।

जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु नें किया कार्यकर्ताओं के साथ बैठक, फुंका चुनावी बिगुल, कहा कसलें कमर

संतोष वर्मा/बिभा

चाईबासा। लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की प्रत्याशी जोबा मांझी की जीत के बाद पहली समीक्षा बैठक के रूप में जगन्नाथपुर विधानसभा के विधायक सोना राम सिंकु ने विधानसभा स्तरीय बैठक बुला कर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है।लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा को उनके ही गृह क्षेत्र में बीस हजार से अधिक मतों से पिछे धकेलने में सोना राम सिंकु नें बड़ी भूमिका निभाई है।सोना राम सिंकु विधानसभा चुनाव में बूथ स्तर पर अभी से रणनीति तैयार करने में जुट गए हैं। विदित हो कि कोड़ा भगत के रूप में पहचाने जाने वाले जगन्नाथपुर विधानसभा के विधायक सोना राम सिंकु आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा के खिलाफ चुनाव लड़ने की संकेत दे दिए है। साथ ही विधायक सोना राम सिंकु नें जमकर बोला हमला और कहा की लोकसभा चुनाव में जिस तरह भाजपा प्रत्याशी को करारी हार का सामना करना पड़ा उसी तरह हम और हमारी महागठबंधन एक साथ मिलकर विधानसभा चुनाव में भी भाजपा प्रत्याशी को हार का मुंह दिखायेगा। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस बार कांग्रेस से सोनाराम सिंकु व भाजपा से कोड़ा दंपति या जिनको भी टिकट मिलेगा उनके साथ होगा विधानसभा चुनाव में आर - पार का टक्कर उक्त बाते कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास ने रविवार को कांग्रेस पार्टी कार्यालय में चल रहे कार्यकर्ता सम्मेलन में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ और सक्रिय कार्यकताओं के बीच में कही।उन्होनें कहा कि हमारे वर्तमान विधायक सोनाराम सिंकु ने विधानसभा क्षेत्र में जनता के सुख-दुख में हमेशा खड़े रहे साथ ही उनके फंड से कई विकास कार्य किया है।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस पार्टी में संगठन मजबूती करना, तथा 09 अगस्त को विश्व आदिवासी मनाने को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। एवं आगामी विधानसभा चुनाव में किस तरह भारी जीत हो उस पर विशेष चर्चा किया गया। इस बैठक में जगन्नाथपुर विधानसभा के सभी प्रखंडों से कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। हम सभी को कांग्रेस पार्टी के संगठन को मजबूत करना है तथा आने वाले 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस को जोरों शोरों से मानना है तथा आगामी विधानसभा चुनाव में हम सभी को जी तोड़ मेहनत कर पुनः कांग्रेस पार्टी के विधायक सोनाराम सिंकु को भारी संख्या में विजय बनाना है। जिस पर कार्यकताओं ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि हम सभी कांग्रेस पार्टी के सिपाहियों को प्रत्येक प्रखंड, गांव, पंचायत, नगर तथा एक-एक घर जाकर हमें जनता की समस्याओं से अवगत होना होगा तथा उनकी समस्याओं को हल करने की यथत प्रयास करनी होगी। वहीं विधायक सोनाराम सिंकु ने संबोधित करते हुए कहा कि समय बहुत कम बची हुई है, हम सभी को एकजुट होकर पार्टी संगठन को मजबूत बनाना है। इसके लिए जोर शोर से कार्य करना होगा हम सभी को अभी महत्वपूर्ण ध्यान देना है कि बहुत से ऐसे हमारे प्रखंड अध्यक्ष जो अभी कोड़ादंपति के साथ चले गए है उनके जगह पर नए प्रखंड अध्यक्ष बनाना होगा। बहुत से पंचायत स्तरीय बुथ स्तरीय कार्यकर्ता जो कोड़ा दंपति के साथ चले गए हैं उनके जगह पर नए लोगों को पदभार सौपना होगा। इसके साथ ही हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा

विधायक सोनाराम सिंकु ने कहा कि जनता को कोई भी समस्या हो आप अपनी समस्या फोन के माध्यम से हमें बता सकते हैं मैं आपकी सेवा के लिए हमेशा खड़े रहूंगा। वही श्री सिंकु ने कहा की 9 अगस्त को विश्व आदिवासी है। जैसे हम बीते चार वर्षो से मनाते हूए आ रहे है हमें इस वर्ष और हर्षो उल्लास के साथ विश्व आदिवासी दिवस माननना है।

वही युथ इंटक के जिलाध्यक्ष कतबुदिन खान ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी एक बगीचा की तरह है उस बगीचे में सभी प्रकार के फूल होते हैं इस तरह कांग्रेस पार्टी वे सभी जाति धर्म को लेकर साथ चलने वाली पार्टी है चाहे वह हिंदू हो या आदिवासी या फिर मुस्लिम हो चाहे जितने भी धर्म है सबको एक साथ लेकर चलती है। सभी धर्म के लोगों के साथ मान सम्मान कांग्रेस पार्टी ही देती है इसलिए इस बार आगामी विधानसभा चुनाव में हमारे लोकप्रिय विधायक सोनाराम सिंकु को विपक्ष पार्टी से 50 हजार वोट आगे से जीतना है। वहीं विधायक सोनाराम सिंकु ने जगन्नाथपुर कांग्रेस कार्यालय, जगन्नाथपुर में सर्वप्रथम वीर शहीद सिद्धू कानू की प्रतिमा में माल्यार्पण कर सबों को हुल दिवस का बधाई दिए। साथ ही जगन्नाथपुर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष ललित कुमार दोराईबुरु की अध्यक्षता में एक बैठक हुईं। मौके पर पश्चिमी सिंहभूम जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, वरिष्ठ कांग्रेसी पूर्व कोषाध्यक्ष राधामोहन बनर्जी, जगन्नाथपुर प्रखण्ड प्रमुख बुधराम पूर्ति, नोआमुंडी कांग्रेस अध्यक्ष मंजीत प्रधान, जगन्नाथपुर कांग्रेस अध्यक्ष ललित कुमार दोराई बुरु, कुतुबुद्दीन खान, अरशद इकबाल, आफताब आलम, प्रदीप गोप , बीरबल हेस्सा, बिक्रम हेम्ब्रम,राजू हेम्ब्रम, क्रान्ति तिरिया, रूपसिंह लगुरी,बैसाकू गोप, विपिन सिंकु, रोशन पान, रंजीत गगराई, लोकनाथ पान, मनीष गोप, दुर्गाचरण गोप, सरफुल गोप, प्रकाश गोप प्रदीप प्रधान, बिलास प्रजापति, जेना पूर्ति, जीतेंद्र पूर्ति, मंजू पूर्ति आदि कांग्रेसी उपस्थित थे।

महिला कॉलेज चाईबासा में हूल दिवस मनाया गया

बिभा संवाददाता

चाईबासा। महिला कॉलेज चाईबासा में को हूल दिवस मनाया गया। इस पावन दिवस पर सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो जैसे जनजातीय वीर-वीरांगनाओं आदरपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।प्राचार्य डॉ प्रीतिबाला सिन्हा ने बताया 1855-56 में संथाल विद्रोह का नेतृत्व करने वाले दो भाइयों सिदो और कान्हू ने अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। इस विद्रोह में अंग्रेजों ने लगभग 20 हजार संथालियों को गोलियों से भून डाला था।मौके पर उपस्थित डॉ प्रशांत खरे ने सभी छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा उन्होंने संथाल एकता को प्रदर्शित करते हुए शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई थी।डॉ अर्पित सुमन ने कहा हूल दिवस हमारे आदिवासी समाज के अप्रतिम साहस, संघर्ष और बलिदान को समर्पित एक महान अवसर है। हमें आपस में एकता बना कर रखनी चाहिए। इसके छात्राओं के द्वारा शहर में रैली निकाली गई जिसमें सिद्धू कान्हू जीतकर की ध्वनि गूंजने लगी। इस अवसर पर महिला कॉलेज की छात्राओं के साथ-साथ सीता राम सोरेन, विजय मुर्मू, भुंडा मुर्मू और अनिल टुडू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

मनोहरपुर-नंदपुर उपस्वास्थ्य केंद्र जर्जर होने से खाली पड़े स्कूल भवन में चल रहा है उपस्वास्थ्य केंद्र

चाईबासा। मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत नंदपुर उपस्वास्थ्य केंद्र का भवन तीन साल से जर्जर और बेकार पड़ा हुआ है.जिसके चलते उपस्वास्थ्य केंद्र खाली पड़े स्कूल भवन में चल रहा है.विदित हो कि नंदपुर स्थित उत्क्रमित स्कूल अन्य स्कूल के साथ मर्ज. हो गया है.जिससे यह स्कूल भवन खाली पड़ा हुआ है. हालांकि इस स्कूल भवन की भी स्थिति अच्छी नहीं है.वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस खाली पड़े स्कूल भवन में ही करीब तीन सालों से वहां उपस्वास्थ्य केंद्र चल रहा है.बारिश के मौसम में छत एवं दीवारों से पानी का रिसाव होता है.जिससे उपस्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों के साथ साथ मरिजों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.स्थानीय लोगों ने इस समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रशासन से नए उपस्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण कराने की मांग की है.

सांसद बनने के बाद मनोहरपुर विस क्षेत्र पहुंची जोबा माझी का हुआ स्वागत, हूल दिवस कार्यक्रम में की शिरकत

बिभा संवाददाता

चाईबासा।सांसद बनने के बाद पहली बार मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंची जोबा माझी का सोनुवा, गोइलकेरा व मनोहरपुर में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। सोनुवा पहुंचने के बाद झामुमो समेत गठबंधन दलों के कार्यकताओं ने बाजे-गाजे के साथ आतिशबाजी करते हुए नव निर्वाचित सांसद का स्वागत किया। मौके पर कार्यकताओं ने गुलदस्त भेंट कर उन्हें जीत की बधाई दी। कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। सोनुवा के बाद गोइलकेरा में भी स्वागत किया गया। गोइलकेरा में सांसद जोबा माझी ने अपने दिवंगत पति देवेंद्र माझी के स्मारक स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित की। इसके बाद सांसद जोबा माझी का काफिला आनंदपुर पहुंचा। यहां स्वागत और अभिनंदन के पश्चात जोबा माझी मुक्ति पत्थर में हूल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई। यहां उन्होंने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सोनुवा के झींगामार्चा गांव में हूल दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुई। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित भी किया। मौके पर झामुमो के युवा नेता जगत माझी, डॉक्टर महतो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सोहन माझी, बीस सूत्री अध्यक्ष अजीत माझी, अकबर खान, प्रिंस खान, सागर महतो, संजीव गंताइत, दिनेश महतो, श्रीकांत कुमार, संजय प्रधान, अजीत राउत, गणेश प्रधान, नरेन्द्र मुंडा, कुलदीप महतो, किशोर दास आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com